शुक्रवार
26 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

आचार संहिता उल्लंघन में पप्पू यादव पर प्राथमिकी दर्ज

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

दु:खद: रेलवे जंक्शन के सामने स्थित होटल में लगी आग ने देखते-देखते तीन होटलों को चपेट में लिया, 18 घायल

पटना के पाल होटल में भीषण आग, छह की मौत

- फायर ब्रिगेड टीम ने हाइड्रोलिक मशीन का उपयोग कर 45 से अधिक लोगों की बचाई जान

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में रेलवे जंक्शन के बिल्कुल सामने स्थित बहुमंजिले पाल होटल में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। इस आग ने आसपास के तीन होटलों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 3 महिला और 3 पुरुष हैं। वहीं, कई लोग घायल हुए हैं। उन सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। वहीं इस दौरान फायर ब्रिगेड की टीम ने हाइड्रोलिक मशीन का इस्तेमाल करते हुए 45 से अधिक लोगों को बचाया।

पटना के सिटी एसपी सेंट्रल ने बताया कि 6 लोगों की इस हादसे में जलकर मौत हुई है। वहीं, 18 लोगों को जली और घायल अवस्था में पीएमसीएच में ले जाया गया है। इनमें से 12 लोगों को तुरंत आईसीयू में भर्ती किया गया है। इनमें से तीन की हालत बेहद ही नाजुक बनी हुई है। जब आग लगी तब होटल में कई लोग मौजूद थे। डीजी फायर शोभा अहोतकर ने

गैस सिलेंडर बदलने के दौरान लिकेज के कारण सिलेंडर में अचानक आग लग गई

बताया कि सूचना मिलते ही कुछ मिनट के अंदर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच कर आग बुझाने में जुट गईं। 51 दमकल की मदद से दो घंटों की कड़ी मशक्कत से आग पर कंट्रोल किया गया। होटल और पास की बिल्डिंग से 45 लोगों को निकाला गया। आग लगने से इलाके में अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर में लीक की वजह से आग लगी। आग पर का काबू कर लिया गया है लेकिन फायर फाइटिंग टीम जले लोगों की अभी तालश में जुटी है।

कुछ देर बाद सिलेंडर ब्लास्ट कर गया

जानकारी के अनुसार आग दिन के 11 बजे लगी। गैस सिलेंडर से लगी आग काफी तेजी से फैल गई। होटल वालों ने अग्निशमन यंत्र की मदद से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। देखते-देखते आग पूरे होटल में फैल गई और आस-पास के भवनों को भी चपेट में ले दिया। सूचना मिलते हीं अग्निशमन विभाग के अफसर और फायरमैन मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। पहले दो यूनिट लेकर दमकल टीम पहुंची। आग भीषण होने के कारण

51 दमकल गाड़ियों की मदद से दो घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

आस पास के फायर स्टेशनों से दमकल का प्रबंध किया गया। स्थानीय कंकड़बाग, लोदीपुर फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां मंगवाई गईं। कुल 51 दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। आसपास के भवन भी आग की चपेट में आ गए। पाल होटल के अलावे पंजाबी नवाबी, बलवीर साईकिल स्टोर में भी आग लग गई। स्टेट फायर अफसर के मुताबिक 45 से अधिक लोगों को रेस्क्यू करके निकाला गया है।

होटल और आस पास के भवनों के आग की चपेट में आ जाने से दर्जनों लोग फंस गए। उन्हें निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। उपरी मंजिल तक क्रेन से लोगों को निकालने में कामयाबी मिली। अग्निशमन दस्ता के साथ पटना पुलिस की टीम ने आग बुझाने और रेस्क्यू में काफी मेहनत किया। होटल पाल के पास स्थित मकानों पर चढ़कर पुलिस और फायर फाइटर्स की टीम ने आग पर नियंत्रण किया। लोगों को निकालने के बाद एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

आग क्यों और कैसे लगी: प्रत्यक्षदर्शी स्टाफ रंजन ने बताया कि होटल में गैस सिलेंडर से आग लगी। चाउमिंग व अन्य फास्ट फूड बनाने के लिए नया सिलेंडर बदलने के लिए लाया गया था जो पहले से लीक थी। तभी पहले से जल रही गैस से उसमें भी आग लग गई। उसके बाद स्टाफ ने तीन कार्बन डाइऑक्साइड का सिलिंडर इस्तेमाल किया। फिर भी आग नहीं बूझ पाई। उसके बाद वहां मौजूद लोग तेज आवाज लगाते बाहर निकलकर भागे। एक गैस सिलेंडर भी ब्लास्ट हो गया।

सीएम नीतीश कुमार ने व्यक्त की शोक संवेदना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने होटल पाल में आग लगने की घटना में 6 लोगों की हुई मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह घटना अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री ने घटना में घायल लोगों के समुचित इलाज का निर्देश दिया है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

बताया जा रहा है कि अंदर में 10 से 12 गैस सिलेंडर मौजूद थे।

हादसे को लेकर जीजी होमगार्ड शोभा अहोतकर ने बताया कि फायर डिपार्टमेंट और पटना पुलिस ने जान बचाने को प्रायरिटी देते हुए काम किया। साथ ही संपत्ति के नुकसान का भी खयाल रखा गया। यह एरिया काफी संकरा है जिससे रेस्क्यू और फायर फाइटिंग में काफी दिक्कत हुई। इस इलाके में डिपार्टमेंट की टीम ने लोगों को आगाह किया लेकिन बात नहीं मानी गई। खासकर होटलों को सावधानी के लिए बार बार अगाह किया गया। अब एक बार फिर फायर ऑडिट की जाएगी और जरूत के अनुसार कार्रवाई भी होगी।

दूसरा फेजः 13 राज्यों की 88 सीटों पर आज डाले जाएंगे वोट

लोकसभा चुनाव

एजेंसी/नई दिल्ली

2024 के लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इस चरण में 13 राज्यों के 88 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होगी। जिन प्रदेशों में 26 अप्रैल को मतदान होने जा रहा है उनमें असम, बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर शामिल है।

दूसरे फेज में 13 राज्यों की 88 सीटों पर वोटिंग होगी। इनमें असम की 5 सीटें करीमगंज, सिलचर, मंगलदोई, नवगोंगगों और कलियाबोर, बिहार की 5 लोकसभा सीटें हैं, जिनमें किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर और बांका में वोट डाल जाएंगे। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ की 3 लोकसभा सीटें राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर में मतदान होगा. वहीं, जम्मू-कश्मीर की 1 सीट पर वोटिंग होगी और कर्नाटक की 14 सीटें जिनमें उडुपी चिकमंगलूर, हसन, दक्षिण कन्नड़, चित्रदुर्ग, तुमकुर, मांड्या, मैसूर, चामराजनगर, बेंगलुरु ग्रामीण, बेंगलुरु उत्तर, बेंगलुरु सेंट्रल, बेंगलुरु दक्षिण, चिकबल्लापुर और कोलार में वोट डाले जाएंगे। इसके साथ ही केरल की सभी 20 सीटें जिसमें कासरगोड, कन्नूर, वटकारा, वायनाड, कोझिकोड, मलप्पुरम, पोन्नानी, पलक्कड़, अलाथुर, त्रिशूर, चलाकुडी, एनार्कुलम, इडुक्की, कोट्टायम, अलाप्पुझा, मावेलिककारा, पथानामथिट्टा, कोल्लम, अटिंगल और तिरुवनंतपुरम में 26 अप्रैल को ही वोटिंग होगी। जबकि, मध्य प्रदेश की 7 लोकसभा सीटें टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा, होशंगाबाद और बैतूल में वोट डाले जाएंगे। वहीं, राजस्थान की 13 लोकसभा सीटें टोंक, सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारां में वोट डाले जाएंगे. जबकि, महाराष्ट्र की 8 सीटें बुलढाणा, अकोला, अमरावती, वर्धा, यवतमाल-वाशिम, हिंगोली, नांदेड़ और परभणी में मतदान होगा। वहीं यूपी की 8 लोकसभा सीटों है जिनमें अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ, मथुरा और बुलंदशहर में दूसरे चरण के लिए वोट डाले जाएंगे। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल की 3 सीटें जिसमें दार्जिलिंग, रायगंज और बालुरघाट में मतदान होगा।

पटना में देर रात रिसेप्शन पार्टी करके घर लौट रहे जदयू नेता की गोली मार हत्या

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच राजधानी पटना में बीती रात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू नेता सौरभ कुमार की अपराधियों ने गोली मार कर हत्या कर दी। घटना पटना के पुनपुन के पैमार गांव के पास बेलड़ीया पुल के पास की है। उनके एक दोस्त मुनमुन कुमार गोलीबारी में घायल हो गए हैं। उन्हें इलाज के लिए पटना के कंकड़बाग स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

दूसरी तरफ, घटना की सूचना फैलते ही गांव के लोग सड़क पर उतर आए। लोगों ने पटना पुनपुन मार्ग को जाम कर जमकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी (पूर्वी) भारत सोनी, डीएसपी मसौढ़ी कन्हैया सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। घटना की पुष्टि करते हुए डीएसपी कन्हैया सिंह ने बताया कि अपराधियों ने जदयू नेता को सिर में गोली मारी थी। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर पुलिस टीम ने खोजी

कुत्तों के साथ फॉरेंसिक साइंस की टीम को बुलाया है।

रात 12 बजे के बाद घटना, अस्पताल में मृत घोषित: जदयू नेता सौरभ कुमार बुधवार की देर रात बढइयां कोल गांव में आपने एक मित्र अजीत कुमार के भाई की रिसेप्शन पार्टी में गए थे। बताया जा रहा है कि रात लगभग 12 बजे रिसेप्शन पार्टी से अपने एक मित्र मुनमुन कुमार के साथ वापस अपने घर शिव नगर लौट रहे थे। सौरभ कुमार अपनी गाड़ी पर बैठ रहे थे, तभी मोटरसाइकिल से आए तो अपराधियों ने ताबड़तोड़ कई गोलियां चला दीं। सौरभ कुमार के सिर और उनके दोस्त मुनमुन कुमार के पेट-हाथ में गोलियां लगीं। गोली लगते ही वे लोग वहीं गिरकर गए। इस बीच अपराधी वहां से फरार हो गए। गोलीबारी की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने सौरभ कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल मुनमुन कुमार को पटना के कंकड़बाग स्थित एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा- एसडीपीओ: मौके पर पहुंचे मसौढ़ी एसडीपीओ कन्हैया कुमार ने बताया कि सौरभ कुमार शादी समारोह से लौट रहे थे। इस दौरान पहले से घात लगाए बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया है। स्थानीय लोगों ने सड़क को जाम किया था। लोगों को समझा बूझकर जाम हटा दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आईआईटी-जेईई मेन्स का रिजल्ट जारी, इस साल सबसे ज्यादा 56 छात्रों ने हासिल किया 100 परसेंटाइल

नई दिल्ली। आईआईटी-जेईई मेन्स का रिजल्ट बुधवार देर रात जारी किया गया। बिहार के प्रथम कुमार को 100 परसेंटाइल आया है। प्रथम 33वें स्थान पर हैं। वहीं अब तक का रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे ज्यादा 56 स्टूडेंट्स ने 100 परसेंटाइल हासिल किया है। इनमें कर्नाटक की सानवी जैन और दिल्ली की शायना सिन्हा, दो लड़कियां शामिल हैं। पिछली बार 43 स्टूडेंट्स ने 100 परसेंटाइल हासिल किया था। वहीं, सिर्फ एक छात्रा को 100 परसेंटाइल मिला था। इस बार 100 परसेंटाइल के क्लब में जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और फीमेल केटेगरी सभी कैंडिडेट शामिल हो पाए हैं। ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में 6 टॉपर हैं, दूसरी ओर जनरल कैटेगरी में 40 टॉपर, ओबीसी कैटेगरी में 10, जबकि फीमेल कैटेगरी में दो टॉपर मौजूद है। इस बार तेलंगाना के 15 छात्रों ने हंड्रेड परसेंटाइल प्राप्त किया है।

इस बार जेईई मेन के अप्रैल सेशन की परीक्षा में कुल 10,67,959 छात्रों ने भाग लिया। हालांकि पिछली बार के मुकाबले 45,366 छात्र इस बार कम थे। वहीं इस परीक्षा के बाद सभी श्रेणियों के 2,50,248 छात्रों ने जेईई एडवांस के लिए क्वालिफाई किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगरा में विशाल जनसभा को किया संबोधित, बोले...

ओबीसी का हक छीन अपने वोटबैंक को देना चाहता है इंडी गठबंधन

केटी न्यूज/आगरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग ओबीसी को मिले आरक्षण के हक पर डाका डालने की तैयारी में है। पीएम मोदी ने कहा कि वे खुद भी ओबीसी समुदाय से आते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इस षड्यंत्र में समाजवादी पार्टी का भी पूरा साथ मिला है। सपा यादवों और पिछड़ों के साथ विश्वासघात कर रही है। पीएम मोदी गुरुवार को कोठी मीना बाजार में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि शहजादे की एक्स-रे मशीन अब बहन बेटियों की आलमारी की जांच करना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस वाले हमारे परिजनों द्वारा हमें दी गई संपत्ति पर भी डाला डालने की

तैयारी में हैं। मोदी ने कहा है कि वो विकसित भारत के लिए आशीर्वाद मांगने आए हैं।

हथियारों के दलाल और उनके सहयोगी बौखला गये हैं: प्रधानमंत्री ने कहा कि आगरा में बन रहे डिफेंस कॉरीडोर से ऐसे लोग बौखला गये हैं, जो दुनियाभर के हथियारों के दलालों से सांठ गांठ करके मलाई खाते थे। उन्होंने कहा कि हथियारों के दलाल पिछली सरकारों में घूस देकर अपना काम कराते थे। पीएम ने कहा कि देश के अंदर बैठे ऐसे लोग नाराज हैं क्योंकि मोदी अब यहां शस्त्र बनाने और देश को आत्मनिर्भर बनाने की बात कहता है। वो नाराज है कि भारत की सेना आत्मनिर्भर बन रही है। इसलिए वो सभी मोदी के विरोध में एकजुट हो गये हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन के लिए देश से भी पहले उनका वोट बैंक है। मगर हमारा मॉडल शत प्रतिशत लाभार्थियों को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने का है। हमारे लिये यही सेक्युलरिज्म है। यही सच्चा सामाजिक न्याय है। फ्री राशन, मुफ्त इलाज, पक्का घर, शौचालय, नल से जल जैसे लाभ हर लाभार्थी को बिना भेदभाव के मिले ये मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि वह देश के लिए मेहनत कर रहे हैं और उनकी हर योजना को जमीनी धरातल पर ले जाने में मुख्यमंत्री योगी पूरी मेहनत कर रहे हैं।

कांग्रेस के मेनीफेस्टो पर मुस्लीम लीग का ठप्पा

पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन घोर तुष्टिकरण में जुटा है। 24 के चुनाव में कांग्रेस ने जो मेनीफेस्टो जारी किया है उसपर शत प्रतिशत मुस्लिम लीग का ठप्पा लगा हुआ है। पूरा मेनीफेस्टो सिर्फ वोट बैंक को मजबूत करने के लिए समर्पित है। हमारा मेनीफेस्टो देश को मजबूत करने के लिए समर्पित है। संविधान भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण की सहमति नहीं देता। फिर भी कांग्रेस आये दिन बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान करती है। संविधान का अपमान करती है और सामाजिक न्याय की धज्जियां उड़ा देती है। कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से खेल खेलना शुरू किया है। एससी, एसटी, ओबीसी की आंख में धूल झोंककर ठान लिया है कि वो धर्म के आधार पर रिजर्वेशन लाकर रहेगी। वो ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण में से छीनकर धर्म के आधार पर अपने वोट बैंक को आरक्षण देगी। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने रातों रात वहां की सभी मुस्लिम जातियों को ओबीसी बना दिया।

प्रशासन पर गलत बर्ताव का आरोप लगाते हुए पप्पू ने दिघरी चौक पर बैठकर किया प्रदर्शन

आचार संहिता उल्लंघन में पप्पू यादव पर प्राथमिकी, दो वाहन से 50 हजार जब्त

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद प्रत्याशी राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव पर कटिहार में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ है। जिला प्रशासन ने उनकी दो गाड़ियां भी जब्त की हैं। साथ में एक गाड़ी से 50 हजार रुपए कैश भी बरामद किया गया है। कटिहार पुलिस प्रशासन का कहना है कि पप्पू यादव आचार संहिता का पालन नहीं करते हुए चुनाव प्रचार कर रहे थे। हालांकि पप्पू यादव ने कहा कि वह अपने समर्थकों के साथ मिलने पहुंचे थे। प्रशासन पर गलत बर्ताव का आरोप लगाते हुए उन्होंने दिघरी चौक की सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। पप्पू यादव ने सदर डीएसपी अभिजीत सिंह पर साजिश कर हत्या की कोशिश करने का आरोप भी लगाया है। उनका कहना है कि वह कोढ़ा विधानसभा के दिघरी गांव में चुनाव

प्रचार के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उनको रोका गया। प्रशासन ने उनके साथ गलत व्यवहार भी किया। वहीं डीएसपी अभिजीत कुमार सिंह ने पप्पू यादव और उनके समर्थकों पर अभद्र आचरण का आरोप लगाया है। बता दें कि पप्पू यादव पूर्णिया लोकसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। शुक्रवार को यहां वोटिंग होनी है। पूरे मामले पर जानकारी देते हुए सदर अनुमंडल पदाधिकारी आलोक चंद्र चौधरी ने बताया कि कटिहार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र में राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को अपने निजी वाहन से प्रचार प्रसार करते हुए पाया गया था। उनके द्वारा अपने वाहन में अवैध नगद राशि एवं प्रचार-प्रसार सामग्री

पुलिस हिरासत में बीमा भारती के दो निजी सचिव, दस लाख रुपये कैश बरामद

पूर्णिया। पूर्णिया के रूपौली में आरजेडी प्रत्याशी बीमा भारती के दो ढअ को पुलिस ने हिरासत में लिया है। दोनों के पास से 10 लाख रुपए कैश मिला है। पुलिस रुपयों के सोर्स पता कर रही है। पुलिस को शक है कि ये रुपए चुनाव में उपयोग में हो सकते हैं। मामले को लेकर इनकम टैक्स के अधिकारी भी पहुंचे हैं। बीमा भारती के पीए अरविंद जायसवाल और महावीर मंडल को लेकर पुलिस रूपौली थाने में लेकर आई है। रुपौली थानाध्यक्ष अमजद अली ने बताया कि एक स्कॉर्पियो पर बैठे दो लोगों को 10 लाख रुपए कैश के साथ हिरासत में लिया गया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। बीमा भारती रूपौली से विधायक रही हैं। लालू यादव ने उन्हें पूर्णिया लोकसभा सीट से टिकट दिया था। पूर्णिया का चुनावी दंगल दिलचस्प हो चुका है। इंडी गठबंधन की ओर से राजद प्रत्याशी के तौर पर बीमा भारती चुनावी मैदान में हैं। वहीं एनडीए की ओर से जदयू के संतोष कुशवाहा अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं कांग्रेस में अपनी पार्टी का विलय करा चुके पूर्व सांसद गठबंधन के विरुद्ध जाकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। बता दें कि दूसरे चरण में बिहार में 5 सीटों पर वोटिंग होगी, जिसमें पूर्णिया भी है। मतदान से एक दिन पहले बीमा भारती की परेशानी बढ़ गई है। पूर्णिया का चुनावी दंगल दिलचस्प हो चुका है। इंडी गठबंधन की ओर से राजद प्रत्याशी के तौर पर बीमा भारती चुनावी मैदान में हैं। वहीं एनडीए की ओर से जदयू के संतोष कुशवाहा अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

फेमस यूट्यूबर मनीष कश्यप ने भाजपा का थामा दामन

केटी न्यूज/पटना

राज्य के फेमस यूट्यूबर मनीष कश्यप बीजेपी पार्टी में शामिल हो गए। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने मनीष कश्यप को पार्टी में शामिल कराया है। मनोज तिवारी मनीष को मां के साथ बिहार से दिल्ली लेकर आए और उन्हें बीजेपी की सदस्यता भी दिलाई। भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन करने के बाद मनीष ने कहा मुझे मेरी मां यहां लेकर आई है। उन्होंने बताया भाजपा सांसद मनोज तिवारी उन्हें दिल्ली लेकर आए हैं।

मनीष ने कहा कि इन लोगों की वजह से ही मैं जेल से बाहर निकल पाया हूं और मेरे जीवन के बुरे दिन खत्म हो गए। सन ऑफ बिहार के नाम से मशहूर यूट्यूबर ने कहा की बिहार को मजबूत करने के लिए मैं भाजपा ज्वाइन की है। बिहार में जो लालू परिवार ने लूट कर बर्बाद किया है, खसोट लिया है पूरे बिहार को, इसलिए मैंने बीजेपी ज्वाइन की है। बीजेपी के साथ मिलकर में बिहार को मजबूत करूंगा। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में बिहार के मजदूरों के साथ मारपीट का एक वीडियो मनीष कश्यप ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल से शेयर किया था, जो काफी वायरल हुआ था। यह वीडियो बनाकर वो कानून के जाल में बुरी तरह फंस गए। वीडियो वायरल होने के बाद तमिलनाडु पुलिस ने इसे भ्रामक बताया था। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज की थी। इसी मामले को लेकर मनीष कश्यप के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। मनीष को करीब 9 महीने जेल में बिताने पड़े थे। इसके अलावा मनीष की पहचान एक सक्सेसफुल यूट्यूबर की है उनके यूट्यूब पर करीब 8.75 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं वह बिहार से जुड़े कई सामाजिक मुद्दों पर सालों से वीडियो बनाते रहे हैं। बीजेपी में शामिल होने से पहले मनीष कश्यप ने पश्चिमी चंपारण सीट पर चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया था। वह निर्दलीय चुनाव में उतरने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन उससे पहले उन्होंने बड़ा कदम उठाते हुए बीजेपी में शामिल होने का फैसला किया है। इससे पहले वो साल 2020 में वो बिहार की चनपटिया विधानसभा सीट से भी निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ चुके थे। इसमें उनकी हार हुई थी।

चुनाव शुरू होने से पहले ही हार चुकी है कांग्रेस पार्टी और इंडिया एलाइंस : शाहनवाज हुसैन

- भारत की संपत्ति पर भारत के लोगों का अधिकार है, किसी घुसपैठियों का नहीं
- कांग्रेस व उनके साथियों की नजर अब विरासत पर

केटी न्यूज/पटना

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया । इस दौरान शाहनवाज हुसैन ने कहा कि चुनाव शुरू होने से पहले ही कांग्रेस पार्टी और इंडिया एलाइंस पूरी तरह चुनाव हार रहा है। लेकिन वह इस चुनाव में ही देश की जनता को डराना चाहता है। कांग्रेस की नजर है भारत के लोगों की संपत्ति पर है, और यही वजह है कि आज पहले भी उन्होंने घोषणा पत्र में संपत्ति के सर्वे की बात की। स्त्री धन और गुप्त धन जो होता है उसकी बात की। यह पूरी तरह अर्बन नक्सल के प्रभाव में है कांग्रेस। अर्बन नक्सल जिस तरह से देश के लोगों की संपत्ति बांट देना चाहते हैं । देश में जो उनके भाषण का पार्ट होता था आज वही पार्ट यूपीए का हो गया है । इस बात पर विवाद था ही कि जो देश की संपत्ति है उसको सर्वे करके, सोना के बारे में सर्वे करके, उसको लोगों के बीच में बाटेंगे । लेकिन कांग्रेस बैक फुट पर नजर आ रही थी। कांग्रेस पार्टी बैक फुट पर थी । लेकिन सैम पित्रोदा पेट्रोल के बयान ने कांग्रेस की इस हरकत को जग जाहिर कर दिया और अब कांग्रेस पार्टी ने कहा कि जिस तरह अमेरिका में 55: जो संपत्ति होती है विरासत की वह सरकारी खजाने में चली जाती है तो यह लोगों की जीवन भर की कमाई को सरकारी खजाने में डालना चाहते हैं, और उसका फिर बंटवारा करना चाहते हैं । इनका जो मकसद था वह यूपीसीए में भी उनकी प्राथमिकता यही थी । शाहनवाज हुसैन ने कहा कि हम लोगों ने कहा है कि भारत की संपत्ति पर भारत के लोगों का अधिकार है । किसी घुसपैठियों का नहीं । भारत में हर जात धर्म के लोग रहते हैं। बहुत गरीब हैं जब अनाज हम देते हैं लोगों को तो उनके लिए देते हैं। आयुष्मान भारत का कार्ड देते हैं तो कोई भेदभाव के भी ना देते हैं अकाउंट में पैसा डालते हैं। तब भेदभाव नहीं करते हैं।

ऑटोमोबाइल में जापान को पीछे छोड़कर भारत तीसरे स्थान पर

पटना। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि ऑटोमोबाइल में हमने जापान को भी पछाड़ कर तीसरा स्थान पर आए हैं। एप्पल का मोबाइल अब भारत में बन रहा है हम आत्मनिर्भर बन रहे है । नरेंद्र मोदी जी 55 करोड़ गरीब लोगों को 5 लाख रुपये हर साल उसके इलाज के लिए दे रहे हैं। आज हम लोगों ने सब समाज की चिंता की है यहां तक के किन्नर समाज को भी इसमें शामिल किया है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि हमने पूरे देश के अंदर आज ऐसी स्थिति बनाई है की जो सामने घमंडीया गठबंधन है जो आधे तो जेल में है आधे बल पर है। वह इस तरह की बातें करते रहते हैं लेकिन उनके कहने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। घुसपैठयों की खातिर देश की संपत्ति का बंटवारा करने का इरादा मत करो। जब हम घुसपैठयो की बात करते हैं तो उसको किसी मजहब का नाम धर्म का नाम हमारे नेता ने कभी लिया नहीं।

लेकिन कांग्रेस की नजर और उनके साथियों की नजर अब विरासत पर भी है। कांग्रेस पार्टी को तुरंत देश से माफी मांगना चाहिए और सर्वे की बात जो उन्होंने अपने घोषणा पत्र में कही है । उस पंक्ति को वापस लेना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कहते हैं कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार गरीब का है। दलित का है आदिवासी का है पिछड़ों का है। जब हम गरीब कहते हैं तो इसमें कोई जात धर्म नहीं आती।

पटना की 15 वर्षीय तनिष्का ने जयपुर में 29 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ जीता मिस टीन अर्थ इंडिया का खिताब

केटी न्यूज/पटना

देश की सबसे बड़ी किशोर सौंदर्य प्रतियोगिता मिस टीन दीवा 2024 का आयोजन जयपुर में किया गया था। 15 वर्षीय तनिष्का ने देश के 29 पार्टिसिपेंट को पीछे छोड़ यह खिताब आपने नाम किया है।पटना की तनिष्का शर्मा ने 'मिस टीन अर्थ इंडिया' का खिताब जीत लिया है।

10वीं के एग्जाम के साथ की प्रतियोगिता की तैयारी: इस साल तनिष्का ने 10वीं बोर्ड एग्जाम दिए हैं और साथ ही उन्होंने इस सौंदर्य प्रतियोगिता की भी तैयारी की। इस दौरान उन्हें अपने माता-पिता का काफी सपोर्ट मिला। उनके पिता डॉ विकास शर्मा एक पशु चिकित्सक हैं। मां नीतू शर्मा एक हेल्थ कोच हैं।

प्रियंका चोपड़ा है आइडल: इस जीत के बाद तनिष्का और उसके परिवार में खुशी का माहौल हैं।तनिष्का बचपन से ही फैशन जगत में आना चाहती थी।इसके लिए तनिष्का ने पूरे एक साल मेहनत भी की है।उनकी इसी मेहनत का नतीजा है कि तनिष्का ने न सिर्फ अपने

परिवार, बल्कि पूरे बिहार का नाम रौशन किया है।वह 'प्रियंका चोपड़ा' को अपना आइडल मानती हैं।

भारत को कैसे देखती है तनिष्का: जीत से पहले तनिष्का को ओपनिंग डांस, स्वीमवियर राउंड, इवनिंग गाउन राउंड के साथ ही टाइटल राउंड से गुजरना पड़ा। उनसे सवाल किया गया कि भारत को आप कैसे देखती हैं और अपने सिर पर सजे ताज को किस तरीके से जाहिर करेंगी। इसका जवाब देते हुए तनिष्का ने कहा 'भारत सबके लिए घर जैसा है और कोई भी बाहरी अगर यहां आता है तो उसे भी घर जैसा एहसास ही मिलता है ' इसमें देशभर से कई कंटेस्टेंट ने हिस्सा लिया।

86 किलो से 21 किलो किया वजन: तनिष्का ने बताया कि इस पैजेंट सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए पिछले साल जून में अप्लाई किया था।उस समय उनका वजन 86 किलो था। उस वक्त लोग उन्हें वजन को लेकर ताना मारते थे। वे कहते थे कि फॉर्म भरने से कोई फायदा नहीं है। इससे तुम जीत नहीं पाओगी। तनिष्का ने बताया कि फिर उन्होंने ठान लिया और 7 महीने में 21 किलो वजन घटाया। इस दौरान उन्हें यह भी एहसास हुआ कि देश में हर दूसरी लड़की इस समस्या से पीड़ित है। आज इस खिताब को जीतकर तनिष्का उनके अंदर हर काम करने का आत्मविश्वास दिलाना चाहती हैं।

टीन अर्थ में भारत के लिए जीतना चाहती है खिताब: तनिष्का का अगला लक्ष्य अगले साल आयोजित होने वाले मिस 'टीन अर्थ' में भारत का प्रतिनिधित्व कर खिताब जीतना है। इसकी तैयारी उन्होंने अभी से शुरू कर दी है।तनिष्का एक बड़ी फैशन डिजाइनर बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि जब वह इस प्रतियोगिता के लिए इवनिंग गाउन खोज रही थीं तो उस वक्त बिहार का कोई भी डिजाइनर उन्हें नहीं मिला था। इसके अलावा अच्छे क्वालिटी के साथ किफायती दाम में कोई भी कपड़े नहीं थे।

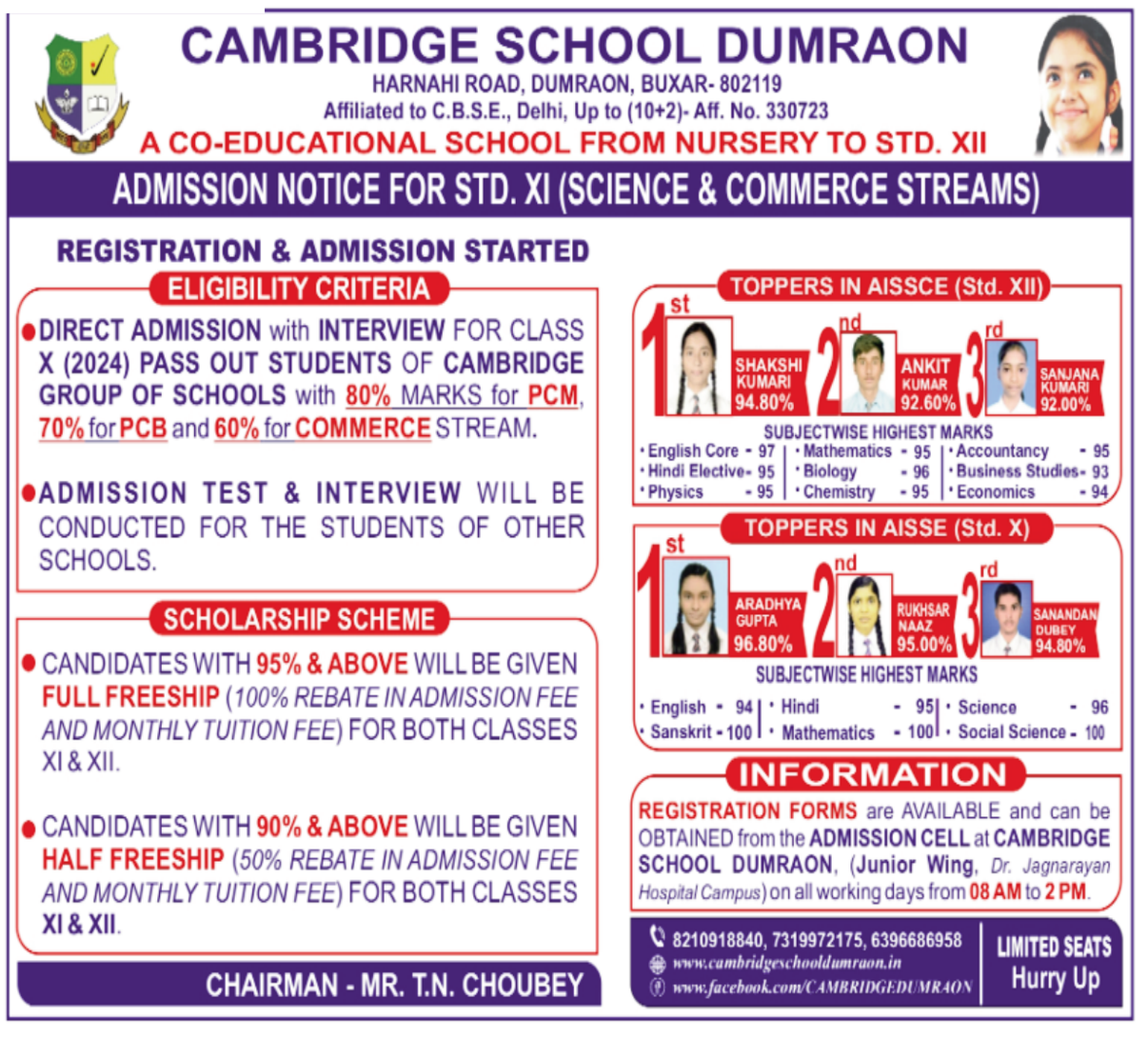

छात्राओं ने अग्नि पीड़ित सेवा बस्ती में राहत सामग्री पहुंचा दिया समाज को संदेश

केटी न्यूज/बक्सर

नगर के सिंडिकेट नहर पर स्थित सेवा बस्ती में कुछ दिन पूर्व हुए भीषण अग्नि कांड के बाद सरस्वती विद्या मंदिर बालिका खंड, सिविल लाइन्स की छात्राओं ने गुरुवार को राहत सामग्री का वितरण किया। राहत सामग्री विद्यालय की छात्राओं ने अपने घरों से इकट्ठा किया था। जिसमें चावल, दाल, चीनी, आटा, साबुन एवं वस्त्र शामिल था। विद्यालय की छात्राओं ने अग्नि पीड़ित लोगों की सहायता कर मानवता व सामाजिक समरसता का अद्भुत मिसाल पेश किया है। राहत सामग्री के तौर पर लगभग 20 परिवारों को अपने घरों से लाकर दैनिक भोजन व जरूरत की

वस्तुओं को उनके घरों पर वितरित किया। जिसे सेवा बस्ती के लोगों ने छात्राओं को कोटि-कोटि धन्यवाद देते हुए स्वीकार किया तथा बताया कि इन बहनों ने जो प्रत्येक वर्ष उन्हे राखी भी बांधने आती हैं, अपना फर्ज.निभाया है। विद्यालय से आई दशम की छात्रा आस्था पांडेय ने पूछे जाने पर बताया कि हमारे विद्या भारती विद्यालयों में समाज व राष्ट्र के प्रति अपना दायित्व निभाने की शिक्षा दी जाती है, इसलिए आज विद्यालय के सभी छात्राओं व शिक्षकों के सहयोग से हम ये राहत सामग्री उनके लिए लेकर आएं हैं। मुसीबत में हर एक भारतीय अगर ऐसे हीं दूसरे के साथ खड़े रहे तो विश्व गुरु बनने का लक्ष्य हम शीघ्र हीं प्राप्त कर लेंगे। लगभग 70 की संख्या में आईं छात्राओं के चेहरे पर धूप में भी उत्साह व समाज के लिए कुछ करने का गर्व मिश्रित मुस्कान था। इस मानवीय अभियान में प्रधानाचार्य बिमल पांडेय, आचार्या रंजू सिन्हा, सुमन पांडेय, आचार्य मनोज पांडेय, राममूर्ति कुमार, बिनिक दूबे, मनीष सिंह, राजकुमार शर्मा, अनुभव आनंद व कुणाल कुमार ने उत्साह से भाग लिया। प्रधानाचार्य बिमल पांडेय ने छात्राओं व उनके अभिभावकों के साथ सेवा बस्ती में समर्पण सामग्री उपलब्ध कराने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

लोकशिकायत की डीएम ने की सुनवाई

बक्सर। डीएम अंशुल अग्रवाल ने गुरुवार को लोक शिकायत की द्वितीय अपील की सुनवाई समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई। कुल 14 मामलों में सुनवाई की गई, जिसमें तीन मामलों का निष्पादन डीएम ने की। वही, इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से लोक शिकायत के मामलों का समय से निष्पादन करने का निर्देश दिया और कहा कि आम जनता को किसी तरह की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। सुनवाई में स्थापना उप समाहर्ता बक्सर, सहायक विद्युत अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल कोरान सराय, कनीय अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल ब्रह्मपुर, थानाध्यक्ष इटाढ़ी, एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव, भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर, भूमि सुधार उप समाहर्ता डुमरांव, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद डुमरांव, अंचलाधिकारी बक्सर, डुमरांव, नावानगर, थानाध्यक्ष मुरार एवं अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

11 कार्टन शराब पुलिस ने किया बरामद

डुमरांव। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से कराने को डुमरांव पुलिस एक्शन मोड में आ गयी है। स्थानीय पुलिस शराब निर्माण व भंडारण के खिलाफ लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के एकौनी सड़क किनारे स्थित नहर के समीप विदेशी शराब लदें कार्टन को तस्करों द्वारा खपाने की नीयत से उतारा गया है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी अनीशा राणा के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने वहां छापेमारी की, जहां झाड़ी में छिपाकर रखे गये 11 कार्टनों में कुल 528 पीस विदेशी शराब बरामद हुआ। थानाध्यक्ष ने बताया कि उक्त स्थान से दो तस्कर भागने में कामयाब रहें। फरार तस्करों को चिन्हित कर लिया गया है, जिसे पुलिस की टीम जल्द ही धर दबोचेगी।

बाइक सवार की इलाज के दौरान मौत

चौसा। चौसा-कोचस मार्ग पर मुफस्सिल थाने के अखौरीपुर गोला व बेचनपुरवा के बीच धर्मकांटा के पास एक ट्रक ने सामने से बाइक को ठोक दिया। इस घटना में बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची 112 की पुलिस टीम ने घायल को इलाज के लिए चौसा पीएचसी लाया गया। जहा चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहा इलाज के दौरान घायल युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार इटाढ़ी थाने का सुकरवलिया गांव निवासी मुन्ना सिंह का पुत्र राजू कुमार किसी कार्य हेतु शाम को अपनी बाइक से अखौरीपुर गोला आया था। वह देर शाम कार्य खत्म होने के बाद वापस घर जा रहा था। तभी धर्मकांटा के पास उसकी बाइक को सामने से आ रही ट्रक ने ठोक दिया और भाग गया। इधर बाइक से गिरकर राजू छटपटाता रहा। तभी ग्रामीणों ने देखा तो 112 पर डायल कर पुलिस को बुलाया। पुलिस पहुंच उक्त घायल को इलाज के लिए चौसा पीएचसी लायी जहा से बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। इसकी सूचना उसके घरवालों को दी गई। वही देर रात्रि युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। किसी को यह विश्वास ही नहीं हो रहा है कि राजू अब इस दुनिया में नहीं ह। परिजनों का रो-रोकर बूरा हाल है।

हथियार के साथ ससुराल में युवक गिरफ्तार

चौसा। मुफस्सिल पुलिस ने सूचना पर थाना क्षेत्र के करंहसी गांव से ससुराल आये एक युवक को देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। जिससे पूछताछ के बाद जेल भेज दिया।पुलिस ने बताया उक्त गिरफ्तार युवक प्रदीप राम, पिता स्व.गुप्तेश्वर राम कृष्णब्रह्म थाना के नुवांव गांव का रहने वाला है। युवक का कोई क्राइम से इतिहास नही रहा है। बताया जाता है की युवक का पत्नी से पारिवारिक कलह में वह कही से कट्टा खरीद ससुराल आया था। प्रदीप का करंहसी निवासी सुखाड़ी राम की बेटी किरण देवी से शादी हुई थी। किरण देवी ने बताया कि ससुराल में रहती हूं तो पति मेरे व मेरे पुत्रों के लिए कुछ करते नही कहने पर मारपीट करते रहते है। इसलिए वह मायके में रहती है। इससे वह क्षुब्ध हो मेरे साथ मारपीट करने रात्रि पहर घर की दीवार फांद घर मे घुस गए। जबकि प्रदीप का कहना है कि वह पत्नी के रवैये से क्षुब्ध है। वह गुस्से में ही करंहसी आये थे।

नाबालिग ने पिता पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

राजपुर। राजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्ते को कलंकित करने वाला एक लोमहर्षक मामला सामने आया हैं। अपनी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने एक पिता को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। वही उसकी बेटी अपने मां के साथ पिता पर यौन शोषण का केस दर्ज कराने थाना आई थी। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़िता ने बताई है कि उसका पिता पिछले एक साल से उसका यौन शोषण कर रहा था। जब उसने आजीज आकर मां को यह बात बताई तो मां ही उसे लेकर थाना पहुंची। जहां, बेटी की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए दुष्कर्मी पिता को गिरफ्तार कर लिया। वही, पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा गया है। वहीं इस घटना की चर्चा पूरे दिन राजपुर तथा आस पास के क्षेत्रों में होते रही। लोग यह कहते सुने जा रहे थे कि घोर कलियुग आ गया है। वही इस मामले में एसपी मनीष कुमार ने कहा कि यह मामला राजपुर थाने में आया हुआ है। जहां पिता द्वारा एक वर्ष से अपनी नाबालिग पुत्री के साथ यौन शोषण किया जा रहा था। पीड़िता मां के सहयोग प्राथमिकी के लिए आवेदन दी थी। जहां पुलिस द्वारा तत्काल पॉस्को ऐक्ट में मामला दर्ज कर आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। वही पीड़िता का मेडिकल टेस्ट करा न्यायालय के समक्ष बयान दर्ज कराया जाएगा।

खबरें फटाफट

बिना टिकट पकड़े गए 44 यात्री, लगा जुर्माना

बक्सर। आरपीएफ की टीम विभिन्न ट्रेनों के एसी कोच में बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में गुरूवार को विभिन्न ट्रेन के एसी कोच में आरपीएफ की टीम ने टीटीई के साथ अभियान चला कुल 44 यात्रियों को बिना टिकट या एमएसटी के पकड़ा और उनसे 38 हजार 985 रूपए का जुमार्ना वसूला। यह अभियान निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट बक्सर के अधिकारी एवं जवानों द्वारा सीआईटी बक्सर तथा उनके अधीन कार्यरत टीटीई के संयुक्त तत्वावधान में चलाया गया था। मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 15125 में 9 व्यक्ति जिसका जुमार्ना 7710 रूपए, गाड़ी संख्या 15945 में 10 व्यक्ति से 8075 रूपए, गाड़ी संख्या 20802 में 6 व्यक्ति से 5870 रूपए, गाड़ी संख्या 15657 में 6 व्यक्ति से 5125 रूपए, गाड़ी संख्या 12391 में 13 व्यक्ति से 12205 रूपए समेत कुल 44 यात्री से 38985 रु का जुमार्ना वसूला गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक ने बताया कि यह कार्रवाई लगातार चलती रहेगी।

मोदी ने लागू किया भारतीय न्याय संहिता : मिथिलेश तिवारी

बक्सर। गुरूवार को भारतीय जनता पार्टी तथा एनडीए समर्थित बक्सर लोकसभा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने बक्सर व्यवहार न्यायालय परिसर में पहुंच कर बक्सर के वरिष्ठ और विद्वान अधिवक्ता गणों से मिल कर कुशलक्षेम पूछा तथा उनसे लम्बी बातचीत करते हुए न्याय प्रणाली पर विस्तृत चर्चा की। वातार्लाप के क्रम में भाजपा प्रत्याशी ने बताया कि मोदी ने भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता 1898, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (एविडेंस एक्ट)1872 को खत्म करने का काम किया। मोदी ने कहा कि यह कानून भारतीयों पर शासन करने करने के लिए बनाया गया है इसलिए इसे बदलकर अब भारतीय न्याय संहिता 2023 लागु होगी। दुसरा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू होगी और तीसरा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 लागू होगा। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट को सख्त किया गया, गौ हत्या और गोवंश से जुड़े कानून को और सख्त किया गया। कश्मीर से 370 और 35 ए खत्म कर वहां के लोगों के जीवन स्तर में नयी क्रांति लाने का काम किया गया है।

चेतावनी... 24 घंटे में जुर्माना नहीं जमा करने वाले दुकानदारों पर दर्ज कराई जाएगी एफआईआर

बक्सर को जाम से मुक्त करने के लिए नप ने चलाया अतिक्रमणकारियों पर बुलडोजर

- रेलवे स्टेशन से लेकर रामरेखा तक हटाया गया अतिक्रमण
- रामरेखा घाट पर दूसरे दिन भी अतिक्रमण को हटाया गया, अतिक्रमणकारियों ने नप के कर्मियों के साथ बकझक भी किया

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी है। इस क्रम में विभिन्न दुकानों पर जुर्माना भी लगाया गया है। 24 घंटे में जुर्माना नहीं जमा करने वाले दुकानदारों पर नगर परिषद एफआईआर भी दर्ज कराएगी। नप प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन से लेकर रामरेखा घाट तक अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बुलडोजर चलाया। रामरेखा घाट पर दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान कुछ दुकानदारों ने नप कर्मियों के साथ बकझक सहित हाथापाई का प्रयास किया। हालांकि पुलिस बल होने के कारण मामला शांत हो गया। इस दौरान जिसमे उक्त क्षेत्रों में किए गए अस्थायी अतिक्रमण को खली कराते हुए सामानों की जब्ती की गई। जब्त तक किए गए सामानों में 1000 लीटर का टंकी, चौकी, टेबल, ईख, नारियल दुकानों का बोर्ड समेत अन्य

अन्य सामान शामिल है। इस दौरान महाराजा पेट्रोल पम्प के सामने गौशाला मार्केट में स्थित पम्प दुकानदारों के द्वारा रास्ते पर मशीनरी इत्यादि रख कर अतिक्रमण किया गया था जिसे हटवाना असंभव प्रतीत हुआ, वैसे दुकानदारों पर दंड अधिरोपित करते हुए जुर्माना किया गया। बिहार बेयरिंग स्टोर पर 10000 रुपए जुर्माना, गोविन्द आयसर पर 5000 रुपये फाइन लगाया गया है। सभी को 24 घंटे के अंदर जमा करने का निर्देश दिया गया है। जमा नहीं करने वाले दुकानदारों पर एफआईआर दर्ज कराया जाएगा। अतिक्रमण हटाते हुए सभी को चेतावनी दिया गया कि जब तक पूर्ण रूप से बक्सर अतिक्रमण मुक्त नहीं हो जाता तब तक प्रतिदिन अतिक्रमण अभियान चलता रहेगा। जिसमे सामानों की जब्ती के साथ-साथ फाइन एवं प्राथमिकी भी किया जाएगा। अतः सबसे यह अपील किया गया कि लोग जिनके द्वारा अस्थायी अतिक्रमण किया गया है वह स्वयं अपने द्वारा किए अतिक्रमण को हटा ले अन्यथा उनके सामग्रियों की क्षति होगी। इसकी जानकारी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार ने देते हुए बताया कि सभी लोगों को दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी दी गई है। यदि निदेर्शों का अनुपालन नहीं किया जाता है तो आर्थिक फाइन के साथ एफआईआर भी दर्ज होगा। वहीं अतिक्रमणकारियों पर चले बुलडोजर के कारण आम जनता में खुशी देखने को मिली। रास्ते पहले से चौड़ा दिख रहे थे।

ओवरटेक करने के चक्का में दो बाइक टकराई, किशोर की मौत

- किशोर अपने मौसेरा भाई के साथ बाइक पर जा रहा था खीरी गांव स्थित बाजार

केटी न्यूज/राजपुर

श्रीकांतपुर-कोनौली पथ पर थाना क्षेत्र के खीरी गांव के पास दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में एक 13 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार कोनौली गांव निवासी भरत राम का पुत्र नीतीश राम अपने मौसेरा भाई के साथ बाइक पर बैठकर खीरी गांव स्थित बाजार से सामान लेने गया था। बीच रास्ते में ही एक ट्रैक्टर को ओवरटेक कर आगे निकलने के क्रम में सामने से आ रही बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। जिससे वह बाइक से नीचे गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया। जबकि, बाइक चालक को मामूली चोट आई। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने घायल किशोर को इलाज के लिए राजपुर सीएचसी ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान नीतीश राम की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। गांव के ग्रामीणों ने बताया कि अभी महज एक दिन पहले ही इसके दादा का श्राद्ध कर्म था। इस श्राद्ध में कई गांव से इसके रिश्तेदार आए हुए थे। इन्हीं रिश्तेदारों की खातिरदारी के लिए वह बाजार से आवश्यक सामान लेने के लिए गया था। तब तक परिजनों में इस मनहूस खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना के बाद गांव में भी मातमी सन्नाटा पसर गया है। सूचना के बाद अस्पताल पहुंच पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने भेज दिया। जिसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

नवरत्न गढ़ किले का मिट रहा वजूद, नहीं बना पाया पर्यटक स्थल

- प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता के कारण बदहाल है किला

केटी न्यूज/डुमरांव

जन प्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों उदासीनता के कारण नवरत्न गढ़ किला का वजूद मिट रहा है। जन प्रतिनिधि हो या प्रशासनिक अधिकारी सभी शौक से किले को देखने के लिए जरूर आते हैंए लेकिन इसके मिट रहे अस्तित्व को संवारने की कवायद कोई नहीं करता। इसके चारों-तरफ गंदगी अंबार लगा हुआ हैए इसको भी देखने वाला कोई नहीं है। एक कहावत आज भी प्रचलित है 52 गली 53 बाजार दीया जले 56 हजार, आज भी इतिहास के पन्नों से लेकर लोगों के जुबान पर है। नवरत्न गढ़ किला डुमरांव स्टेशन से उत्तर लगभग दो किलामीटर की दूरी पर नयाभोजपुर में अवस्थित है। आज की तारीख में उसके द्वारा निर्मित नवरत्न गढ़ किला पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है, कुछ अवेशेष उसकी याद को जिंदा रखे हुए है। मालूम हो कि सन 1685 निर्मित शाहाबाद जिला, जो 1972 में रोहित के प्रसिद्ध रोहतास गढ़ के नाम पर रोहतास व राजा भोजदेव के नाम पर भोजपुर जिले को अलग किया गया। फिर 17 मार्च 1991 को बक्सर जिले का सृजन किया गया। बक्सर जिला के सृजन के बाद नवरत्न गढ़ किला को पर्यटक स्थल घोषित करने की मांग और जोर पकड़ लिया। मांग पर पर्यटक विभाग के निदेशक ने एक दशक पहले आकर इसका निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उसने इसे पर्यटक स्थल बनने की बात को

स्वीकार भी किया। क्षेत्र के लोगों को यह आशा जगी की नवरत्न गढ़ किला पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा। एक दशक गुजरने के बाद भी इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी। एक बार ऐसा हुआ कि प्राथमिक विद्यालय के भवन बनाने के लिए जब खुदाई हो रही थी तो सुरंग निकल आया। इस सुरंग को देखने के लिए प्रतिदिन हजारों लोगों की भीड़ लगने लगी। सुरक्षा की दृष्टि से वहां पर पुलिस का पहरा लगा दिया गया।बावजूद इस पर कोई पहल नहीं हुई और लोगों के पर्यटक स्थल बनने की मांग धूमिल पड़ती चली गई। लोकसभा का चुनाव होने जा रहा है। ग्रामीणों में जनप्रतिनिधियों के समक्ष व उम्मीवारों के बीच इसे पर्यटक स्थल बनाने की मांग एकबार फिर जोर पकड़ने लगी है।

कुमार नयन विरोधी खेमे में भी उतने ही स्वीकार्य थे जितना अपनों में: डॉ दीपक

केटी न्यूज/बक्सर

प्रगतिशील लेखक संघ के तत्वावधान में स्थानीय सस्वती पुस्तकालय के सभागार में कुमार नयन की तृतीय पुण्यतिथि की पूर्वसंध्या के अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता चर्चित साहित्यधर्मी एवोकेट रामेश्वर नाथ वर्मा व संचालन साहित्यकार सुरेश संगम ने किया। प्रलेस बक्सर के अध्यक्ष डॉ बीएल प्रवीण ने सभी आगत अतिथियों का स्वागत किया। ततपश्चात उनके तैल्य चित्र पर सभी ने पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया। प्रलेस से जुड़े इतिहास के प्राध्यापक डॉ दीपक राय ने बताया कि कुमार

नयन विरोधी खेमे में भी उतने ही स्वीकार्य थे जितना अपनों के बीच। यही विशिष्टता उन्हें सबसे अलग करती थी। डा शशांक शेखर उपाध्याय ने बताया कि कुमार नयन एक साथ साहित्यिक, राजनीतिक तथा समाजसेवी के रूप में जाने जाते रहे। इनकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर रही है। शिक्षाविद निर्मल सिंह ने कहा कि कुमार नयन स्मृति मंच की स्थापना की जाए ताकि उनके नाम पर अनवर साहित्यिक सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहे। मौके पर डा ओमप्रकाश केशरी पवननंदन, नर्वदेश्वर उपाध्याय, शिवबाहदुर पांडेय, मो फारूकी, जौहर डुमरांवी, संजय सागर, डा मनीष कुमार शशि, प्रलेस के संरक्षक डॉ महेन्द्र प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे।

112 डायल करने पर एंबुलेंस आ जायेगी मगर घटना के 4 घंटे बाद एंबुलेंस पहुंचती है

बक्सर की जनता के साथ हो रहे अन्याय को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : अनिल

केटी न्यूज/बक्सर

गुरुवार को बसपा प्रत्याशी अनिल कुमार राजपुर विधानसभा अंतर्गत इटाढी प्रखंड के बगही नारायणपुर में पिछले दिनों हुए अग्निकांड के पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। जहां पीड़ित परिवार से मिलकर घटना की जानकारी ली तथा परिवार को ढ़ाढस बढ़ाया। इस अग्निकांड में पूर्व बीडीसी ददन राम के परिवार के तीन लोगों की मौत हो चुकी है और एक अभी भी जीवन और मौत के बीच जूझ रहा है। इस दौरान अनिल कुमार ने कहा की इस परिवार में इतनी बड़ी घटना हो गई और प्रशासन के लोग तक नही पहुंचे। धन्य है नीतीश कुमार, धन्य है यहां के सांसद और विधायक। एक परिवार के चार लोग आग से झुलस जाते है और इनको इस परिवार का दर्द नही दिखता। इस से बड़ा शर्मनाक हमारे बिहार एवं बहुजन समाज के लिए नहीं हो सकता की उनको अस्पताल ले जाने के लिए एक एंबुलेंस तक की व्यवस्था प्रशासन नही कर पाई। उन्होंने नीतीश

कुमार, स्थानीय सांसद और विधायक पर इस घटना में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा की नीतीश कुमार इस बिहार को कौन सा तमाशा बनाना चाह रहे हैं। यह कैसी विडंबना है की आग में झुलसे लोगों को स्थानीय लोगों के द्वारा एक पिकअप वैन में लादकर ले जाया गया। आप कहते हैं की 112 डायल करने पर एंबुलेंस आ जायेगी मगर घटना के 4 घंटे बाद एंबुलेंस पहुंचती है। क्या चार चार घंटे लोग घर में तड़पते रहें। घटना की सूचना बीडीओ और सीओ को दी गई मगर किसी ने भी इसको संज्ञान में लेने का काम नही किया। और यही संज्ञान न लेने की वजह से आज 3 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने शासन प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा की इस मृत्यु के लिए कौन जिम्मेवार है। प्रशासन के लोग इतने निरंकुश हो गए है की आग लगने के एक दिन बाद फायर बिग्रेड की गाड़ी भेजते है। इसके लिए कौन जबाबदेह है। यहां के सांसद, यहां के विधायक कहां खो गए है। यह हमारे बहुजन समाज के साथ अन्याय है। यह बक्सर के साथ अन्याय है। यह अन्याय बर्दाश्त नही किया जाएगा। अनिल कुमार ने कहा की यह साधारण मृत्यु नहीं है, यह प्रशासन के द्वारा हमारे परिवार को जान बूझकर मारा गया है। क्या बहुजन समाज के लोग इसी तरह से मरते रहेंगे, दम तोड़ते रहेंगे।

प्रशासन ने कसा शिकंजा, अनुमंडलीय अस्पताल में बायोमेट्रिक हाजिरी पर ही अब बनेगा वेतन

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल में बहुत दिनों से आपसी तालमेल से चिकित्सक ड्यूटी बजा रहे थे। कोई एक दिन ड्यूटी करता था तो कोई दो दिन ड्यूटी कर चला जाता था। इसकी शिकायत बहुत दिनों से अधिकारियों को पास की जा रही थी। बीते बुधवार को डीएम और सीएस के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में डाक्टरों की सेटिंग कर ड्यूटी करने का मामला आया। इस पर डीएम ने सीएस को आदेशित किया कि ऐसा नहीं होना चाहिए जो रोस्टर बना है, उसी के अनुसार चिकित्सक या स्टाफ ड्यूटी करेंगे। डीएम के आदेश पर सीएस ने सभी पीएचसी प्रभारी और अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस को आदेशित किया चिकित्सक और स्टाफ रोस्टर के अनुसार ड्यूटी करेंगे। छह दिन सभी को ड्यूटी करनी होगी। सीएस के आदेश पर अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डाण गिरीश कुमार सिंह ने आदेश जारी करते हुए सभी चिकित्सक को रोस्टर के अनुसार ड्यूटी करने का आदेश जारी कर दिया है। आदेश का आसर गुरुवार को अनुमंडलीय अस्पताल में देखने को मिला।

8वीं पास गैरेज मेकैनिक ने ड्रीम 11 पर क्रिकेट टीम बना जीती डेढ़ करोड़ की राशि

केटी न्यूज/आरा

एक मुहावरा कहा जाता है कि त्रिया चरित्रम , पुरुष भाग्यम देवो न जानम.....जी हां कुछ ऐसा ही एक मामला सामने आया है। सूबे के भोजपुर जिले में उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कोहड़ गांव में जहां एक गैरेज मिस्त्री रातों-रात करोड़पति बन गया है। युवक दीपू ओझा पिता योगेन्द्र ओझा एक मैकेनिक है। उसने मोबाइल ऐप ड्रीम 11 एप्प पर क्रिकेट टीम बना डेढ़ करोड़ की राशि जीत ली है। प्रतिदिन की तरह वह रविवार को केकेआर और आरसीबी के बीच ऑनलाइन ड्रीम 11 एप्प पर टीम बनाया था। जिसमें उसकी टीम जीत गई। कुछ ही मिनटों में उसके बैंक खाते

में डेढ़ करोड़ की राशि जुड़ गई। इसके बाद से युवक का परिवार बेहद खुश है। दीपू ओझा ने बताया कि वो पिछले 6 महीना से ड्रीम 11 पर टीम बनाता आ रहा है। हालांकि उसे क्रिकेट या क्रिकेटरों को बारे में विशेष जानकारी नही है। तुका में ही टीम बनाता था और इस मैच में भी तुका पर ही टीम बनाया और डेढ़ करोड़ की राशि जीतने में सफल रहा। उसने बताया कि रसेल को वो टीम का कप्तान बनाया था उसके सबसे ज्यादा पॉइंट उसे मिले हैं। दीपू ओझा ने बताया कि वो पेशे से एक गैराज मेकैनिक है, इसी से उसकी दाल रोटी चल जाती है। रविवार को कुछ नही आ रहा था। उस दिन कोई कमाई भी नही हुई थी। उसके पास में महज साठ रुपया बचे थे। जिससे बच्चों के लिए घर दूध लेकर जाना था। परन्तु उसने टीम बना कर दूध का पैसा गेम में लगा दिया। जिसके बाद एक रूपया भी नही था। परन्तु जब घर लौटा तबतक मैच खत्म हो चुका था। उसे पता चला कि वो इस गेम का विजेता है। उसे तो पहले विश्वास नही हुआ तो अन्य कई लोगो से एप्प को दिखाया जब कई लोगो ने देखा तो विश्वास हुआ कि वो डेढ़ करोड़ रुपया जीत चुका है। दीपू ओझा ने कहा कि मम्मी-पापा घर में नही हैं। वह बाहर गए हुए हैं। जब वे लोग लौट के आएंगें तो तब उनके निर्देश पर पैसे को खर्च करने को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

इससे पहले भी बिहार का युवक जीत चुका है एक करोड़ रुपए

बता दें कि इससे पहले बिहार के आरा में एक युवक ने ऑनलाइन गेमिंग एप ड्रीम-11 से 1 करोड़ रुपए जीते थे। आरा जिले के चरपोखरी प्रखंड के ठकुरी गांव निवासी वेंकटेश सिंह के पुत्र सौरभ कुमार ड्रीम-11 में विजेता बने थे। सौरभ कुमार एक साल से ड्रीम-11 पर टीम बनाकर जीतने की कोशिश कर रहे थे।

एक नजर

थ्रेसर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

जहानाबाद। गेहूं की फसल काटने के दौरान थ्रेसर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना सिकरीया ओपी क्षेत्र के मानदे बीघा गांव के बधार की है। जहां थ्रेसर मशीन से गेहूं काटने के दौरान थ्रेसर मशीन में युवक का गमछा लपटा गया, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आनन फानन में उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा घायल युवक को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक मनोज कुमार कलुआचक गांव का निवासी था और गेहूं काटने के लिए गया था, जिसके कारण यह घटना घट गई। प्रकाश यादव ने बताया कि हम लोगों को सूचना मिली कि थ्रेसर की चपेट में मेरे गांव के मनोज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया है ,लेकिन जब हम लोग अस्पताल पहुंचे डॉक्टर द्वारा इसे मृत घोषित कर दिया। जैसे ही परिवार को मौत की खबर लगी परिवार में कोहराम मच गया। परिवार जनों का रोते-रोते बुरा हाल है। इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है। पुलिस शव कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। ग्रामीणों का कहना है कि थोड़ी सी लापरवाही के कारण इतनी बड़ी घटना हो गई। अगर सावधानी से काम किया जाता तो इतनी बड़ी घटना नहीं घट सकती थी, लेकिन जो भी हो असावधानी के कारण दुर्घटना लगातार होती रहती है लेकिन उसके बाद भी लोग इससे सीख नहीं लेते हैं जिसके कारण लगातार घटना घटती है।

बगीचे के मालिक को मनचलों ने धारदार हथियार से किया घायल

जहानाबाद। घोसी थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव में एक युवक को अपने आम के पेड़ की रखवाली करना महंगा पड़ गया और बाल बाल जान बच सका। दरअसल लोदीपुर गांव निवासी नवीन कुमार अपने आम के पेड़ की रखवाली कर रहा था इसी बीच कुछ युवक उसके आम के पेड़ से आम तोड़ने लगे, जिसका विरोध नवीन कुमार ने किया। विरोध करने पर उल्टा मनचले युवक ने लोहे के धारदार पसुली से उसके उपर हमला कर दिया। जिससे पसुली उसके गले में जा लगा। उसके बाद वह युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया जख्मी अवस्था में परिवार वालों के द्वारा तत्काल उसे पीएचसी घोसी लाया गया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल जहानाबाद रेफर कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार करेगी काराकाट की जनता: संतोष सिंह

बिक्रमगंज (रोहतास)। बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह का स्थानीय शहर के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर में गुरुवार को लोगों ने किया भव्य स्वागत। मंत्री पद संभालने के बाद पहली बार काराकाट लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करते हुए वह बिक्रमगंज के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय, धारूपुर पहुंचे। जहां उनके आगमन होते ही एनडीए कार्यकताओं सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व में फूल माला पहनाते हुए उन्हें बुके, अंगवस्त्र भेट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि काराकाट क्षेत्र अंतर्गत समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों को मुख्या धारा मे लाना है। जिला पूरा करने में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सभी एनडीए कार्यकर्ता एकजुट है। जो 1 जून को अंतिम चरण की लोकसभा चुनाव में काराकाट लोकसभा क्षेत्र के नोखा, डेहरी, काराकाट, औरंगाबाद जिला का गोह, ओबरा व नवीनगर विधानसभा क्षेत्र की जनता अपने मताधिकार का उपयोग कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के सपनों को साकार करते हुए एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा को जीत का सरताज पहनाने का कार्य करेगी।

खबरें फटाफट

सात साल की बच्ची से रेप, नाबालिग पड़ोसी गिरफ्तार

नौहट्टा (रोहतास)। रोहतास के नौहट्टा थाना क्षेत्र के एक गांव में सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जिसमें पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। घटना मंगलवार के देर शाम की बताई जाती है। मामले में पीड़िता की मां ने एफआईआर बुधवार को देर शाम को दर्ज कराया था। नौहट्टा थानाध्यक्ष कमालुद्दीन ने बताया कि परिजनों के अनुसार लड़की मंगलवार को अपने घर मे खेल रही थी। खेलते-खेलते वह पड़ोसी आरोपी के घर में चली गई। उसे देख पड़ोसी ने उसके साथ गलत काम किया। जिसके बाद लड़की रोते-रोते घर पहुंची। थानाध्यक्ष कलामद्दीन ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर लड़की का मेडिकल कराया जाएगा। बताया कि आरोपी की उम्र भी 18 साल से कम है।

चार वारंटी गिरफ्तार

दिनारा(रोहतास)। पुलिस ने चार वारंटी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया । दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि थाना क्षेत्र के सोरठी निवासी राजा सिंह ,राजेश सिंह ,उमेश सिंह एवं शुभम कुमार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से वारंट निर्गत था ।

गेहूं की फसल में लगी आग

जहानाबाद। मोदनगंज प्रखंड के वैना गांव में कई एकड़ में लगे गेहूं की खड़ी फसल में आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। गुरुवार की सुबह लगभग 11 बजे वैना के वार्ड नं 1 स्थित हाईस्कूल से उत्तर गेहूं के खेतों में आग लग गई। हरवंश नारायण आजाद, संजय शर्मा, नवल शर्मा, छत्रपति शर्मा, उपेंद्र पांडेय , आशुतोष कुमार सहित अन्य किसानों की कई एकड़ में लगी फसल जलकर राख हो गई। आग से करीब 5.65 लाख रुपए की फसल की क्षति हुई है।

सिकरहट्टा थाने की पुलिस की सक्रियता से लुटने से बच गया सीएसपी संचालक

सीएसपी में डकैती की साजिश रचते तीन अपराधी हथियार के साथ धराए

- सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरहट्टा कला गांव स्थित महादलित टोले से पकड़े गये तीनों बदमाश
- पंजाब नेशनल बैंक की सीएसपी में डाका डालने की थी अपराधियों की प्लानिंग

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर की सिकरहट्टा थाने की पुलिस की सक्रियता से सीएसपी में डकैती की एक बड़ी वारदात टल गयी। पुलिस ने डकैती करने की साजिश कर रहे तीन अपराधियों को मौके से दबोच लिया। तीनों को बुधवार को सिकरहट्टा कला महादलित टोले से गिरफ्तार किया गया है। उनमें चरपोखरी थाना क्षेत्र के चरपोखरी गांव निवासी कुश साह उर्फ बाजा, बरनी गांव निवासी अमर कुमार और इमादपुर थाना क्षेत्र के मोआप कला गांव निवासी लक्ष्मण ठाकुर शामिल हैं। इन अपराध कर्मियों के पास से दो देसी कट्टा, चार गोली, दो मोबाइल और एक बाइक बरामद की गयी है। कुश साह उर्फ बाजा कुख्यात कुख्यात अपराध कर्मी है। वह पूर्व में भी डकैती और लूट के मामलों में जेल जा चुका है। एसडीपीओ राहुल सिंह ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर करीब पौने बारह बजे सूचना मिली कि सिकरहट्टा कला महादलित टोले में बाइक पर सवार तीन की संख्या में अपराधी पीएनबी की सीएसपी में डकैती की साजिश कर रहे हैं। उस पर कार्रवाई करते हुए सूचना के सत्यापन और अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर थानाध्यक्ष रौशन कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम में शामिल थानाध्यक्ष और दारोगा प्रफुल्ल कुमार पुलिस बल के साथ तत्काल सिकरहट्टा कला गांव स्थित महादलित टोला पहुंचे तो तीनों अपराध कर्मी भागने लगे। तब पुलिस टीम द्वारा खदेड़ कर तीनों को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो देसी कट्टा, चार गोली, दो मोबाइल और एक बाइक बरामद की गयी। इस मामले में तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट और डकैती की योजना बनाने की प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस की इस कार्रवाई से सीएसपी में डकैती की बड़ी वारदात टल गयी है।

भोजपुर से लेकर रोहतास पुलिस तक के लिए सिर दर्द बना कुश

चरपोखरी गांव निवासी कुश साह उर्फ बाजा करीब आठ सालों से अपराध की दुनिया में सक्रिय है। भोजपुर के साथ वह रोहतास पुलिस के लिए सिर दर्द बना हुआ है। उसके खिलाफ पूर्व से ही दोनों जिलों के विभिन्न थानों में डकैती, लूट और आर्म्स एक्ट के करीब छह केस दर्ज हैं। उसमें चरपोखरी में तीन, तरारी थाने में दो जबकि रोहतास के कच्छवां और बिक्रमगंज में एक-एक केस दर्ज है। एसडीपीओ राहुल सिंह ने बताया कि कुश साह उर्फ बाजा बाजा काफी समय से अपराध जगत में पूरी तरह से सक्रिय है। वह पूर्व में कई बार जेल भी जा चुका है। जेल से आने के बाद भी वह डकैती और लूटपाट करना शुरू कर देता है। उसके खिलाफ चरपोखरी थाने में 2017 में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज हुआ था। उसी साल डकैती की कोशिश और 2019 में डकैती का केस दर्ज किया गया था। 2019 में रोहतास के बिक्रमगंज और 2022 में कच्छवां थाने में डकैती का केस दर्ज हुआ था। वहीं भोजपुर के तरारी थाने में भी 2023 में डकैती और आर्म्स एक्ट के अलग-अलग मामले दर्ज हैं।

वारदात को अंजाम देने निकले दो बदमाश हथियार और गोलियों के साथ गिरफ्तार

आरा। अजीमाबाद थाने की पुलिस ने सकड्डी-नासरीगंज स्टेट पर आपराधिक वारदात को अंजाम देने निकले दो बदमाशों को हथियार और गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों को बुधवार को करवासिन चेक पोस्ट से पकड़ा गया। गिरफ्तार अपराध कर्मियों में उसी थाना क्षेत्र के तारायक गांव निवासी दीपनारायण उर्फ जाटा यादव और सोनू कुमार शामिल हैं। उनके पास से मैगजीन लोड एक देसी पिस्टल, दो गोली और बिना नंबर की एक बाइक बरामद की गयी है। इस मामले में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से आपराध की बड़ी घटना टल गयी। जानकारी के अनुसार बुधवार को आजिमाबाद थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार दिवा गश्ती में निकले थे। उस दौरान उनको सूचना मिली कि दो अपराध तत्व हथियार के साथ करवासिन से बाइक पर सवार होकर अजीमाबाद की तरफ आ रहे हैं। दोनों किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। उस आधार पर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ तत्काल सकड्डी-नासरीगंज स्टेट हाइवे पर स्थित करवासिन चेक पोस्ट के पास पहुंचे और वाहन चेकिंग शुरू कर दी। उस दौरान पुलिस को देख बाइक सवार युवक भागने लगे। हालांकि पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से पुलिस ने हथियार व गोली बरामद किया।

राजद नेता के इकलौते बेटे की सड़क हादसे में मौत

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में आरा-मोहनियां एनएच पर जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव के समीप बुधवार की रात किसी अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे खड़े दो दोस्तों को कुचल दिया। उसमें एक स्थानीय राजद नेता के इकलौते बेटे की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त जख्मी हो गया। मृतक धनगाई थाना क्षेत्र के शिवराजी टोला निवास सुदेश्वर सिंह का 21 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार था। वह कंपटीशन की तैयारी कर रहा था।जख्मी युवक उसी गांव के हरेराम यादव का 19 वर्षीय पुत्र कृष्णा कुमार है। उसका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। सुदेश्वर सिंह किसान और राजद नेता हैं। राजद नेता के भाई दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि रोहित अपने दोस्त कृष्णा कुमार के साथ बुधवार की रात जगदीशपुर थाना क्षेत्र के इसाढ़ी मठिया गांव बारात जा रहा था। इस दौरान दोनों नारायणपुर गांव के पास सड़क किनारे खड़े होकर गाड़ी का इंतजार कर रहा था। तभी एक अज्ञात वाहन ने दोनों को कुचल दिया। हादसे में उनके भतीजा रोहित कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। कृष्णा कुमार भी मामूली रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद दोनों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा रोहित कुमार को मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

छात्र रोहित कुमार की मौत से उसके घर में कोहराम और रोना-धोना मचा है। इकलौते बेटे की मौत से छात्र की मां बेहाल है। बताया जा रहा है कि रोहित अपने चार बहन में छोटा और अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसके परिवार में मां आशा देवी व चार बहन रूबी कुमारी,पम्मी कुमारी, सुमन कुमारी और शोभा कुमारी है।

दुर्घटना में घायल बच्चे की मौत, सड़क जाम

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

थाना क्षेत्र के बिक्रमगंज-सासाराम मुख्य मार्ग पर स्थित घुसियां गांव में विगत तीन दिन पूर्व हुई बाइक के चपेट में आने से एक नाबालिक बालक बुरी तरह घायल हो गया था। जिसका इलाज बनारस के निजी अस्पताल में चल रहा था। जिसकी गुरुवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि 23 अप्रैल को घुसियां खुर्द गांव में गणेश पासवान की लड़की का बारात आया था। अपने साले के यहां बारात में शामिल होने संझौली प्रखंड के बगेयां गांव निवासी धीरेंद्र पासवान अपने परिवार के साथ आए थे। जहां रात्रि के समय में उनके 5 वर्षीय पुत्र सुगंध कुमार को अज्ञात बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया। परिजनों ने उसे आनन-फानन में इलाज के लिए संझौली के किसी निजी क्लीनिक में भर्ती कराया। जहां नाजुक स्थिति देखते हुए उसे बनारस रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान घायल बालक की मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। सुगंध की मौत बाद आक्रोशित परिजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को मुख्य सड़क पर रख घुसियां खुर्द रोड को जाम कर दिया। प्रशासन के लाख मनाने के बाद भी परिजन व ग्रामीण मुआवजे की तत्काल भुगतान की मांग पर अड़े हुए थे।

पूर्व के झगड़े के विवाद में बदमाशों ने हिन्दू जागरण के नेता को मारी गोली

केटी न्यूज/आरा

नवादा थाना और गजराजगंज ओपी क्षेत्र के सीमावर्ती बैजू नगर गांव में बुधवार की रात पूर्व में झगड़े के विवाद में बदमाशों ने हिन्दू जागरण मंच के एक नेता को गोली मार दी। गोली उसके बाएं हाथ में लगी है, जो आरपार हो गई है। उससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गये। उनका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। जख्मी नवादा थाना क्षेत्र के न्यू पुलिस लाइन कश्यप नगर मोहल्ला निवासी राम प्रवेश पांडेय का 24 वर्षीय पुत्र पवन सत्यार्थी हैं। वह हिंदू जागरण मंच के जिला प्रमुख बताये जा रहे हैं।

आरा के चंदवा मोड पर उनकी चाय की दुकान भी है। सूचना मिलने पर गजराजगंज ओपी इंचार्ज हरि प्रसाद शर्मा और नवादा थानाध्यक्ष कमल जीत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। पवन सत्यार्थी ने बताया कि रामनवमी के समय एक पार्टी के जिला उपाध्यक्ष से मामूली विवाद हुआ था। उसके अलावा दुकान का एक रेगुलर ग्राहक द्वारा उनके स्टाफ को भी मारने-पीटने को लेकर धमकाया भी गया था। उन्होंने इसका विरोध किया था, तो उसे गोली मारने की धमकी दी गई थी। उसने बताया कि उसका एक दोस्त पीरो में रहता है। वह उसकी शादी में जाने के बैजू नगर अपने दोस्त के छोटे भाई से मिलने गये थे। वहां से दोस्तों के साथ वापस लौट रहे थे। तभी दो बाइक पर सवार चार बदमाश पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उससे हाथापाई की। इसके बाद एक बदमाश ने उन्हें गोली मार दी। उससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गये। उसके बाद साथ रहे साथियों द्वारा उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

उथल पुथल मचा रही चंदौली की राजनीतिक आबोहवा, कम्युनिस्ट को छोड़ सभी प्रमुख दलों को मिली है जीत

केटी न्यूज / चंदौली

धान के कटोरे के रूप विख्यात जनपद में लोक सभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां जोर शोर से की जा रहीं है।विभिन्न दलों से घोषित दावेदारों की सक्रियता पर चर्चा भी हो रही है। संसदीय क्षेत्र में राजनीतिक बयार बहने लगी है।मौसम के मिजाज के अनुसार राजनीतिक आबोहवा उथल पुथल मचा रही है।विभिन्न दलों के घोषित प्रत्याशी की चर्चा जोरों पर हैं, लेकिन अभी निर्दलीय व छोटे दलों के दावेदारों की चर्चा नहीं की जा रही है, लेकिन देखना यह है कि कब तक जनता को इंतजार करना पड़ सकता है।अब तक के रिकार्ड की बात करें तो चंदौली संसदीय क्षेत्र 76 से कम्युनिस्ट को छोड़ कर सभी राजनीतिक दलों पर मतदाताओं ने एक या दो बार भरोसा किया है।यहां कोई ऐसा दल नहीं है, जिसकी झोली नहीं भरी हो, लेकिन आज तक कम्युनिस्ट पार्टी की झोली खाली ही रही है। धान के कटोरे के रूप में विख्यात चंदौली संसदीय क्षेत्र में राजनीतिक समा बंधने लगी है।सभी दल अपने अपने हिसाब तैयारियों को अंजाम देने में लगे हैं। यहां का चुनाव हमेशा से आमने सामने रहा है। कभी बसपा व सपा ने जोरदार मुकबला रहा तो कभी भाजपा व सपा में सीधी टक्कर रही है। यहां भाजपा ने हैट्रिक बनाई है, तो कांग्रेस ने पांच बार जीत दर्ज की है।चंदौली संसदीय क्षेत्र पर कम्युनिस्ट को छोड़कर कर कोई ऐसा दल नहीं है जो कभी न कभी कब्जा किया हो। कम्युनिस्ट लगभग हर चुनाव में भाग लेते रहे हैं, लेकिन कभी सफलता नहीं मिली। इस सीट से सोशलिस्ट पार्टी,संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी,जनता पार्टी,जनता दल के उम्मीदवार जीते हैं।कांग्रेस 1984 के बाद एक बार भी इस सीट पर जीत नहीं दर्ज कर सकी है। कम्युनिस्ट इस क्षेत्र में किसी न किसी मुद्दे को लेकर आंदोलन करते रहे हैं। चुनाव में भी उनकी भागीदारी रही,लेकिन जनता ने उन्हें नुमाइंदगी का मौका नहीं दिया।जनपद में सातवें चरण में चुनाव की घोषणा हो चुकी है। वहीं सपा, बसपा व भाजपा के उम्मीदवार चुनाव जंग में आ गए है। वही इस बार सपा व कांग्रेस का गठबंधन है। सपा व कांग्रेस गठबंधन से वीरेंद्र सिंह, भाजपा से डा.महेंद्र नाथ पांडेय और बसपा से सत्येंद्र कुमार मौर्या को बनाया है, लेकिन देखना अब यह है कि 2024 में मतदाता किसे अपना सांसद बनाती है। इस सीट से पहले सांसद कांग्रेस के त्रिभुवन सिंह और वर्तमान में भाजपा के डा. महेंद्र नाथ पांडेय हैं। सन 2019 से अब तक यह सीट भाजपा के पास है। यहां दो बार से डा.महेंद्र नाथ पांडेय है और वे केंद्र सरकार में केंद्रीय मंत्री है।वहीं छोटे दल व निर्दलीय प्रत्याशियों की ओर से कोई चहल पहल नहीं है।

चंदौली संसदीय क्षेत्र से अब तक के सांसद

1952	त्रिभुवन नारायण सिंह	(कांग्रेस)
1957	त्रिभुवन नारायण सिंह	(कांग्रेस)
1962	बालकृष्ण सिंह	(कांग्रेस)
1967	निहाल सिंह	(संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी)
1971	सुधाकर पांडेय	(कांग्रेस)
1977	नरसिंह यादव	(जनता पार्टी)
1980	निहाल सिंह	(जनता पार्टी)
1984	चंद्रा त्रिपाठी	(कांग्रेस)
1989	कैलाशनाथ सिंह	(जनता दल)
1991	आनंदरत्न मौर्या	(भाजपा)
1996	आनंदरत्न मौर्या	(भाजपा)
1998	आनंदरत्न मौर्या	(भाजपा)
1999	जवाहरलाल जायसवाल	(सपा)
2004	कैलाशनाथ सिंह यादव	(बसपा)
2009	रामकिशुन यादव	(सपा)
2014	महेंद्र नाथ पाण्डेय	(भाजपा)
2019	महेंद्र नाथ पाण्डेय	(भाजपा)

एक नजर

घर में घुसकर कर नगदी, जेवरात की चोरी

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के कैथा उर्फ टाडिया गांव में गुरुवार की देर रात चोरों ने सीढी के रास्ते घर में प्रवेश कर 25 हजार नगदी सहित लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया और फरार हो गए। अलीनगर थाना क्षेत्र के कैथा उर्फ टडिया गांव निवासी शिव प्रसाद यादव की मां राजकुमारी देवी का तबीयत खराब होने के कारण मुगलसराय एक निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। जहां वह भर्ती हैं। वहीं उनकी पत्नी सरोज देवी को भाई राजू इनके मायके दिलदारनगर से ट्रेन से लेकर लगभग 11 बजे घर पहुंचा। इसके बाद परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे । मौका पाकर चोरों ने गुरुवार की रात घर में प्रवेश कर 25 हजार नगदी व अलमारी में रखें मंगलसूत्र, दो झुमका,पैजानी,दो आयरन सहित लगभग डेढ़ लाख रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर आसानी से फरार हो गए। सुबह इसकी जानकारी होते ही भुक्तभोगी ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल के बजाय इनको ही हड़काने में जुटी है। जिससे पूरा परिवार दहशत में है।

मंडप से फरार हो गई दुल्हन, वकिल पिता ने दूल्हा व बारातियों को बनाया बंधक

गाजीपुर। जनपद के खानपुर थाना अंतर्गत बहुरा गांव निवासी सिपाही दूल्हे की शादी तय थी। बारात धूमधाम से निकली और द्वारपूजा की रश्म भी अदा हुई। लेकिन शादी समारोह के दौरान दुल्हन मंडप से अचानक गायब हो गई। दुल्हन के कहीं न मिलने पर खोजबीन शुरू हो गई। इसके बाद बारातियों को कन्या पक्ष के लोगों ने दबंगई दिखाते हुए पूरी रात बंधक बना लिया। हालांकि मौका देखकर दूल्हा मौके से फरार हो गया। बाद में दोनों पक्षों में किसी तरह सुलह-समझौता कर मामला खत्म कराया गया। बताते चलें कि गाजीपुर के बहुरा गांव निवासी अमित भारद्वाज यूपी पुलिस में कांस्टेबल हैं और गोरखपुर में तैनात हैं। उसकी शादी वाराणसी के रूस्तमपुर में तय हुई थी, वह बारात लेकर वहां गया था। जैसे ही वहां पर जयमाल कार्यक्रम शुरू हुआ, तभी शादी के जोड़े में ही दुल्हन घर के पिछले दरवाजे से फिल्मी स्टाइल में फरार हो गई। इसके बाद वहां हड़कंप मच गया। जब दूल्हा पक्ष के लोग बिना शादी के वापस लौटने लगे तो दुल्हन पक्ष के लोग दबंगई पर उतर आए और दुल्हन की नाबालिग छोटी बहन से ही शादी किए जाने का दबाव बनाने लगे। जिस पर दूल्हा पक्ष तैयार नहीं हुआ। यह सुनकर दुल्हन पक्ष के लोग गुंडई दिखाते हुए दूल्हा सहित 21 बारातियों को बंधक बना लिया। लेकिन मौका देखकर दूल्हा वहां से बच निकलने में सफल हो गया। इसके बाद बुधवार की सुबह तक कोई निर्णय नहीं हुआ और सभी बाराती बंधक बने रहे। दूल्हा पक्ष के लोगों ने बताया कि लड़की वालों की पूरी गलती है। इसके बावजूद हम पूरा सहयोग कर रहे थे। लेकिन दुल्हन का पिता वकील होने के चलते कानूनी दांवपेंच दिखा रहा था और दहेज में दिए गए चार लाख रुपयों के बदले सात लाख रुपए की मांग कर रहा था। आखिरकार लड़के की तरफ के कुछ लोगों व गांव के प्रधान द्वारा समझाने पर रुपयों की वापसी की गई। इसके बाद मामला खत्म हुआ।

निर्वाचन कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नही: डीएम

चंदौली। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टी फुंडे की अध्यक्षता में एनआईसी सभागार में आज संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में प्रथम रेण्डमाईजेशन कार्य संपन्न कराया गया। जिसमें लोक सभा चुनाव के मद्देनजर स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराने के लिए पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों के नियुक्ति आदेश जारी किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पीठासीन अधिकारी एवं प्रथम द्वितीय तृतीय मतदान अधिकारी की ड्यूटी आवंटित की गई। प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रम बाबा कीनाराम राजकीय मेडिकल कॉलेज नौबतपुर में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण स्थल पर निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व उपस्थिति दर्ज कराकर ध्यान पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करना है। बताया कि पोलिंग बूथ पर लगने वाले समस्त माइक्रो आब्जर्वर का भी रेण्डमाईजेशन का कार्य किया गया। और आने वाले दिनों में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रथम रेंडमाइजेशन के दौरान लगी ड्युटियों का आदेश भेजा जाना आरंभ हो गया है। जिला मजिस्ट्रेट जिला निर्वाचन अधिकारी ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जनपद में लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराने के लिए निर्वाचन कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता व अनुपस्थित के लिए मतदान कर्मियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई होगी।

खबरें फटाफट

खोये मोबाइल पाकर खिले धारकों के चेहरे

गाजीपुर। कासिमाबाद थाना पुलिस टीम ने सर्विलांस सेल गाजीपुर की मदद से, विभिन्न कम्पनियो के खोये हुए 11 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि थाना कासिमाबाद पर पंजीकृत मोबाइल गुमशुदगी के जांच के क्रम में सीसीटीएनएस कासिमाबाद द्वारा सर्विलांस सेल गाजीपुर की मदद से 11 विभिन्न कम्पनियों के मोबाइल फोन बरामद किया गया। सभी बरामद मोबाइल फोन को उनके वास्तविक धारकों को थाना पर गुरुवार को सौंपा गया। अपने खोये हुए मोबाइल फोन प्राप्त कर उनके धारकों के चेहरे खुशी में खिल उठे।

मई से न्यायालय के कार्यालय एवं न्यायालय के समय में होगा परिवर्तन

मऊ। पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने बताया कि उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के अनुपालन में बार एसोसिएशन द्वारा सर्वसम्मति से लिए गये निर्णय के अनुक्रम में जनपद न्यायालय, मऊ में माह मई व जून 2024 में प्रातः कालीन कार्यालय का समय सुबह 06.30 से दोपहर 01.30 बजे तक तथा न्यायालय का समय सुबह 07.00 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक निर्धारित किया गया है।
उन्होंने बताया कि जनपद न्यायाधीश, मऊ द्वारा पारित आदेश के अनुक्रम में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, मऊ के कार्यालय का समय माह मई व जून 2024 में प्रातःकालीन सुबह 06.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक तथा न्यायालय का समय सुबह 07.00 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक निर्धारित किया जाता है। भोजनावकाश सुबह 10.30 बजे से 11.00 बजे तक होगा।

जिला पंचायत सदस्य ने वृद्ध को अस्पताल में कराया भर्ती

चंदौली। सैयदराजा थाना क्षेत्र के एलही गांव के समीप बुधवार की देर रात बाइक सवार एक 56 वर्षीय वृद्ध को टक्कर मार कर फरार हो गया। उक्त रास्ते से गुजर रहे जिला पंचायत सदस्य रमेश यादव की नजर जब बृद्ध पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल घटना की 108 एम्बुलेंस की सहायता से वृद्ध को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहा उसका इलाज चल रहा है। बताते हैं कि एलही गांव निवासी सत्तार अली 56 वर्ष खाना खाने के बाद सड़क पर टहल रहे थे। बाइक सवार ने उनको जोरदार टक्कर मार कर फरार हो गया।

एनएच-31 पर राजू ढाबे के पास हुआ सड़क हादसा

सड़क हादसे में चार की मौत,एक गंभीर

♦ तेज रफ्तार टाटा सफारी अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलटी

केटी न्यूज/ बलिया

फेफना थाना क्षेत्र के राजू ढाबा के पास बुधवार की रात करीब 10:30 बजे बलिया से चितबड़ागांव की ओर जा रही तेज रफ्तार टाटा सफारी असंतुलित होकर पलट गई। जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चारों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया।

मृतकों की शिनाख्त क्रमशः रितेश गोंड 32 वर्ष पुत्र स्व भुलई गोंड निवासी तीखा थाना फेफना जिला बलिया, सत्येंद्र यादव 40 वर्ष पुत्र चलाकू यादव निवासी सिरिया मठ, थाना बड़ेसर जनपद गाजीपुर, कमलेश यादव 36 वर्ष पुत्र स्व कैलास नाथ यादव बढ़वलिया थाना चितबड़ागांव जनपद बलिया, राजू यादव 30 वर्ष पुत्र बाबूराम यादव बढ़वलिया थाना चितबड़ागांव बलिया के रूप में की गई। जबकि घायल छोटू यादव 32 वर्ष पुत्र स्व घुरहू यादव निवासी बढ़वलिया थाना चितबड़ागांव जनपद बलिया का इलाज वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर में चल रहा है। बताया जा रहा है कि टाटा सफारी में सवार होकर पांच लोग बलिया से चितबड़ागांव की ओर कही जा जा रहे थे, जैसे ही टाटा सफारी राजू ढाबे के पास पहुँची कि तेज रफ्तार होने के कारण अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। इस बाबत अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि बुधवार की रात सूचना प्राप्त हुई की चितबड़ागांव मार्ग पर एक गाड़ी अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुँची पुलिस ने देखा कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि दो लोग घायल है। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं दूसरे घायल को चिकित्सकों ने हालत नाजुक देख वाराणसी रेफर कर दिया। जहां उसका उपचार चल रहा है, वह खतरे से बाहर है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

जेएनसीयू प्रशासनिक भवन के पीछे अज्ञात कारणों से लगी आग

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बसंतपुर में गुरुवार की दोपहर प्रशासनिक भवन के पीछे अज्ञात कारण से आग लग गई। सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय के अधिकारी व कर्मचारी आग बुझाने में जुट गए और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने में जुट गई, लेकिन हवा के झोंकों के कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि हम लोग प्रशासनिक भवन में काम कर रहे थे, तभी किसी ने आकर सूचना दिया कि प्रशासनिक भवन के पीछे आग लग गई है। हम लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन हवा के झोंके के कारण आग बुझने का नाम नहीं ले रहा था। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। संयोग अच्छा रहा कि कोई हताहत नहीं हुआ।

आग की चपेट में आकर जिंदा जला बाइक सहित पेंटर

बलिया। खबर यूपी के बलिया जिले के सिकंदरपुर क्षेत्र की है। जहां एक बाइक सवार पेंटर बुधवार को आग की चपेट में आकर जिंदा जल गया। मालदा शराब भट्टी से आग शुरूआत होकर करीब तीन किलोमीटर उचराव गांव तक पहुंच गया। जिसे बुझाने में कई गांव के सैकड़ों लोग, फायर ब्रिगेड के जवान लग रहे। लेकिन आग के विकराल रूप के आगे सब लाचार व विवश दिखे। घटना की जानकारी होते ही अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अनिल कुमार झा, सिकंदरपुर एसडीएम सहित कई थानों की फोर्स पहुँच गई। मृतक की शिनाख्त आदित्य कुमार उर्फ सुगंध राजभर 30 वर्ष निवासी हुसैनपुर थाना सिकंदरपुर जनपद बलिया के रूप में की गई। बताया जा रहा है कि सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के मालदा शराब भट्ठी के पास से गेहूं के डंठल में आग लगी जो हवा के कारण विकराल रूप धारण कर तीन किलोमीटर दूर उचराव गांव तक पहुंच गई। इसी बीच घर से कहकर मालदा की ओर बाइक से जा रहे हुसैनपुर गांव निवासी आदित्य कुमार उर्फ सुगंध राजभर आग बीच घिर गया और बाइक सहित जिंदा जलकर मर गया। इस दौरान आग के विकराल रूप देख सब लोग लाचार नजर आ रहे थे। इस दौरान कोई भी कुछ नहीं कर पा रहा था। समाचार लिखे जाने तक आग का तांडव जारी था।

चंदौली की बेटी महक सिंह ने जेईई मेंस परीक्षा में प्राप्त किया 99.82 परसेंटाइल

चंदौली । दिल में लग्न और मन में विश्वास हो तो कोई मंजिल दुरुह नहीं होती यही साबित किया है जिले के सकलडीहा कस्बा में स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत राजेश सिंह की पुत्री महक सिंह ने । उन्होंने जेईई मेन्स की परीक्षा में 99.82 परसेंटाइल अंक हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार सहित डायट के शिक्षकों और कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त किया है। सभी ने महक की मेहनत की तारीफ करते हुए शुभकामनाएं दी है। वही अन्य छात्र-छात्राओं को महक से प्रेरणा लेने की बात कही है। बताते है कि परीक्षा परिणाम में महक सिंह ने फीजिक्स में 99.47, केमिस्ट्री में 99.81 तथा गणित में 99.71 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है. परीक्षा परिणाम जारी होते ही परिवार में खुशी का माहौल हो गया. डायट प्रवक्ता राजेश सिंह ने बताया कि बेटी शुरू से ही पढ़ाई को लेकर काफी गंभीर थी. उसने मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने बताया कि महक सिंह की प्रारम्भिक शिक्षा ज्ञानदीप इग्लिश स्कूल वाराणसी से हुई. वहीं हाई स्कूल की पढ़ाई सेन्टजोशेप शिवपुर वाराणसी से तो इंटर की पढ़ाई तोमर चिल्ड्रेन स्कूल वाराणसी से करते हुए जेईई की तैयारी करने लगी. उसने अपनी लगन और प्रतिभा से इस मुकाम को हासिल किया है। महक इंजीनियर बन देश की सेवा करना चाहती है।

अंतिम संस्कार में शामिल होने आया युवक गंगा में नहाने के दौरान नदी में डूबा

केटी न्यूज/ बलिया

गाजीपुर। सैदपुर नगर पालिका के जौहरगंज स्थित रामतवक्का श्मशान घाट पर शव का अंतिम संस्कार में आया युवक गंगा नदी में नहाने के दौरान डूब गया। जिसके बाद हड़कंप मच गया। तत्काल उसकी तलाश शुरू की गई और करीब एक घंटे बाद उसकी लाश मिली। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर ३ पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उचौरी गांव निवासी 21 वर्षीय गोलू गोंड पुत्र राधेश्याम गोंड के पड़ोस में किसी महिला की मौत हो गई थी। जिसके बाद वो उसके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जौहरगंज स्थित रामतवक्का श्मशान घाट पर आया था। परिजनों के अनुसार, वो काफी चंचल प्रवृत्ति का था। जिसके चलते शवदाह के बाद वो वहीं मौजूद एक नाव पर चढ़ा और कलाबाजी खाते हुए नदी में कूदा। लेकिन दुर्भाग्यवश उसका सिर पानी के अंदर एक पत्थर से टकराया और वो अंदर ही रह गया। जिसके बाद लोग शोर मचाते हुए उसे बचाने को कूदे तो वो नहीं मिला। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उसकी लाश मिली। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों में हाहाकार मच गया। मृतक दो भाई व एक बहन में सबसे छोटा था। उसकी मौत के बाद सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

कार्यशाला में हीट रिलेटेड इलनेस की नवीनतम जानकारी व बचाव के दिए गए टिप्स

जिले में हिट वेव को लेकर अलर्ट रहें डॉक्टर : सीएमओ

केटी न्यूज/बलिया

बलिया मेडिकल एसोसिएशन तथा बलिया नर्सिंग होम एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार की देर शाम नगर के एक निजी होटल में हीट रिलेटेड इलनेस की नवीनतम जानकारी व बचाव पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने हिट रिलेटेड इलनेस व उसके लक्षणों पर विस्तार से चर्चा किया। इस दौरान हीट वेव से बचाव पर भी वक्ताओं ने अपने-अपने विचार साझा किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीएमओ डॉक्टर बीपी द्विवेदी ने समस्त सरकारी व गैर सरकारी चिकित्सकों से हीट वेव को गंभीरता से लेकर उपचार करने की नई नवीनतम तकनीकी पर विस्तार से चर्चा किया। कहाकि अधिकांश मामलों में हीट वेव के लक्षण होने के बाद भी जानकारी न होने के चलते उसे हीटवेव मान लिया जाता है। जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने नवीनतम तकनीकी पर चर्चा करते हुए कहा कि मरीज को प्रॉपर उपचार होना चाहिए। जिससे उसे हिट वेव के गिरफ्त में जाने से बचाया जा सके। इसके अलावा जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एस के यादव ने भी हिट वेव के लिए जिला अस्पताल में की गई तैयारी पर चर्चा की। कहाकि इसके लिए एक अलग वार्ड बनाया गया है। जहां थोड़ा भी लक्षण दिखाई दे तो पीड़ित मरीज को भर्ती कर इलाज करने की व्यवस्था की गई है। इस मौके पर5 आईएमए के अध्यक्ष डॉ डी राय बलिया नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर आरके केजरीवाल ने सीएमओ एवं सीएमएस को बुके देकर सम्मानित किया। इस मौके पर आईएमए के सचिव डॉ एके गुप्ता, डॉ बीके गुप्ता, डा अजित सिंह, डॉ अशोक सिंह, डॉक्टर दीपक कुमार सिंह, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह, डॉ. शशिकला सिंह, डॉ. तोषिका सिंह, डॉ. आफताब आलम, डॉ. रचना सिंह, डॉ आशु सिंह, डॉ जेपी सिंह, डॉ.आरबी गुप्ता, डॉ अनिल सोनी, डॉक्टर सुजीत कुमार समस्त चिकित्सक मौजूद रहे।

यूपी की द्वितीय चरण की 8 सीटों पर मतदान आज, 1,67,77,198 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

- 8 लोकसभा क्षेत्रों में प्रात: 7 बजे शुरू होगा मतदान
- 8 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 91 प्रत्याशी मैदान में, 10 महिला प्रत्याशी भी शामिल

केटी न्यूज/लखनऊ

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 8 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया 26 अप्रैल शुक्रवार को संपन्न होगी। दूसरे चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील की है। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश के अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ तथा मथुरा लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव होने जा रहा है। यह लोकसभा क्षेत्र प्रदेश के 9 जिलों में अवस्थित हैं। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान से पूर्व प्रत्याशियों और पोलिंग एजेंट की मौजूदगी में मॉक पोल भी कराया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि द्वितीय चरण में कुल 1,67,77,198

मतदाता हैं, जिसमे 90,26,051 पुरुष मतदाता तथा 77,50,356 महिला मतदाता एवं 791 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। सबसे अधिक मतदाता गाजियाबाद (29 लाख, 45 हजार 487) तथा सबसे कम मतदाता बागपत (16 लाख 53 हजार 146) लोकसभा क्षेत्र में हैं। सबसे अधिक 15 प्रत्याशी गौतम बुद्ध नगर एवं मथुरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में तथा सबसे कम 6 प्रत्याशी बुलंदशहर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में कुल 17704 मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) तथा 7797 मतदान केंद्र हैं। इन मतदेय स्थलों में से 3472 क्रिटिकल हैं।

मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग द्वारा 03 विशेष प्रेक्षक, 08 सामान्य प्रेक्षक, 05 पुलिस प्रेक्षक तथा 12 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 1451 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 190 जोनल मजिस्ट्रेट, 222 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 1599 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए 4213 भारी वाहन, 3251 हल्के वाहन तथा 79338 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। चुनाव में मतदान के लिए 17230 ईवीएम की कंट्रोल यूनिट, 17331 बैलट यूनिट तथा 17443 वीवीपैट तैयार किए गए हैं।

चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्ध सैनिक बलों को दी गई है। द्वितीय चरण के निर्वाचन के दौरान अर्द्ध सैनिक बलों/पुलिस बलों के व्यवस्थापन के दृष्टिगत आकस्मिकता की स्थिति में मेडिकल सहायतार्थ एयर एम्बुलेंस एवं हेलीकाप्टर की व्यवस्था भी की गई है। हेलीकाप्टर की लोकेशन 25 व 26 अप्रैल को अलीगढ़ में तथा एयर एम्बुलेंस की लोकेशन 26 अप्रैल, 2024 को मेरठ में रहेगी। उन्होंने बताया कि 50 प्रतिशत मतदेय स्थलों पर (8852 मतदेय स्थल) लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तरों पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 967 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई है।द्वितीय चरण में कुल 148 आदर्श मतदेय स्थल, 53 समस्त महिला प्रबंधित मतदेय स्थल, 35 समस्त युवा कर्मी मतदेय स्थल तथा 32 समस्त दिव्यांग प्रबंधित मतदेय स्थल बनाए गए हैं।

एक नजर

सहन की जमीन में जबरदस्ती खड़ंजा लगाने का ग्रामीणों ने लगाया आरोप

गाजीपुर। भुडकुड़ा कोतवाली अंतर्गत मुड़ियारी गांव में प्रधान पति वीरेंद्र यादव जबरदस्ती राजेश कुशवाहा के सहन की भूमि में खड़ंजा लगा दिया। इसको रोकने और पैमाइश करने के लिए फरियादी ने जखनियां तहसील के एसडीएम सहित कोतवाली, ब्लॉक पर आवेदन दिया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जिलाधिकारी को आवेदन देकर जांच कर कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि नाबालिक बच्चे ईंट उठाकर खड़ंजा लगा रहे हैं, जो स्कूली ड्रेस भी पहने हैं। साथ ही प्रधान प्रतिनिधि वहां उपस्थित महिला पुरुषों का वीडियो बना रहे हैं। उनसे उलूल जुलूल सवाल पूछ रहे हैं। जब ग्रामीण आशुतोष ने फोन पर कोतवाल साहिबा तारावती से बात किया तो कोतवाल ने कहा कि प्रधान खड़ंजा लगवा रहा है क्या गलत किया ? उपजिलाधिकारी का निर्देश आता है, तो कोई कार्रवाई करेंगे। जब फरियादी ने कहा कि खंड विकास अधिकारी का निर्देश है कि आचार संहिता में कोई कार्य नहीं होगा, तो कोतवाल तारावती ने कहा कि बीडीओ कौन होते हैं मुझे निर्देश करने वाले। जब फरियादी ने पूछा की आपके हमराही दो कास्टेबल खड़े होकर खड़ंजा लगा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि कास्टेबल निरीक्षण करने गए हैं। खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि अभी ग्राम सचिव यशवंत से बात हुई है उन्होंने बताया कि खड़ंजा लगाना कार्य योजना में शामिल था इसलिए खड़ंजा लगाया गया। पीड़ित राजेश कुशवाहा ने जब उप जिलाधिकारी से पहुंचा तो वह राजस्व निरीक्षक को जांच करने की लिए आवेदन पर साइन तो कर दिए, लेकिन जखनियां तहसील में राजस्व निरीक्षक, लेखपाल को खोजते रहे लेकिन कोई मिला नहीं। आवेदन होने के बावजूद भी खड़ंजा पर कोई अधिकारी नहीं पहुंचा कि मामला क्या है सही है गलत है। पीड़ित ने जिलाधिकारी सहित उच्चाधिकारियों को आवेदन देकर न्याय कि गुहार लगाई है।

सीएमओ ने लोगों से की अपील... मच्छरों के पनपने वाली जगहों की करें निगरानी एवं निराकरण

गाजीपुर। जनपद में बृहस्पतिवार को विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय समेत ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रो पर विविध जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम में सीएमओ कार्यालय सभागार में सीएमओ डॉ देश दीपक पाल की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर एसीएमओ व नोडल अधिकारी डॉ जे०एन०सिंह एवं एसीएमओ डॉ मनोज कुमार सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सीएमओ ने कहा कि मलेरिया वाहक एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर ज्यादातर अनुपयोगी कुओं, तालाब/पोखरा, सीमेंट के टैंक, नाले, जल जमाव एवं पानी जमा होने वाले निचले क्षेत्र जगहों पर पनपता है। मच्छरों के पनपने वाली जगहों की निगरानी करें और उनका नियमित निराकरण करें। सीएमओ ने कहा कि मच्छरों का प्रकोप पहले सिर्फ बारिश के दौरान और बारिश के बाद दिखता था जबकि अब दो से तीन महीने छोड़कर पूरे साल ही दिखते हैं। इसलिए आवश्यकता पड़ने पर मलेरिया रोकने के लिए अब फॉगिंग का कार्य पूरे साल चलेगा। साथ ही हमारी स्वास्थ्य टीमें सर्वाधिक मच्छर वाले इलाकों को चिन्हित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि हर साल 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि इस बार विश्व मलेरिया दिवस की थीम अधिक न्यायसंगत दुनिया के लिए मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में तेजी लाना है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे जिला मलेरिया अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि वर्तमान में संचालित संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को नष्ट कराया जा रहा है। एंटी लार्वा का छिड़काव तथा फागिंग भी कराया जा रहा है। इस कार्य में नगर विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मलेरिया की जांच व उपचार की सुविधा जिला मुख्यालय के अलावा सभी सीएचसी/पीएचसी पर उपलब्ध है।

खबरें फटाफट

एक लाख कारतूस गायब होने में हेड आर्मर को दस साल की सजा

वाराणसी । मिजार्पुर स्थित 39वीं वाहिनी पीएसी बटालियन से 99,519 कारतूस गायब होने के मामले में विशेष न्यायाधीश द्वितीय (भ्रष्टाचार निवारण) रजत वर्मा की अदालत ने हेड आर्मर रहे रामधनी चौबे को दोषी करार देते हुए दस साल के कारावास और एक लाख दस हजार रुपया जुमार्ने की सजा सुनाई है। जुमार्ना न देने पर छह माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अदालत में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विक्रमशील चतुर्वेदी ने पक्ष रखा। अभियोजन के अनुसार मिजार्पुर जिले के कोतवाली थानांतर्गत ओमनगर, बथुआ निवासी रामधनी चौबे 39वीं वाहिनी पीएसी बटालियन में हेड आर्मर के पद पर तैनात था। तत्कालीन सेनानायक पीयूष मोडिया ने 23 व 24 अप्रैल 2004 को निरीक्षण के दौरान शस्त्रागार के अभिलेखों में त्रुटि मिलने पर इसकी जांच के लिए कमेटी का गठन किया। सहायक सेनानायक परमहंस सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने एक जनवरी 2001 से एक अप्रैल 2004 तक के अभिलेखों का मिलान किया। इसमें विभिन्न तिथियों में कारतूसों की कमी पाई गई। विस्तृत जांच में 99,519 कारतूस गायब होने का मामला सामने आया।

धूमधाम से मनाया गया साईं बाबा का स्थापना दिवस

जौनपुर। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हुसैनाबाद तिलकधारी महाविद्यालय के बगल स्थित साईं बाबा मंदिर का वार्षिकोत्सव बुधवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साईं बाबा मंदिर में विधिवत आरती के उपरांत शुरू हुआ। मंदिर के पुजारी पंकज पांडे द्वारा बाबा की आरती कराई गई। तदुपरांत पालकी अपने कदीम रास्तों से चलते हुए गायत्री माता मंदिर तक हाथी घोड़ा पालकी के साथ पहुंची वहां मां गायत्री की आरती के पश्चात पुनः पालकी साईं बाबा मंदिर धाम में पहुंची जहां आरती के उपरांत पालकी का समापन किया गया।

फतेहपुर में तबाह हो गया एक परिवार, छोटी सी गलती के कारण चली गई तीन जान

पति से विवाद के बाद बेटा-बेटी का गला घोंट नदी में फेंका,फिर खुद भी कूद गई

- स्थानीय गोताखोरों की मदद से तीनों के शव यमुना नदी से बरामद कर लिया गया
- पति के सोने के बाद घर से बच्चों को साथ लेकर निकली थी महिला
- टीबी का मरीज है मृतिका का पति राजेश, दोपहर में कमासिन सीएचसी से दवा लेकर लौटा था

केटी न्यूज/बांदा

फतेहपुर में पति से विवाद के बाद महिला ने अपने दो बच्चों के साथ यमुना नदी में छलांग लगा दी। पुल से निकल रहे लोगों ने महिला को बच्चों के साथ कूदते हुए देखा तो शोर किया, लेकिन महिला नहीं रुकी। पहले दोनों बच्चों को नदी में फेंका फिर खुद कूद गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस को सूचना दी गई। फतेहपुर और बांदा दो जिलों का बॉर्डर होने के कारण काफी देर तक दोनों जिलों की पुलिस घटना स्थल को लेकर उलझी रही। बाद में गोताखारों ने लगभग सवा घंटे बाद तीनों शवों को बरामद कर बाहर निकाला। शवों को बांदा पुलिस ने कब्जे में लिया है। लोग चिल्लाए, लेकिन तब तक मंजू अपने दो बच्चों के साथ पुल से यमुना नदी में कूद गई। इसके बाद शोर सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को फोन किया। इसके बाद वहां फतेहपुर की किशनपुर पुलिस और बांदा की कमासिन थाना बॉर्डर पुलिस पहुंच गई। लेकिन दोनों थानों की पुलिस घटना स्थल को लेकर काफी देर तक असमंजस में रही। घटना स्थल कमासिन थाना क्षेत्र का होने के बाद पुलिस ने गोताखारों की मदद से तीनों की तलाश शुरू कराई। नाव से तीनों को नदी में तलाश किया जाने लगा। फतेहपुर बॉर्डर के पास गोताखोरों ने मंजू और उसके दोनों बच्चे दीपक और काजल के शव को बरामद कर लिया। बताया जा रहा है कि मंजू का उसके पति से विवाद हुआ था। जिसके बाद उसने अपने बच्चों के साथ जान दे दी।

राजेश निषाद पत्नी के साथ मंगलवार को फतेहपुर के किशनपुर क्षेत्र के एक गांव में भट्ठे में ईंट पाथ करके वापस घर आया था। बुधवार सुबह नौ बजे राजेश निषाद दवा लेने के लिए कमासिन सीएचसी आया था। वह टीवी का मरीज है। करीब एक बजे दवा लेकर घर वापस पहुंचा। इसके बाद उसकी पत्नी मंजू (26) ईंट पाथने के लिए भट्ठे पर चलने के लिए जिद करने लगी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद शुरू हो गया। राजेश ने पत्नी को समझाते हुए तेज धूप में चलने की बजाय ठंडे समय में चलने के लिए कहा, लेकिन पत्नी अपनी जिद पर अड़ी रही।

पुल के बीचों-बीच रुकी और लगा दी छलांग

फतेहपुर के किशनपुर थाना क्षेत्र से बांदा जाने के लिए यमुना पुल बना है। बुधवार की देर शाम को बांदा जिले के रहने वाले राजेश निषाद की पत्नी मंजू अपने दो बच्चे दीपक (3) और काजल (5) के साथ किशनपुर पुल से कमासिन थाना अपने गांव खटान जा रही थी। इसी दौरान वह अचानक पुल के बीचों-बीच रुक गई। आसपास से गुजर रहे लोगों ने देखा तो उन्हें मामला कुछ संदिग्ध लगा।

कहते हैं थाना प्रभारी

थाना प्रभारी किशनपुर ने बताया कि महिला बांदा जिले के कमासिन थाना क्षेत्र के खटान गांव की रहने वाली थी। वह अपने बच्चों को लेकर नदी में कूद गई थी। तीनों के शव को बरामद करने के बाद बांदा की कमासिन थाना पुलिस साथ ले गई। वहीं पर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई पूरी की जाएगी।

पति के सोने के बाद गुस्से में निकली मंजू

इसके बाद राजेश खाना खाने के बाद लेट गया। इसी समय मंजू ने अपने बच्चों को साथ लेकर गुस्से में पैदल निकल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार शाम दांदौ किशनपुर घाट पर बने पक्के पुल पर मंजू ने गला घोंटते हुए पहले बेटी, फिर बेटे को यमुना नदी में फेंक दिया। इसके बाद खुद पुल से छलांग लगा दी।

शादी समारोह से लौट रही महिला के साथ गैंगरेप

- पति को डंडे से पीटा पत्नी को बोलेरों में डालकर ले गए तीन लोग

केटी न्यूज/प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ में शादी से लौट रही एक महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। बोलेरो सवार तीन आरोपी महिला को जबरन कार में उठा ले गए। गैंगरेप के बाद उसे 15 किलोमीटर दूर फेंक दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने पति की लात-घूंसे मारकर पिटाई कर दी। पति रात को ही थाने पहुंचा और पत्नी के साथ हुई वारदात की सूचना दी। पुलिस ने रात में ही सर्च ऑपरेशन चलाया और सुबह चार बजे वह महिला 15 किमी. दूर मिली। पुलिस गैंगरेप और लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। महिला को जहां फेंका गया है वहां के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

ससुराल में शादी में पत्नी को लेकर गया था पति

मामला प्रतापगढ़ जिले के कोहड़डौर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित पति ने पुलिस को बताया कि मैं 24 अप्रैल की शाम को अपनी ससुराल में पत्नी के साथ शादी में आया था। हम लोग रात करीब एक बजे तक कार्यक्रम में रहे। शादी की सारी रस्में पूरी होने के बाद हमने अपनी पत्नी से चलने के लिए कहा तो उसने थोड़ी देर में चलने की बात कहकर बात टाल दी। मेरा भाई रिश्तेदारों से बातचीत में मशगूल था। रात ज्यादा हो रही थी इसलिए पत्नी पर जोर दिया और घर जाने का दबाव डाला। इस पर मेरी पत्नी सवा एक बजे मेरे साथ चल दी। भाई से मैंने कहा कि मैं चल रहा हूं तुम भी जल्दी आ जाओ। हम करीब 500 मीटर तक चले और रोड पर एक पुलिया के पास खड़े होकर भाई का इंतजार करने लगे। इसी बीच एक बोलेरो कार हमारे पास आकर रुकी। उसमें से तीन लोग उतरे और उनमें से एक व्यक्ति मुझसे कुछ बात करने के लिए आगे बढ़ा और दो लोग पत्नी की ओर लपके। मैंने जैसे ही उनका विरोध किया तो उन लोगों ने मुझे घूंसे-लात से पीटना शुरू कर दिया। उनमें से एक के हाथ में डंडा था उसने डंडे से मेरे ऊपर कई वार किए। देखते ही देखते मेरे सामने वो तीनों लोग मेरी पत्नी को जबरन बोलेरो कार में उठाकर ले गए। मैं वहां पर चीखता रहा लेकिन आसपास कोई था ही नहीं। इसके बाद में रात को ही सीधे पुलिस स्टेशन पहुंचा और पूरे मामले की सूचना दी।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने सीडीओ को पत्रक सौंप, की मांग

गाजीपुर। गुरुवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में संतोष कुमार वैश्य मुख्य विकास अधिकारी/ प्रभारी अधिकारी ल्कार्मिकों प्रशिक्षणल्न से मिलकर पत्रक सौंपा। पत्रक के माध्यम से लोकसभा सामान्य निर्वाचन -2024 के चुनाव में दंपति कार्मिक (पति-पत्नी) में से किसी एक को चुनाव ड्यूटी से मुक्त करने व चुनाव में लगे कर्मियों को मतदान स्थल तक ले जाने हेतु बस की सुविधा उपलब्ध कराए जाने से संबंधित मांग किया। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष दुर्गेश श्रीवास्तव द्वारा प्रभारी अधिकारी कार्मिक से मुख्य निर्वाचन अधिकारी को प्रति देकर उपरोक्त आदेश का अनुपालन करने का प्रस्ताव रखा गया। उन्होंने मांग किया कि जनपद में लोकसभा सामान्य निर्वाचन -2024 के चुनाव में लगे कर्मियों को बूथ स्तर पर ले जाने के लिए बस मुहैया कराने समेत अन्य मांग की है।

संपत्ति के लिए इकलौते शराबी बेटे ने की बाप की हत्या

मऊ। जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के कटघरा महलू में बीते मंगलवार को बुजुर्ग बाबूराम राय की हत्या का खुलासा गुरुवार को पुलिस ने कर दिया। आरोपी मृतक का इकलौता बेटा था, जो शराब का आदी है। पिता द्वारा भविष्य में बेटे को संपत्ति से बेदखली का डर और संपत्ति को खोने का डर से कलयुगी बेटे ने सोते समय अपने पिता की हत्या कर दी। हत्या में शामिल कुल्हाड़ी को पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया।

टोल प्लाजा पर ग्रामीणों ने किया तोड़फोड़

जौनपुर। हौज टोल प्लाजा पर उस समय हड़कंप मच गया जब सैकड़ो की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने तोड़फोड़ करना शुरू कर दिया।टोल कर्मियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई।आरोप है कि टोल प्लाजा कर्मचारियों ने पास में ही बने हुए कट से बिना टोल टैक्स दिए गांव के रास्ते निकल रहे एक वाहन चालक को जमकर पीटा। जिससे नाराज ग्रामीणों ने टोल प्लाजा पर जमकर तोड़फोड़ किया।इस दौरान कुछ देर के लिए टोल फ्री हो गया और कई गाड़ियां बिना टोल दिए ही निकल गए।

शाह ने कालभैरव का दर्शन किया पीएम की जीत के लिए मांगा आशीर्वाद

गृह मंत्री ने महादेव की नगरी काशी से कार्यकताओं को कहा जय श्रीराम

केटी न्यूज/वाराणसी

बीजेपी के वरिष्ठ नेता अमित शाह का वाराणसी दौरा गुरुवार को समाप्त हो गया। एयरपोर्ट निकलने से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरूवार को काशी के कोतवाल के दरबार में हाजिरी लगाई। महंत ने केंद्रीय गृहमंत्री को अंगवस्त्रम भेंट किया। उन्होंने दर्शन पूजन के बाद मंदिर की परिक्रमा की मंदिर में मौजूद पंडित ने बाबा के डंड से उनकी नजर उतारी और उनको काला धागा हाथ में पहनने के लिए दिया। वे करीब 10.20 बजे विश्वेश्वरगंज स्थित काल भैरव मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में काल भैरव से पीएम मोदी की जीत का आशीर्वाद मांगा। अमित

शाह करीब दो मिनट तक मंदिर में रहे और फिर बाहर निकले। इस दौरान जय श्रीराम, मोदी-योगी जिंदाबाद, अमित शाह जिंदाबाद के नारे भी लगे। बाहर निकलने पर केंद्रीय मंत्री ने हाथ उठाकर स्थानीय लोगों का अभिवादन किया। अमित याह ने कहा कि काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव को आठ सिद्धियां देने वाला कहा जाता है। काशी के सांसद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पचास बार काशी आए है। बाबा के दर्शन किए है। उन पर बाबा की कृपा हुई और आठ सिद्धियां मिलीं। इन्हीं सिद्धियों से आपके सांसद ने देश से भ्रष्टाचार, जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टीकरण, हीनभावना, आतंकवाद, नक्सलवाद और अंग्रेजों को गुलामी की निशानियों को मिटा दिया। पूर्वांचल से माफिया राज खत्म कर दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का काशी विश्वनाथ धाम जाने का कार्यक्रम तय था लेकिन अंतिम समय में कैंसिल कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दोपहर 12.30 बजे उन्हें तेलंगाना में जनसभा को संबोधित करना है। इसकी वजह से वे काल भैरव मंदिर से सीधे एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। बुधवार को दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर पहुंचे अमित शाह ने गुरुवार सुबह ताज होटल में काशी के कुछ प्रबुद्धजनों से मुलाकात की। 2024 के चुनाव में बड़ी जीत सुनिश्चित करने के लिए सुझाव मांगे, काशी के विकास कार्यों पर उनकी राय जानी। गृहमंत्री ने खामियों पर सवाल भी किया, साथ ही आगामी दिनों में कार्यकताओं की बड़ी भूमिका पर भी बातचीत हुई। इसके बाद जनप्रतिनिधियों समेत प्रमुख पदाधिकारियों से संवाद की। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ की धरती से सभी कार्यकताओं को मेरा जय श्रीराम। नरेंद्र मोदी ने काशी का नाम और मान पूरी दुनिया में बढ़ाया है।

सुभाषितम्

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।
- चाणक्य

भाजपा के 80-20 का जवाब कांग्रेस ने 90-10 से दिया

भारतीय जनता पार्टी ने 80-20 का जो नारा दिया था, अर्थात भारत में 80 फीसदी आबादी हिंदू है और 20 फीसदी आबादी में मुस्लिम और अल्पसंख्यक वर्ग आता है। भारतीय जनता पार्टी ने बहुसंख्यक आबादी को अपने पक्ष में कर-के लोकसभा और विधानसभा चुनाव जीतने के लिए गुजरात के बाद अन्य राज्यों के लिए जो रणनीति बनाई थी, उत्तर भारत के राज्यों में भाजपा की यह रणनीति काफी सफल रही। पिछले 10 साल में उत्तर भारत के सभी राज्यों में डबल और ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने में भाजपा को सफलता मिली। केंद्र, राज्य और स्थानीय संस्थाओं पर भाजपा ने चुनाव जीतकर, सत्ता पर एकाधिकार बनाया। 80-20 की तोड़ इस चुनाव में कांग्रेस ने निकाली है। कांग्रेस ने 90-10 का जो फामूर्ला तैयार किया है। उसके बाद से भाजपा का 80-20 का गढ़ दरकता हुआ नजर आ रहा है। कांग्रेस ने सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से सामाजिक न्याय के नाम से 90 फीसदी लोगों के लिए घोषणा पत्र तैयार किया है। पिछले 10 वर्ष में भारत में पूंजीवाद बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। अमीर और अमीर होते चले गए, गरीब और गरीब होता चला गया। 45 फीसदी संपत्ति एक फीसदी लोगों के पास पहुंच गई है। बाकी 9 फीसदी अति धनाड्य और धनाड्य हो सकते हैं। 90 फीसदी भारत की आबादी आर्थिक एवं सामाजिक रूप से बहुत कमजोर है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में इन्हीं 90 फीसदी लोगों के लिए जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोकसभा चुनाव 2024 में प्रवेश किया है। 90 फीसदी लोगों की आर्थिक और सामाजिक उन्नति, जाति और समुदाय के अनुसार गरीबी और पिछड़े वर्ग को देने की घोषणा की है। आरक्षण, शिक्षा एवं नौकरी में आर्थिक आधार पर आरक्षण, बिना किसी भेदभाव की सामाजिक व्यवस्था, केंद्र एवं राज्य सरकार की करोड़ों नौकरियां, जो पिछले, 10 वर्षों में नहीं भरी गई हैं, उनको भरने, संविदा कर्मियों को नियमित करने, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को, पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति, निजी शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण, केंद्र सरकार के बजट का उपयोग 90 फीसदी समुदाय की आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए वितरण करने आदिवासियों को वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत जल, जंगल और जमीन के अधिकार, ग्राम और जिला सरकार का सशक्तिकरण, मुफ्त शिक्षा, भारत में पैदा हुए सभी लोगों के लिए समान अवसर, सभी धर्म के लोगों के लिए समान मानव अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों को बरकरार रखना। भाषा के आधार पर संरक्षण, वरिष्ठ नागरिकों विधवाओं और दिव्यांगों के लिए ?1000 प्रति माह की पेंशन, वरिष्ठ नागरिकों को विशेष अधिकार, बिना किसी भेदभाव के स्वास्थ्य व्यवस्था, गंभीर बीमारियों में 25 लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा, बेरोजगारों के लिए 1 लाख रुपए का स्टाइपेंड, प्रत्येक परिवार की गरीब महिला को 100000 सालाना की आर्थिक मदद, किसानो और गरीबों की कर्ज माफी, जैसे कई प्रावधान कांग्रेस ने घोषणा पत्र में किए हैं। किसानों की कर्ज माफी और कृषि उत्पादन की एमएसपी तय करने का प्रावधान घोषणा पत्र में किया है। भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 10 साल से हिंदुत्व और धार्मिक ध्रुवीकरण के सहारे चुनाव जीतने का काम किया है। आर्थिक दृष्टि से 90 फीसदी आबादी 2014 की तुलना में और गरीब हुई है। केंद्र सरकार को 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। लोगों की क्रय शक्ति कम हो रही है। बेरोजगारी दिनों-दिन बढ़ रही है। सरकारी नौकरी के स्थान पर संविदा नियुक्ति पिछले 10 सालों में दी जा रही है। सेना, रेलवे और बैंक की भर्ती बंद है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के रिक्त पद खाली पड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस ने 80-20 का मुकाबला अब 90-10 से करने की रणनीति तैयार की है।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई। हर आदमी से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे

- ललित गर्ग

शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च, शस्त्रीकरण एवं घातक हथियारों की होड़ किसी खतरे की घंटी से कम नहीं। शस्त्रीकरण के भयावह दुष्परिणामों से समूचा विश्व भयाक्रांत है, हर पल आणविक हथियारों के प्रयोग को लेकर दुनिया डर के साये में जी रही है। इसीलिये आज अयुद्ध, निशस्त्रीकरण एवं शांति की आवाज चारों ओर से उठ रही है। शक्ति संतुलन के लिये शस्त्र-निर्माण एवं शस्त्र संग्रह की बात से किसी भी परिस्थिति में सहमत नहीं हुआ जा सकता। क्योंकि इससे अपव्यय हो होता ही है, साथ ही किसी भी गलत हाथों से दुरुपयोग होने की बहुत संभावनाएं रहती है। ताजा घटनाक्रम को देखें तो एक ओर रूस और यूक्रेन आमने-सामने हैं, वहीं दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच तल्खी भी चरम पर है। चीन और ताइवान के बीच भी रह-रह कर युद्ध के बदल मंडरा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल भी गूंजना स्वाभाविक है कि क्या सचमुच दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ते हुए घातक हथियारों के उपयोग की प्रयोगभूमि बन रही है? सवाल दूसरे ओर भी हैं। स्टॉकहोम इन्टरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की हथियारों पर आयी ताजा रिपोर्ट ऐसे ही सवाल खड़े कर रही है। इसका संतोषजनक जवाब शायद ही मिले क्योंकि दुनिया सीधे-सीधे दो खेमों में बंट गई है। स्टॉकहोम की रिपोर्ट के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, डराने वाले हैं। शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च का बढ़ना एवं नये-नये हथियारों का बाजार गरम होना, चिन्ताजनक है। रिपोर्ट में खास बात यह है कि दुनिया में सर्वाधिक सैन्य खर्च करने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर बरकरार है। शांति एवं अहिंसा की भूमि पर हथियारों का जमावड़ा उसकी कथनी एवं करनी के भेद को उजागर कर रहा है। ये सवाल स्वाभाविक है कि जब प्रत्येक देश शांति बनाए रखने की वकालत करता है फिर हथियारों की होड़ लगातार क्यों बढ़ रही है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बन चुका है। स्टॉकहोम की ओर से जारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। भारत ने बीते पांच साल में दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदे हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यूरोप का हथियार आयात 2014-18 की तुलना में 2019-23 में लगभग दोगुना बढ़ा है, जिसके पीछे रूस-यूक्रेन युद्ध बड़ा कारण माना जा रहा है। वहीं, इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा हथियार एशियाई देशों ने खरीदे हैं। इस लिस्ट में रूस-यूक्रेन का युद्ध देश के रक्षा निर्यात को काफी प्रभावित किया है। इस कारण से पहली बार रूस हथियार निर्यात में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। तो वहीं, अमेरिका पहले और फ्रांस दूसरे नंबर पर है। पिछले 25 सालों में पहली बार, संयुक्त राज्य अमेरिका एशिया और ओशिनिया का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा। अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ-साथ अमेरिका स्वयं ही इन हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है। अमेरिका दुनिया पर आधिपत्य स्थापित करने एवं अपने शस्त्र कारोबार को पनपाने के लिये जिस अपसंस्कृति को उसने दुनिया में फैलाया है, उससे पूरी मानवता कराह रही है, पीड़ित है। अमेरिका ने नई विश्व व्यवस्था (न्यू वर्ल्ड आर्डर) की बात की है, खुलेपन की बात की है लगता है ह्वविश्वमानवह्व का दम घुट रहा है और घुटन से बाहर आना चाहता है। विडम्बना देखिये कि अमेरिका दुनिया का सबसे अधिक शक्तिशाली और सुरक्षित देश है लेकिन उसके नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित और भयभीत नागरिक हैं। वहां की जेलों में आज जितने कैदी हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। ऐसे कई वाकये हो चुके हैं कि किसी रेस्तरां, होटल या फिर जमावड़े पर अचानक किसी सिरफिरे ने गोलीबारी शुरू कर दी और बड़ी तादाद में लोग मारे गए। 2014 में अमेरिका में हत्या के कुल दर्ज करीब सवा चौदह हजार मामलों में अड़सठ फीसद में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। एक तरफ अमरीका और उसके सहयोगी नाटो देश हैं तो दूसरी तरफ रूस-चीन का गठजोड़ है। तटस्थ रहने वाले देश भी गाहे-बगाहे अप्रत्यक्ष रूप से किसी न किसी खेमे की तरफ झुकाव प्रदर्शित करते रहे हैं। ऐसे में आखिरी उम्मीद संयुक्त राष्ट्र ही रह जाता है। जबकि संयुक्त राष्ट्र की शक्तियां एवं उद्देश्य कोरे दिखावे के हैं, समूची दुनिया इससे वाकिफ है। वह ऐसे किसी भी संकट में शांति प्रस्ताव पारित कर अपनी जिम्मेदारियों से इतिश्री कर पला झाड़ लेता है। वह न तो रूस-यूक्रेन के संघर्ष में और न ही इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष रोकने में कोई सार्थक भूमिका अदा कर पा रहा है। उसके कड़े से कड़े फैसले भी आखिर में महाशक्तियों के वीटो के सामने हथियार डाल देते हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अस्तित्व में आया संयुक्त राष्ट्र कहने को तो दुनिया के देशों का सबसे बड़ा मंच है पर युद्धों को रोकने में उसकी भूमिका नगण्य है। ऐसे में दुनिया में बढ़ते हथियारों की होड़ एवं युद्ध की संभावनाओं को आखिर कौन-कैसे-किसको रोके? जाहिर है, ऐसी परिस्थितियों में तो हथियारों की होड़ बढ़ेगी ही। अमरीका एक तरफ युद्ध की तरफ बढ़ रहे देशों से शांति की अपील करने में सबसे आगे रहता है। लेकिन दूसरी तरफ अमरीकी हथियार कंपनियां तमाम देशों को खरबों रुपए के हथियार बेच रहीं है। इन कंपनियों के लिए तो युद्धकाल ही स्वर्णकाल होता है। ऐसे दौर में जब अधिकांश देश शिक्षा, रोजगार व सेहत के मोर्चे पर संकटों का सामना कर रहे हैं, हथियारों की इस होड़ को रोका ही जाना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भीषणतम तबाही एवं सर्वनाश का कारण बनता दिख रहा है। रूस द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किये जाने एवं यूक्रेन के द्वारा ह्यडर्टी बमह्न का इस्तेमाल किये जाने की धमकियां, दुनिया के लिये डर का कारण बन रही है। भयंकर विनाश की आशंकाओं के बीच समूची दुनिया सहमी हुई है। यदि परमाणु हथियारों का उपयोग होता है तो यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ होगा एवं दुनिया को अशांति की ओर अग्रसर करने वाला होगा। अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा इसलिए बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस युद्ध को चलते लंबा वक्त हो गया।

सोचो ! आखिर आरएसएस को क्या हुआ ?...

-राकेश अचल

आप मंगलसूत्र और विरासत कर की अफवाहों में उलझ गए ,और आपसे एक महत्वपूर्ण खबर छूट गयी । खबर ये है कि जिस आरएसएस की इकलौती संतान भाजपा दस साल केंद्र की सत्ता में रह चुकी उस आरएसएस का शताब्दी समारोह नहीं मनाया जाएगा। संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने खुद ये ऐलान किया ,लेकिन कहीं से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। किसी ने ये जानने की कोशिश नहीं की कि आखिर संघ को हुआ क्या जो उसने इतने महत्वपूर्ण अवसर पर एकजुटता दिखाने से मना कर दिया ? व्यक्ति हो या संस्था ,सभी के लिए सौ का आंकड़ा पार करना एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है । भारत में आमतौर पर जन्मदिन पर शतायु होने का आशीर्वाद दिया जाता है। संस्थाएं हों या दल अपनी स्थापना का रजत,स्वर्ण और हीरक जयंती मनाते हैं। कोई इस खास मौके को छोड़ना नहीं चाहता,किन्तु संघ अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष को यादगार नहीं बनाना चाहता। ये हैरान करने वाली घटना है। आखिर ऐसा क्या अशुभ हो गया जो संघ ने अपने शतायु होने को समारोहपूर्वक मनाने का इरादा छोड़ दिया ,जबकि तमाम परिस्थितियां संघ के अनुकूल हैं।

आप सब जानते हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 27 सितंबर सन- 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ॰ केशव हेडगेवार द्वारा की गयी थी। संघ ने आजादी की लड़ाई में क्या कुछ किया ये सब विवादास्पद है ,और हो सकता है। किन्तु संघ प्रतिबंधों कि बावजूद लगातार भारत की राजनीति में किसी न किसी रूप में हिस्सा लेता रहा है । राजनीति में हिस्सेदारी कि लिए संघ ने जनसंघ बनाया। देश में जब 1975 में आपातकाल की घोषणा हुई तो तत्कालीन जनसंघ पर भी संघ के साथ प्रतिबंध लगा दिया गया। आपातकाल हटने के बाद जनसंघ का विलय जनता पार्टी में हुआ और केन्द्र में मिलीजुली सरकार बनी।इसी जनसंघ और संघ की वजह से 1980 में जनता पार्टी टूटी भी और भारतीय जनता पार्टी का जन्म हुआ। संघ को देश की सत्ता हासिल करने में पूरे 75 साल लगे। संघ की लम्बी साधना और प्रतीक्षा का ही सुफल था कि 2000 में जब संघ 75 वर्ष का हुआ तब संघदक्ष शाखामृग अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की मिलीजुली सरकार भारत की केन्द्रीय सत्ता पर आसीन हुई। संघ की स्थापना का मूल और प्रारंभिक लक्ष्य हिंदू अनुशासन के माध्यम से चरित्र प्रशिक्षण प्रदान करना और हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए हिंदू समुदाय को एकजुट करना था। संघ अपने एक उद्देश्य में तो सफल हुआ किन्तु उसकी कल्पना का देश प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी नहीं बना सके। लेकिन संघ ने हार नहीं मान। संघ अपने संगठन कि माध्यम से भारतीय संस्कृति और नागरिक समाज के मूल्यों को बनाए रखने के आदर्शों को बढ़ावा देता रहा। बाजपेयी जी की सत्ता जाती रही किन्तु संघ बहुसंख्यक हिंदू समुदाय को मजबूत करने के लिए हिंदुत्व की विचारधारा का प्रचार करने से पीछे नहीं हटा। बाजपेयी कि बाद संघ ने फिर साधना की और 2014 में अपने नए शाखामृग नरेंद्र मोदी कि जरिये देश की सत्ता पर अपना अधिकार जमाया। मोदी जी 2019 में दूसरी बार भी प्रधानमंत्री बने । उनके शासनकाल में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने और राम मंदिर बनाने का सपना भी पूरा हुआ ,लेकिन इस दौर में संघ कमजोर और मोदी जी मजबूत होते चले गये । आज स्थिति ये है कि संघ मोदी जी को नहीं नचा पा रहा जबकि मोदीजी संघ को अपनी उँगलियों पर नचाने में समर्थ हो गए हैं। मोदी जी की मजबूती से लगातार कमजोर हुआ संघ अब सन्निपात में है। उसे खतरा है कि मोदी ब्रांड आने वाले दिनों में संघ को भी लील सकता है। इसीलिए तीसरी बार सत्ता में वापसी के लिए कमर कसकर काम कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अकेला छोड़कर संघ ने अपनी स्थापना का शताब्दी समारोह मनाने का इरादा ही बदल दिया। जानकार सूत्र कहते हैं कि मोदी जी पिछली आधी सदी से भी ज्यादा समय से संघ कि लिए काम कर रहे दत्तात्रय होसबाले को संघ की कमान सौंपना चाहते हैं। दत्तात्रय इस समय संघ के सरकार्यवाह हैं और उनका कार्यकाल 2027 तक है। मजे की बात ये है कि संघ के प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने अगले साल होने वाले संघ के शताब्दी समारोह को न मनाने का निर्णय अचानक लिया या ये पहले से तय था ,कोई नहीं जानता। लेकिन आशंका और अनुमान ये है कि डॉ भागवत संघ का शताब्दी समारोह मोदी जी के प्रयोजकत्व में नहीं मनाना चाहते। उन्हें भय है कि मोदी जी ने जैसे अब तक तमाम महत्वपूर्ण अवसरों पर देश की राष्ट्रपति,लोकसभा अध्यक्ष और शंकराचार्यों को पीछे धकेलकर अपनी प्रभुता स्थापित की है ,वैसा ही वे संघ के शताब्दी समारोह में भी करने से बाज नहीं आएंगे।

आपको बता दें कि डॉ मोहनलाल मधुकर राव भागवत 2009 से संघ की कमान सम्हाल रहे है। यानि वे इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी वरिष्ठ हैं। मोदी केंद्र की सत्ता में 2014 में आये। डेढ़ दशक से संघ की कमान सम्हाल रहे डॉ मोहन भागवत किसी भी सूरत में संघ को मोदीमय नहीं होने देना चाहते। मोदी जी के कार्यकाल में संघ के मुकाबले भाजपा ज्यादा मजबूत हुई है । देश के 450 जिलों में भाजपा के आधुनिक कार्यालय खोले किन्तु संघ की शाखाएं लगातार कम होती गयीं। एक जमाने में संघ की प्रातः,शाम और रात को भी लगभग 55 हजार से ज्यादा शाखाएं लागतीं थीं,किन्तु अब ये संख्या लगातार घट रही है । स्वयं सेवक संघ के बजाय भाजपा को महत्व देने लगे हैं। डॉ भागवत की नींद इसी वजह से उड़ी हुईहै। मोदी जी ने तीसरी बार सत्ता में वापस लौटने के लिए संघ परिवार की पुरानी अवधारणा पर भी धूल डालते हुए नया जुमला मोदी का परिवार देकर संघ को सन्निपात की स्थिति में ला खड़ा किया है।

घटता मतदान प्रतिशत किस खतरें का संकेत...?

-ओमप्रकाश मेहता

विश्व के सबसे बड़े और प्राचीन लोकतंत्री देश भारत की आजादी के पचहत्तर वर्ष बाद आज विश्वस्तर पर यह चिंता व्यक्त की जा रही है कि क्या भारत में लोकतंत्र के प्रति आस्था में कमी आती जा रही है? क्या देशवासी लोकतंत्र की कथित राजनीतिक तानाशाही से परेशान होकर ह्यअंग्रेज राजह्न को याद कर रहे है? क्या लोकतंत्र की रीढ़ चुनाव प्रणाली के प्रति आम रूचि कम हो रही है? ये कुछऐसे सवाल है, जो आज मानव के सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में उठाए जा रही है, इसका सबसे मुख्य उदाहरण हर चुनाव के समय मतदान प्रतिशत में स्पष्ट हो रही कमी है, इसका ताजा उदाहरण लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में हुआ मतदान है, जिसमें पूर्व चुनावों की तुलना में दस प्रतिशत से भी कम मतदान सामने आया है। इसलिए यदि लोकतंत्रीय नजरिये से देखा जाए तो यह लोकतंत्र के लिए सबसे बड़े खतरे का संकेत है। वैसे भी आज कांग्रेस सहित करीब-करीब सभी प्रतिपक्षी दल यह गंभीर आरोप लगा रहे है कि 2024 का लोकसभा चुनाव हमारे लोकतंत्री देश का आखरी चुनाव होगा, अब प्रतिपक्ष किन संकेतों के आधार पर यह आशंका व्यक्त कर रहा है? यह तो वहीं जाने, किंतु वास्तविकता यह भी है कि आम भारतीय नागरिक की प्राथमिकताओं में मतदान प्राथमिकता नहीं रहा है, खासकर देश का भविष्य युवावर्ग तो इस लोकतंत्री प्रक्रिया से दिल दिमाग और देशभक्ति के साथ जुड़ने की कौशिश ही नही कर रहा है, देश का नौकरीपेशा मतदाता वर्ग जहां मतदान दिवस का अवकाश अपने परिवार के साथ मौजमस्ती के साथ मनाने को आतुर रहता है। वहीं युवा वर्ग की भी प्राथमिकता में मतदान नही है, उसकी सोच है कि ह्यह्यअवकाश की मौजमस्ती में यदि समय मिला तो वोट डाल आएंगेह्नह्न और यदि वह इन क्षणों में मतदान केन्द्र पर जाता है और उसे वहां वोट डालने वालों की लम्बी लाईन नजर आती है तो वह बिना वोट डाले वापस अपनी मस्ती में शामिल हो जाता है, कुल मिलाकर मतलब यह कि मतदान अब युवाओं की प्राथमिकता नही रहा, और इस वर्ग के सदस्यों को परिवार के वृद्धजन कितना ही लोकतंत्री महत्व नागरिक कर्तव्य का ज्ञान दे, किंतु इस कथित अरूचिपूर्ण उपदेश को वह एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल बाहर करता है, मतदान प्रतिशत दिनों दिन कम होने का यह भी एक मुख्यकारण है। भारत की इस अहम्-समस्या के पीछे दोषी युवा वोटर नहीं बल्कि हम सब है, जिन्होंने हमारी नई पीढ़ी को राष्ट्रीयता व राष्ट्रज्भक्ति का पाठ ही नही पढ़ाया, यदि उनकी प्रारंभिक घरेलु शिक्षा में इस विषय को भी शामिल कर लिया होता तो आज हमें यह दिन देखने को मजबूर नहीं होना पड़ता। वैसे यदि अपने दिल पर हाथ रखकर यदि हम यह आत्मचिंतन करें कि हम स्वयं कितने राष्ट्रज्भक्त व नागरिक कर्तव्यों व अधिकारों के सही उपयोगकर्ता है? तो हम स्वयं अपने से ही निराश होगें, क्योंकि हम भी पारिवारिक व सामाजिक आपाधापी में देश और अपने कर्तव्यों के बारे में आत्मचिंतन-मनन करने का वक्त ही कहां मिल पाता है? ....पर अभी भी वक्त है, हमें अपनी नीजि चिंताओं के साथ राष्ट्र की चिंता के साथ भी जुड़ना पड़ेगा और आज की राजनीति देश को किस दिशा में ले जा रही है, इस पर गंभीर देशहित में आत्मचिंतन करना पड़ेगा, वर्ना फिर हमें भी वही घीसी-पीटी कहावत अब पछतावत होत का, जब चिड़िया चुग गई खेत, बार-बार दोहराना पड़ेगा, इसलिए चुनावी लोकतंत्र की इस अहम्-बेला में मेरा अनुरोध है कि पूरा देश इन संकेतों को गंभीरता से लेकर आत्मचिंतन कर देशहित में कुछ संकल्प लें।

आज का राशिफल

मेष आज के दिन आप काफी बिजी रहेंगे और पूरे दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में दिन बीतेगा।

वृषभ आर्थिक लाभ का दिन है और आपकी कार्य योजनाएं सफल होंगी। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मिथुन रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपको आज अपनों के लिए काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कर्क आज का दिन भाग्यशाली है और आज आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह आपके लिए भाग्य में वृद्धि का दिन है। कार्यस्थल में स्थान परिवर्तन के बारे में सोच सकते हैं।

कन्या आज भाग्य में वृद्धि होगी और इनका दिन सुख में बीतेगा। आपके धन में वृद्धि के योग हैं।

तुला आज का दिन सम्मान से भरा होगा और आपके पराक्रम में वृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक आज सफलता का दिन है। आज आपके पास अपने कार्य को सुधारने का वक्त है।

धनु धन में वृद्धि होगी और भाग्य साथ देगा। आपको अचानक से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी।

मकर आज आर्थिक लाभ होगा। आपके लिए आज का दिन कुछ अधिक व्यस्तता का संकेत दे रहे हैं।

कुंभ आज आपके भाग्य में वृद्धि होगी और कार्य संपन्न होंगे। धन में वृद्धि होगी।

मीन आज सफलता से भरा दिन है। आपकी कार्ययोजनाएं सफल होंगी और भाग्य में वृद्धि होगी।

विशेष

विपक्ष को खत्म करने की सुपारी गोदी मीडिया को

लोकसभा चुनाव धीरे-धीरे दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है। गोदी मीडिया के किसी भी चैनल पर चले जाएं। सभी चैनल में भाजपा का ही चुनाव प्रचार दिखता है। चुनाव प्रचार के लिए विपक्ष को खलनायक की तरह गोदी मीडिया दिखाता है। जो भाजपा नेता कहते हैं, वही छाया रहता है। हाल ही में मीडिया ने अरविंद केजरीवाल की सुपारी ली थी। गोदी मीडिया में विपक्ष को बोलने का समय नहीं दिया जाता है। भाजपा प्रवक्ता का काम अब मीडिया चैनल के एंकर करने लगे हैं। मुंबई में जिस तरह से अपराधियों के बीच गेंगवार होती थी। उसी तरीके की गैंगवार अब मीडिया के जरिए चुनाव में देखने को मिल रही है। विपक्ष को ठिकाने लगाने का काम गोदी मीडिया को दिया गया है।

जब तक 15 लाख नहीं मिलेंगे मोदी को नहीं जाने देंगे

इस लोकसभा के चुनाव में भाजपा के चुनाव प्रचार में एक बार फिर मतदाताओं को भरोसा दिलाया जा रहा है। मोदी जी आएंगे, तभी उन्हें 15 लाख रुपए खाते में आएंगे। यदि मोदी नहीं आएंगे, तो 15 लाख रुपए तुम्हारे डूब जाएंगे। गृहमंत्री साहब पहले ही इसे जुमला बता चुके हैं। इसके बाद भी भाजपा जिस तरह से चुनाव प्रचार करती है। मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए, झूठ पर झूठ पर झूठ का सहारा लेती है। उस पर मतदाताओं को भरोसा करना ही पड़ता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1532: तुर्की के सुल्तान सुलेमान प्रथम ने हंगरी पर हमला किया. 1798: फ्रांस ने आस्ट्रिया के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1842: जर्मन धातुविज्ञानी अल्फ्रेड डक्कुप का जन्म हुआ. 1860 :स्पेन और मोरक्को के बीच शांति समझौता हुआ. 1903: ट्रांसवाल हाईकोर्ट (दक्षिण अफ्रीका) में गांधीजी ने वकालात शुरू की. 1920: गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम का निधन हुआ. 1954: कोरिया और हिंद चीन के मसले पर महाशक्तियों की बैठक में पहले चुनाव कराने पर बल दिया गया. 1962: अमेरिका, ब्रिटेन के संयुक्त तत्वाधान में ब्रिटेन के पहले उपग्रह एरियल-। का प्रक्षेपण किया गया. 1964: टांगान्यिका और जंजीबार को मिलाकर तंजानिया का गठन किया गया. 1966 :वियतनाम युद्ध में अमेरिकी प्रक्षेपास्त्रों से पहला मिग-24 विमान मार गिराया गया.

दैनिक पंचांग

26 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.36 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन	08.34 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.47 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.03 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	15.15 बजे से
शुक्र	मेष में	तुला	17.26 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.41 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.57 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.02 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.48 बजे से
10.30 से 12.00 बजे तक		मीन	03.21 बजे से
		मेष	04.52 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 117 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 07.47 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 03.40 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वरीयान 04.19 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 07.47 बजे तदनन्तर वणिज 20.06 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 13° 36' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871961 **जूलियन दिन** 2460426.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** सव्वाल **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मध्य प्रदेश के दतिया में प्रतिष्ठित माँ पीतांबरा शक्तिपीठ भी ऐसा ही श्रद्धा का केंद्र है जो राजनीतिक व्यक्तित्वों की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, उच्च पद प्राप्ति एवं गुप्त तथा राजनैतिक शत्रुओं के उच्चाटन के लिए विश्व-विख्यात है। पार्षद, विधायक, सांसद, मंत्री तो क्या इस शक्तिपीठ में राजपरिवार, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री से लेकर शीर्ष स्तर के राजनेता 'राजसत्ता' की आस में माँ की आराधना के लिए आते रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 संसदीय क्षेत्र 7 प्रत्याशी 7 चुनाव तिथियां दरअसल, माँ पीतांबरा को 'राजसत्ता' की देवी माना जाता है और भक्त इसी रूप में उनकी अर्चना करते हैं।

पीतांबरा पीठः 'राजसत्ता' की वह देवी जहां लगता है नेताओं का रेला

देश में ऐसे मंदिरों की कमी नहीं है जो अपनी चमत्कारिक शक्तियों के चलते श्रद्धा का केंद्र बने हुए हैं। मध्य प्रदेश के दतिया में प्रतिष्ठित माँ पीतांबरा शक्तिपीठ भी ऐसा ही श्रद्धा का केंद्र है जो राजनीतिक व्यक्तित्वों की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, उच्च पद प्राप्ति एवं गुप्त तथा राजनैतिक शत्रुओं के उच्चाटन के लिए विश्व-विख्यात है। पार्षद, विधायक, सांसद, मंत्री तो क्या इस शक्तिपीठ में राजपरिवार, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री से लेकर शीर्ष स्तर के राजनेता 'राजसत्ता' की आस में माँ की आराधना के लिए आते रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 संसदीय क्षेत्र 7 प्रत्याशी 7 चुनाव तिथियां दरअसल, माँ पीतांबरा को 'राजसत्ता' की देवी माना जाता है और भक्त इसी रूप में उनकी अर्चना करते हैं। यहां वर्षभर गुप्त हवन, यज्ञ, अनुष्ठान चलते रहते हैं। भारत में माँ बगलामुखी के तीन प्रमुख ऐतिहासिक मंदिर और शक्तिपीठ माने गए हैं जो दतिया (मध्यप्रदेश), कांगड़ा (हिमाचल) तथा नलखेड़ा, जिला शाजापुर (मध्यप्रदेश) में हैं और तीनों शक्तिपीठों का अपना महत्व है। पीतांबरा पीठ पर 10 महाविद्याओं में से एक माँ बगलामुखी एवं द्वितीय माँ धूमावती साक्षात विराजमान हैं और पीले वस्त्र धारण करने के कारण इन्हें 'पीतांबरा माई' कहा जाता है। 1935 में एक सिद्ध संत 'स्वामीजी महाराज' ने पीतांबरा पीठ पर माँ बगलामुखी देवी की स्थापना की थी तब यह स्थल जंगल था और यहाँ आने से स्थानीय लोग भी डरते थे क्योंकि यहाँ शमशान हुआ करता था।

जनश्रुति है कि यहाँ पांडवकालीन 'वन खंडेश्वर महादेव' मंदिर भी है जिसकी पूजा करने प्रतिदिन स्वयं अश्वत्थामा आते हैं। यह भी विशिष्ट है कि मंदिर

के गर्भगृह में किसी को प्रवेश नहीं मिलता है। एक छोटी सी खिड़की से माँ के दर्शन किए जाते हैं। मान्यता है कि माँ पीतांबरा देवी दिन में तीन बार अपना रूप बदलती हैं। यहाँ एक और अनोखी बात है कि भक्तों को माँ धूमावती के दर्शन आरती के समय ही होते हैं। शेष समय मंदिर के कपाट बंद रहते हैं। माँ पीतांबरा को शत्रु नाश की अधिष्ठात्री देवी माना गया है। माँ की मूर्ति में भी माता शत्रु की जिव्हा पकड़े हैं। शास्त्रों के अनुसार भगवान परशुराम ने माँ की उपासना की थी जिसके पश्चात उन्हें शत्रुओं पर विजय प्राप्त हुई थी। 1962 में चीन युद्ध में 'शत्रुहंता' कहलाई शक्तिपीठ दतिया स्थित माँ पीतांबरा शक्तिपीठ की विश्वव्यापी ख्याति 1962 में हुई और यहां की चमत्कारिक शक्तियों को 'शत्रुहंता' एवं 'राजसत्ता' की मान्यता प्राप्त हुई। दरअसल, 1962 में चीन ने भारत पर आक्रमण कर दिया था। बिना किसी सामरिक तैयारी के सेना के जवानों के समक्ष चीन की चुनौती से पार पाना कठिन होता जा रहा था। विश्व के शक्तिशाली राष्ट्रों ने भी भारत-चीन युद्ध में हस्तक्षेप न करने की नीति बना ली थी। प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू इस स्थिति के चलते बड़े दुःखी थे।

तभी उनके किसी विश्वासपात्र ने उन्हें सलाह दी कि वे इस शक्तिपीठ में हवन-अनुष्ठान इत्यादि करवाएं। धर्म-निरपेक्षता को मानने वाले नेहरू ने हताशा में ही सही, किंतु स्वामीजी से अनुष्ठान का अनुरोध किया और स्वामीजी ने देश की रक्षा के लिए 51 कुंडीय महायज्ञ का आयोजन किया। चमत्कार भी देखिए कि यज्ञ के 11वें दिन जब यज्ञकुंड में पूर्णाहूति डाली जा रही थी, चीन भारतीय सीमा से अपनी सेनाओं को वापस बुला रहा था। उस कालखंड की यज्ञशाला आज भी मंदिर प्रांगण में है और उस पर लिखे शिलालेख में इस घटना का वर्णन भी है। इस घटना ने माँ पीतांबरा शक्तिपीठ को शत्रु-संकट के समय गोपनीय अनुष्ठानों का गढ़ बना दिया। 1965 और 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भी यहां विशेष अनुष्ठान किए गए थे। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने भी करगिल युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री रहते हुए यहां यज्ञ-अनुष्ठान कराए थे। मंदिर समिति की मानें तो यहां भी यज्ञ की अंतिम आहुति के दिन पाकिस्तान पीछे हटने पर मजबूर हो गया था। 'राजसत्ता' की देवी माना जाता है माँ पीतांबरा को राजनीतिक हस्तियों का माँ पीतांबरा शक्तिपीठ में आकर राजनीति में शीर्ष पर जाने की कामना करना और उसे प्राप्त भी करना कोई नई बात नहीं है। पहले गांधी परिवार और उसके बाद सिंधिया राजपरिवार ने यहां आकर राजनीति में शीर्ष पद प्राप्त किया, जिसके बाद राजनीति में सफल होने की कामना रखने वाले राजनेताओं के लिए यह शक्तिपीठ 'राजसत्ता' के केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित हो गया।

इंदिरा गांधी ने आपातकाल हटने के बाद 1979 में, 1980 में आम चुनाव के पहले तथा चुनाव जीतने और प्रधानमंत्री बनने के पश्चात माँ पीतांबरा के दर्शन किए थे। इससे पूर्व 1964 में स्व. जवाहरलाल नेहरू का स्वास्थ्य बिगड़ने के पश्चात वरिष्ठ कांग्रेसी नेता स्व. कमलापति त्रिपाठी ने उनके निमित्त विशेष अनुष्ठान करवाया था। 1985 में स्व. राजीव गांधी ने भी प्रधानमंत्री बनने के पश्चात इस शक्तिपीठ के दर्शन किए थे। 2018 में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पूर्व राहुल गांधी भी यहां दर्शन कर चुके हैं। सिंधिया राजपरिवार से राजमाता स्व. विजया राजे सिंधिया का जुड़ाव इस शक्तिपीठ से अनोखा था। सिंधिया राजपरिवार से जुड़े लोग बताते हैं कि विजया राजे सिंधिया नवरात्रि के 9 दिनों में यहां साधना करती थीं। सिंधिया राजपरिवार के लिए मंदिर परिसर में ही आवास केंद्र भी बना है। वर्तमान में सिंधिया परिवार मंदिर का ट्रस्टी भी है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी नवरात्रि में नियमित तौर पर इसी शक्तिपीठ में आकर रहती हैं और आराधना करती हैं।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को सकुशल संपन्न हो गया। वेस्ट यूपी की आठ लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ है। वेस्ट यूपी में ठाकुरों की नाराजगी का असर दिखाई दिया। वोटिंग प्रतिशत कम रहा। दूसरे चरण में 26 अप्रैल को 13 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 89 संसदीय सीट पर मतदान होगा। उत्तर प्रदेश की गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर 24 अप्रैल को चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा और 26 अप्रैल को मतदान होगा। पूरे देश की नजर उत्तर प्रदेश पर है। 543 लोकसभा सीटों में से सबसे ज?यादा 80 संसदीय सीटें यूपी में ही हैं। ऐसा कहा जाता है कि दिल?ली का रास?ता उत?तर प्रदेश से होकर गुजरता है। सबसे ज?यादा लोकसभा सीटों पर जिस पार्टी का कब?जा होता है, उसके लिए देश की सत?ता हासिल करना आसान हो जाता है। वहीं, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ऐन चुनाव के समय राजपूत समाज की नाराजगी भाजपा के लिए खतरे की घंटी बजा सकता है। फिर भी किसी नुकसान से बचने के लिए भाजपा नेतृत्व सक्रिय हो गया है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो स्वयं ठाकुर बिरादरी से आते हैं, उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने गुरुवार को गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और हापुड़ में फैले साठा चौरासी के ठाकुरों को साधने के लिए पिलखुवा में जनसभा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भाषण में बहुत सी बातें कहीं। राज्य में कानून व्यवस्था से लेकर एक वर्ग विशेष के अपराधियों को समाप्त करने तक की बातें कहीं।

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर साढ़े चार लाख वोटर होंगे निर्णायक

भाजपा प्रत्याशी महेश शर्मा से ठाकुर बिरादरी नाराज है

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हो गया है। 26 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान होना है। वेस्ट यूपी में ठाकुर समाज की नाराजगी भाजपा की टेंशन बढ़ा रही है। गौतमबुद्ध नगर सीट पर साढ़े चार लाख मतदाता हैं। ये मतदाता जिधर जाएंगे, उधर जीत होनी निश्चित मानी जा रही है।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को सकुशल संपन्न हो गया। वेस्ट यूपी की आठ लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ है। वेस्ट यूपी में ठाकुरों की नाराजगी का असर दिखाई दिया। वोटिंग प्रतिशत कम रहा। दूसरे चरण में 26 अप्रैल को 13 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 89 संसदीय सीट पर मतदान होगा। उत्तर प्रदेश की गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर 24 अप्रैल को चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा और 26 अप्रैल को मतदान होगा। पूरे देश की नजर उत्तर प्रदेश पर है। 543 लोकसभा सीटों में से सबसे ज?यादा 80 संसदीय सीटें यूपी में ही हैं। ऐसा कहा जाता है कि दिल?ली का रास?ता उत?तर प्रदेश से होकर गुजरता है। सबसे ज?यादा लोकसभा सीटों पर जिस पार्टी का कब?जा होता है, उसके लिए देश की सत?ता हासिल करना आसान हो जाता है। वहीं, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ऐन चुनाव के समय राजपूत समाज की नाराजगी भाजपा के लिए खतरे की घंटी बजा सकता है। फिर भी किसी नुकसान से बचने के लिए भाजपा नेतृत्व सक्रिय हो गया है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो स्वयं ठाकुर बिरादरी से आते हैं, उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने गुरुवार को गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और हापुड़ में फैले साठा चौरासी के ठाकुरों को साधने के लिए पिलखुवा में जनसभा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भाषण में बहुत सी बातें कहीं। राज्य में कानून व्यवस्था से लेकर एक वर्ग विशेष के अपराधियों को समाप्त करने तक की बातें कहीं। उन्होंने राजपूत बिरादरी के कथित ठेकेदारों पर व्यंग्य किया। कहा कि चुनाव के समय बहुत से लोग आते हैं। क्षेत्र की, समाज की बात करते हैं। ऐसे लोगों को कह देना कि जाओ भाई चुनाव के बाद आना। ऐसे में अब सवाल यह उठता है कि अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली और यूपी की 80 सीटों पर जीत का दावा करने वाली भाजपा से गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर ठाकुर समाज के लोग भाजपा से नाराज है। इस पर राजनीतिक विश्लेषक और ठाकुर बिरादरी के अध्यक्ष का क्या कहना है?

गौतमबुद्ध नगर सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला हो चला– राजनीतिक विश्लेषक नवीन दुबे का कहना है कि गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर इस बार मुकाबला त्रिकोणीय है। भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा का विरोध व्यापक रूप से जहां फ्लैट ऑनर्स में देखने को मिल रहा है तो वहीं पांचों विधानसभाओं में भी क्षत्रिय समाज की नाराजगी एक बड़ा विषय है। यहां लगभग साढ़े चार लाख के आसपास क्षत्रिय मतदाता हैं और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में क्षत्रिय समाज का प्रत्याशी न दिए जाने के कारण भाजपा को भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। साठा मतलब 60 गांवों की सभा और चौबीसी यानी 24 गांवों की सभा, के गांवों में भी इसका व्यापक असर देखने को मिल रहा है।

बसपा ने ठाकुर प्रत्याशी उतारकर बदला समीकरण– उधर, बसपा ने गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में क्षत्रिय प्रत्याशी उतारकर चुनाव को रोचक बना दिया है। गौतमबुद्ध नगर में सपा और बसपा प्रत्याशी ने खुलकर फ्लैट ऑनर्स के मुद्दों पर बोलना शुरू कर दिया है, जबकि भाजपा प्रत्याशी के पास कहने को कुछ नहीं है। ऐसे में जैसे-जैसे 26 अप्रैल की तारीख नजदीक आ रही है। सियासी पारा चढ़ रहा है। सपा ने गुर्जर प्रत्याशी देकर अपना पीडीए कार्ड खेला है। साथ ही मुस्लिम वोट जो लगभग साढ़े तीन लाख के आसपास है, सपा का प्रमुख वोटर है। तीन लाख के आसपास गुर्जर और एक लाख के आसपास यादव वोटर के साथ अन्य पिछड़ा वोटर यदि सपा के साथ जाता है तो यहां सपा जीतने के चांस ज्यादा हो सकते हैं, क्योंकि बसपा प्रत्याशी से भाजपा को बड़ा नुकसान होता दिख रहा है।

भाजपा को हो सकता नुकसान

भाजपा का क्षत्रिय वोटर यदि बसपा के साथ जाता है तो भाजपा के यहां महज 5 लाख वोटों तक सिमटने के आसार दिख रहे हैं, क्योंकि शहरी वोट खासकर फ्लैट ऑनर्स रजिस्ट्री के मुद्दे पर मुखर हैं। ऐसे में भाजपा का नुकसान साफ-साफ होता दिखाई दे रहा है।

आरएसएस की दूरी

अगर बात करें आरएसएस की तो आरएसएस की वह सक्रियता इस चुनाव में नहीं दिख रही है, जैसी अमूमन दिखाई देती है। इसका एक बड़ा कारण जौनपुर से भाजपा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह का होना है। ये वही कृपा शंकर सिंह हैं, जिन्होंने आरएसएस को 26/11 आतंकी हमले का साजिशकर्ता बताया था। ऐसे में संघ ने अंदरखाने कृपा शंकर सिंह को लेने का व्यापक विरोध भी दर्ज कराया था, लेकिन मोदी के सामने संघ बौना साबित होता दिखाई दिया। जिसके कारण संघ में भारी नाराजगी के चलते स्वयंसेवक चुनाव में नहीं लगे हैं। यहां बसपा दलित, क्षत्रिय वोटों के साथ प्रतिस्पर्धा में तो हैं, लेकिन वह अपनी जीत से ज्यादा भाजपा को बड़ा नुकसान देती दिखाई दे रही है।

वेस्ट यूपी में क्षत्रिय समाज लगातार कर रहा सभा– श्री राजपूत करणी के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर धीरज सिंह का मानना है कि क्षत्रिय समाज न केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बल्कि भाजपा के खिलाफ देश के कई राज्यों में लामबंद है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लगातार क्षत्रिय महासभाओं का दौर जारी है, जिनमें क्षत्रिय समाज भाजपा के बहिष्कार की कसमें खा रहा है, जिसमें अन्य समाजों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि क्षत्रिय समाज भाजपा का कोर वोटर

रहा है। इसके बावजूद भाजपा ने राजपूत समाज के लोकसभा चुनाव में टिकट काटकर राजपूत समाज की उपेक्षा की है। वहीं, दूसरी जगह राजकोट गुजरात में केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला की तरफ से हिंदुओं की बहन बेटियों पर अभद्र टिप्पणी करना भी एक मुख्य कारण है।

क्षेत्र में भारी विरोध के बाद भी भाजपा ने दिया टिकट

उधर, भाजपा की ओर से ऐसे लोगों को टिकट वितरण किए गए, जिनका क्षेत्र में विरोध है। यदि बात की जाए गौतमबुद्ध नगर लोकसभा प्रत्याशी कि तो यहां के सांसद डॉ. महेश शर्मा का क्षेत्र में प्रत्येक समाज और जाति-धर्म में पूरा विरोध है। उनके ऊपर जातिवाद, अहंकार, तानाशाही क्षेत्र से नदारद रहने का ठप्पा लगा हुआ है। उनके ऊपर अपने ही दल के नेताओं, विधायकों यहां तक कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विरोध करने का आरोप है। ठाकुर समाज के बसपा के प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी उन पर भारी पड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अजवाइन है सबसे सस्ता फैट बर्नर

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं या कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो आपके लिए अजवाइन का सेवन फायदेमंद है। इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो आपकी कई शारीरिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। क्या आप काफी समय से वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं और नहीं कर पा रहे हैं या पेट की समस्या से परेशान है, तो ऐसी कई समस्याओं का उपाय, आपके किचन में रखा यह एक मसाला कर सकता है। हम बात कर हैं अजवाइन की, यह एक सबसे सस्ता और फायदेमंद मसाला होने के साथ एक अच्छा फैट बर्नर भी है।

अजवाइन का इस्तेमाल भारतीय रसोई में काफी सालों से किया जा रहा है। इसके सेवन से आप आसानी से वजन कर सकते हैं । यह कई स्वास्थ्य संबंधित फायदे भी देती है, जैसे कि पेट दर्द, गैस और पेट के कई रोगों को भी यह दूर करने में मदद करती है। जिन लोगों को गठिया है, उसके उपचार में भी यह काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इसका उपयोग हर्बल औषधि में किया जाता है।

वेट लॉस में मदद करता है

अजवाइन में थाइमोल नामक एक तत्व होता है, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। जब आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, तो नया फैट बन नहीं पता है और पुराना फैट आसानी से बर्न होता है, तो अजवाइन का सेवन इस तरह से वजन कम करने में मदद कर सकता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

अजवाइन में फाइबर, विटामिन ए और अन्य तरह के पोषण पाए जाते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधार सकती हैं। इस पर हुए शोध में पता चला है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल से लड़ने में काफी सहायक होती है।

दर्द निवारक है

पेट के दर्द में अजवाइन काफी काम आती है, क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं।दर्द के अलावा यह सूजन को भी कर सकती है। अजवाइन में थाइमोल नामक तत्व होता है, जो एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

इसमें मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में मदद कर सकता है। हाई पोटैशियम डाइट से उच्च ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए

अजवाइन पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है। अगर आपको गैस, एसिडिटी, और कब्ज की समस्या बनी रहती है, तो आपको इसका रोजाना सेवन जरूरी करना चाहिए।

शरीर के लिए ब्रेकफास्ट करना बेहद जरूरी होता है लेकिन ब्रेकफास्ट हेल्दी ना हो और उसे सही तरीके से नहीं लिया जाए, तो पूरा दिन आप सुस्त सा महसूस कर सकते हैं। आइए इस बारे में जानते हैं।

ब्रेकफास्ट में ना करें ये गलती, पूरे दिन शरीर को नहीं मिलेगी ताकत

सेहतमंद रहने के लिए खासकर सुबह के पहले भोजन यानी ब्रेकफास्ट लेने पर ज्यादा जोर देते हैं। लेकिन अगर आपको नाश्ता करने के कुछ घंटों के भीतर भूख लग रही है या आप थकान महसूस कर रहे हैं और मोटापे के शिकार हो रहे हैं तो मुमकिन है आप ब्रेकफास्ट लेते समय कोई गलती कर रहे हों। यहां हम आपको ऐसी ही 6 गलतियों के बारे में बता रहे हैं।

बहुत अधिक चीनी खाना

अगर नाश्ता खाने के बाद भी आपकी भूख नहीं मिट रही है, तो सबसे पहले देखें कि कहीं आप समय बचाने के लिए शॉर्टकट यानी पैक्ड और बैक्ड फूड्स तो नहीं खा रहे। या फिर हो सकता है कि आप पैक्ड ऑरेंज जूस पी रहे हों। बता दें कि किसी भी ब्रांड के पैक्ड जूस में चीनी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, ऐसे में अधिक कैलोरी के सेवन से बचने के लिए ऐसा जूस खरीदें, जिसके लेबल पर 100 प्रतिशत जूस लिखा हो। देखा जाए, तो सबसे अच्छा विकल्प है जूस के बजाय फल का सेवन करना। इसमें फाइबर के साथ चीनी और कैलोरी भी बहुत कम होती है।

खाली कैलोरी खाना

सबसे पहले समझना चाहिए कि एंप्टी कैलोरी क्या है। सभी खाद्य पदार्थों में कैलोरी होती है। सभी कैलोरी या तो शरीर द्वारा ऊर्जा के रूप में उपयोग हो जाती है या फिर फैट में बदल जाती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप एक समय में कितनी कैलोरी खा रहे हैं। डाइट एक्सपर्ट बताते हैं कि यदि किसी भोजन में पोषक तत्व नहीं होते या चीनी और कैलोरी की मात्रा भोजन में पाए जाने वाले पोषक तत्वों से ज्यादा होती है, तो इसे एंप्टी कैलोरी कहा जाता है। नींबू पानी, एनर्जी ड्रिंक, शराब जंक फूड, फास्ट फूड, कैंडी, केक, डोनट्स एंप्टी कैलोरी के उदाहरण हैं।

चलते-फिरते भोजन करना

कई बार सुबह के समय जल्दबाजी में नाश्ता कम और जल्दी-जल्दी खाते हैं। यह एक ऐसी गलती है, जो तेजी से आपका मोटापा बढ़ाती है। इसके बजाय अगर नाश्ता धीरे-धीरे और चबाकर करेंगे, तो भूख कम लगेगी और आप अधिक खाने से बच जाएंगे। डेस्क पर बैठकर नाश्ता करने जैसी तरकीबों से बचें। केवल दस मिनट शांति और मन से खाने के लिए निकालें।

चिकने फूड्स का सेवन

क्या आप भी ब्रेकफास्ट में कैलोरी से भरपूर खाद्य पदार्थ खा रहे हैं। अगर ऐसा है, तो सावधान हो जाएं। एक रिपोर्ट के अनुसार, थोड़ी मात्रा में फैट ठीक है, लेकिन चिकना तला हुआ भोजन सैचुरेटेड फैट और कैलोरी से भरपूर होता है जो आपको सुस्त महसूस कराता है।

जब तक तेज भूख न लगे तब तक ना खाना

कई लोग जब तक बहुत तेजी से भूख न लगे, तब तक नहीं खाते। लेकिन यह गलती आपके वेट लॉस में रुकावट पैदा कर रही है। बेहतर है कि आप ब्रेकफास्ट करने का टाइम सेट करें। बेहतर है इंटरमिटेंट फास्टिंग अपनाएं। इससे आपको इंसुलिन और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञ के अनुसार, नाश्ते में प्रोटीन, फाइबर और कार्ब से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। दही, गहरे हरे रंग की सब्जियां, जई, ऑमलेट नाश्ते का बेहतरीन विकल्प हैं। खुद को फिट रखने की सभी कोशिशें जब फेल हो जाती हैं, तो हम जल्दी निराश हो जाते हैं। ऐसे में ये जानकारी आपकी मदद कर सकती है।

पर्याप्त प्रोटीन ना लेना

जिन लोगों के नाश्ते में प्रोटीन की मात्रा बहुत कम होती है, उनका वजन बढ़ जाता है। प्रोटीन न केवल आपकी मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है बल्कि भूख को भी नियंत्रित करने के लिए अच्छा है। प्रोटीन के लिए अंडा, सोयाबीन, दही, छोले, पनीर, बीन्स और लो फैट मिल्क जैसे विकल्प चुन सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, एक हेल्दी ब्रेकफास्ट में प्रोटीन, फैट और कार्बोहाइड्रेट सबकुछ शामिल होना चाहिए।

गर्मी में सूरज नहीं ये 5 चीजें आपको देंगी प्योर विटामिन डी

विटामिन डी शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण विटामिन है, इसकी कमी से हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और बोन डेंसिटी घटने लगती है। विटामिन डी हड्डियों के साथ दांतों के स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। यह विटामिन कैल्शियम और फॉस्फेट के सही अवशोषण और संरक्षण में मदद करता है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य और मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है। विटामिन डी की कमी के कारण हड्डियां कमजोर तो होती हैं, साथ में ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ जाता है। विटामिन डी का प्राकृतिक स्रोत सूर्य की किरणें हैं, लेकिन इस गर्म मौसम में धूम में बैठना संभव नहीं है। तो ऐसे में विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए खाने में कुछ चीजें शामिल करना भी अच्छा विकल्प हो सकता है।

दही - गाय के दूध से बनी दही का सेवन करने से आपको विटामिन डी प्राप्त हो सकता है। शरीर में विटामिन डी की कमी न हो इसलिए ताजे दही का सेवन रोज करें। यह आपके पेट के लिए भी फायदेमंद है। दही के अलावा दूध, पनीर और योगर्ट विटामिन डी के अच्छे स्रोत हैं।

अंडे - विटामिन डी के लिए अंडे का सेवन एक अच्छे स्रोत हैं, खासकर अंडे की पीली भाग। अंडे में विटामिन डी, प्रोटीन, विटामिन बी12 जैसे अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं।

पालक - पालक के कई तरह के विटामिन पाए जाते हैं, उनमें से एक विटामिन डी भी है। पालक में प्रोटीन, आयरन, विटामिन और मिनरल्स की भी मात्रा पाई जाती है। पालक में अल्फा लिपोइक एसिड मौजूद होता है, जो एक तरह का एंटीऑक्सीडेंट है, जो कई बीमारियों के खतरे को भी कम करता है।

गाजर - विटामिन डी के लिए आप गाजर को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसमें विटामिन सी और अन्य कई पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। गाजर में फैट की मात्रा न के बराबर होती है, इसलिए यह वेट लॉस में भी हेल्प करता है।

मछली - विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए मछली भी एक अच्छा सोर्स है। सैल्मन, मांगरोल, टूना, मैकेरल, और हेरिंग जैसी मछलियों में विटामिन डी सबसे ज्यादा पाया जाता है।

दवा की जगह इन बदलावों पर करें फोकस, कभी नहीं बढ़ेगा बीपी

हाइपरटेंशन को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। हाइपरटेंशन एक ऐसी मेडिकल कंडीशन है, जिसमें ब्लड प्रेशर का लेवल अत्यधिक बढ़ जाता है। जिसके कारण व्यक्ति में किडनी डैमेज, स्ट्रोक और हार्ट अटैक का रिस्क भी बढ़ जाता है। अगर इसे समय रहते कंट्रोल न किया जाए तो यह जान का खतरा भी बन सकता है।

हाइपरटेंशन के लक्षण

हाइपरटेंशन के शिकार व्यक्ति में तेज सिर दर्द, चक्कर आना, तेज दिल की धड़कन और अत्यधिक थकान जैसे कई लक्षण नजर आते हैं। लेकिन अक्सर लोग इसे सामान्य समझकर अनदेखा कर देते हैं। हाइपरटेंशन की समस्या को एक अच्छी लाइफस्टाइल से कंट्रोल किया जा सकता है। बस आप छोटे-छोटे बदलावों से ही खुद को स्वस्थ रख सकते हैं।

नमक से दूरी बनाए रखें

तेज नमक खाना आप में हाइपरटेंशन के खतरे को और भी बढ़ा देता है, तो आप अपने खाने में नमक की मात्रा को कंट्रोल कर के इस रिस्क से बच सकते है। जितना आप कम सोडियम का सेवन करेंगे, आपके शरीर के लिए उतना ही अच्छा है।

वेट मैनेजमेंट पर ध्यान दें

मोटापा भी हाइपरटेंशन के सबसे मुख्य कारणों में से एक है। आप हाइपरटेंशन से बचना चाहते हैं तो अपने वजन को बढ़ने न दें। यदि आप मोटापे के शिकार हैं, तो सबसे पहले वेट लॉस पर फोक्स करें। इससे आप कई और भी बीमारियों के खतरे को कम कर पाएंगे।

तनाव से दूर रहने की कोशिश करें

तनाव भी आप में हाइपरटेंशन के खतरे को बढ़ा देता है। यह आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है और इसका एक सीधा परिणाम हाइपरटेंशन हो सकता है। स्ट्रेस हमारे शरीर में एड्रेनालिन और कोर्टिसोल जैसे हार्मोनों के स्तर को बढ़ाता है, जो हाई ब्लड प्रेशर का कारक है। इसलिए तनाव से दूर रहने की कोशिश करें।

एक्सरसाइज करें

जो लोग वर्कआउट नहीं करते हैं, उनमें भी हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसे लाइफस्टाइल डिजीज अधिक देखे जाते हैं। हाइपरटेंशन से बचाव के लिए दूसरी बड़ी चीज है नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। इससे कई और भी बीमारियों का खतरा कम होगा।

एल्कोहॉल से भी दूरी बनाए रखें

एल्कोहॉल के सेवन करने वालों में भी हाई ब्लड प्रेशर का खतरा अधिक होता है। इसके सेवन से वजन भी बढ़ सकता है और यह भी हाई ब्लड प्रेशर के कारणों में से एक है। इसलिए इससे दूर बनाए रखें।

फेफड़ों की बीमारी के लिए चुकंदर का रस फायदेमंद!

एक शोध से यह बात सामने आई है कि 12 सप्ताह तक चुकंदर का रस लेने से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित लोगों में सुधार हुआ है। सीओपीडी एक गंभीर फेफड़ों की स्थिति है जो दुनिया भर में लगभग 400 मिलियन लोगों को प्रभावित करती है, जिसमें क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और वातस्फीति (एम्फाइजिमा) शामिल है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है और लोगों की शारीरिक गतिविधि की क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो जाती है। इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है।ूरोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल में प्रकाशित नए शोध में एक केंद्रित चुकंदर के रस के पूरक का परीक्षण किया गया, जिसमें चुकंदर के रस के मुकाबले नाइट्रेट की मात्रा अधिक होती है, जो दिखने और स्वाद में समान था। लेकिन, नाइट्रेट हटा दिया गया था।

इंपीरियल कॉलेज लंदन यूके के प्रोफेसर निकोलस हॉपकिंसन ने कहा, कुछ सबूत हैं कि नाइट्रेट के स्रोत के रूप में चुकंदर के रस का उपयोग एथलीटों द्वारा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है और साथ ही रक्तचाप को देखते हुए कुछ अल्पकालिक अध्ययन भी किए गए हैं।

हॉपकिंसन ने कहा, रक्त में नाइट्रेट का उच्च स्तर नाइट्रिक ऑक्साइड की उपलब्धता को बढ़ा सकता है, एक रसायन जो रक्त वाहिकाओं को आराम देने में मदद करता है। यह मांसपेशियों की कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है यानी समान कार्य करने के लिए उन्हें कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है।

अध्ययन में सीओपीडी वाले 81 लोगों को शामिल किया गया और जिनका सिस्टोलिक रक्तचाप 130 मिलीमीटर पारा (एमएमएचजी) से अधिक था। मरीजों के रक्तचाप की निगरानी करने के साथ-साथ, शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि अध्ययन की शुरुआत और अंत में मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। प्रतिभागियों को 12 महीने के कोर्स में नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का रस दिया गया और कई रोगियों को बिना नाइट्रेट वाला चुकंदर का रस दिया गया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि नाइट्रेट युक्त पूरक लेने वालों ने नाइट्रेट लेने वालों की तुलना में सिस्टोलिक रक्तचाप में 4.5 मिमी/एचजी की औसत कमी का अनुभव किया। नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का जूस पीने वाले मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं, इसमें भी औसतन लगभग 30 मीटर की वृद्धि हुई। प्रोफेसर हॉपकिंसन ने कहा, अध्ययन के अंत में हमने पाया कि नाइट्रेट युक्त चुकंदर का जूस पीने वाले लोगों का रक्तचाप कम था और उनकी रक्त वाहिकाएं कम कठोर हो गईं। जूस से यह बात भी सामने आई कि सीओपीडी वाले लोग छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। यह इस क्षेत्र में अब तक के सबसे लंबी अवधि के अध्ययनों में से एक है। परिणाम बहुत आशाजनक हैं, लेकिन इसके लिए दीर्घकालिक अध्ययनों की आवश्यकता होगी।

स्वीडन में कारोलिंस्का इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर अपोस्टोलोस बोसियोस ने कहा, सीओपीडी को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसलिए मरीजों को इस स्थिति के साथ बेहतर जीवन जीने और उनके हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद करने की सख्त जरूरत है। हालांकि, बोसियोस ने निष्कर्षों की पुष्टि के लिए लंबी अवधि तक रोगियों का अध्ययन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

एक्सिस बैंक के एमडी अमिताभ चौधरी की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्सिस बैंक के निदेशक मंडल ने प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी के तौर पर अमिताभ चौधरी की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। बैंक ने गुरुवार को बताया यह उनका तीन साल का दूसरा विस्तार होगा। चौधरी 2019 में एमडी एवं सीईओ के रूप में बैंक में शामिल हुए थे। एक्सिस बैंक के निदेशक मंडल ने एक जनवरी 2025 से तीन साल के लिए प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी के तौर पर अमिताभ चौधरी की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। बैंक ने गुरुवार को बताया यह उनका तीन साल का दूसरा विस्तार होगा। चौधरी 2019 में एमडी एवं सीईओ के रूप में बैंक में शामिल हुए थे। उनकी सेवाओं को विस्तार दिया गया जो एक जनवरी 2022 से लागू हुआ था। चौधरी इससे पहले एचडीएफसी लाइफ के एमडी व सीईओ थे। एक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पुनर्नियुक्ति के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक और शेयरधारकों की मंजूरी अभी आवश्यक है।

गो डैडी ने केवल 1 रुपये में .कॉम डोमेन रजिस्ट्रेशन का स्पेशल ऑफर किया लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत, 24 अप्रैल, 2024- गोडैडी ने डॉट.कॉम रजिस्ट्रेशन के लिए एक धमाकेदार ऑफर की घोषणा की है। इसमें छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को एक साल के लिए केवल 1 रुपये में डॉट कॉम डोमेन रजिस्ट्रेशन पाने का मौका मिल रहा है और यह ऑफर बाजार में लाइव है और यह 3 साल की खरीद पर ही लागू होगा। दरअसल, गोडैडी कंपनी सालों से उद्यमियों को नवाचारी डिजिटल समाधान देकर सशक्त करके और उन्हें आगे बढ़ने में मदद कर रही है। गोडैडी के 2024 के ऑब्जर्वेटरी डेटा के अनुसार, सर्वे में छोटे व्यवसायों में से 97 प्रतिशत यह मानते हैं कि डिजिटलीकरण ने उनकी कार्य प्रक्रिया को काफी सुधारा है, जबकि 90 प्रतिशत का मानना है कि डिजिटलीकरण व्यवसाय के संचालन को सुचारू करने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है। इस बीच, डोमेन डिजिटलीकरण क्षेत्र में, अपरिहार्य संपत्ति के रूप में भी उभरे हैं, जिससे व्यावसायिक विश्वसनीयता बढ़ रही है। गोडैडी का ये स्पेशल ऑफर रणनीतिक रूप से ग्राहकों को लंबी अवधि की डोमेन खरीदारी के लिए प्रोत्साहित करने, अद्वितीय मूल्य और मन की शांति प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। तीन वर्षीय .कॉम ऑफर न केवल डोमेन स्वामित्व को अधिक सुलभ बनाता है बल्कि वार्षिक नवीनीकरण के बाद अल्पकालिक खरीदारी की तुलना में पर्याप्त बचत भी प्रदान करता है। आमतौर पर, महत्वपूर्ण छूट के लाभ के बिना नवीनीकरण की कीमत अधिक होती हैं, जिससे तीन वर्षीय ऑफर, सस्टेनेबल, दीर्घकालिक डोमेन समाधान चाहने वाले ग्राहकों के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव है। अपूर्वा पलनीटकर, सीनियर डायरेक्टर मार्केटिंग, गोडैडी इंडिया ने कहा, हम गोडैडी में व्यक्तियों और व्यवसायों को मजबूत ऑनलाइन मौजूदगी स्थापित करने के लिए नवाचारी समाधान प्रदान करने के प्रति समर्पित हैं। पहले साल की कीमत पर असाधारण छूट की पेशकश करके, गोडैडी का लक्ष्य डोमेन स्वामित्व की प्रक्रिया को सरल बनाना, वार्षिक पुनर्नवीनीकरण की परेशानी को खत्म करना और डोमेन्स पर नियंत्रण सुनिश्चित करना है, जिससे समाप्ति या हानि के संबंध में

बाजार में चार दिनों से जारी हरियाली गायब

सेंसेक्स 172 अंक टूटा, निफ्टी 22350 से फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांक लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 296.79 अंक गिरकर 73,556.15 अंक पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 97.15 अंक टूटकर 22,305.25 अंक पर आ गया।

कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली और विदेशी कोषों की निकासी के बीच शेयर बाजार ने पिछले चार दिनों की तेजी गंवा दी। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांक लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 296.79 अंक गिरकर 73,556.15 अंक पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 97.15 अंक टूटकर 22,305.25 अंक पर आ गया।

रिजर्व बैंक द्वारा ग्राहकों को ऑनलाइन जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने की रोक से कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 12 प्रतिशत टूट गया। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों का बार-बार अनुपालन नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई करते हुए रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक के ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के जरिये नये ग्राहक जोड़ने तथा तत्काल प्रभाव से नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी।

हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टाइटन, मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा कमजोरी के साथ कारोबार करते दिखे वहीं, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, नेस्ले और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। पिछले चार दिनों में सेंसेक्स 1,363.95 अंक या1.88 प्रतिशत चढ़ा है। एशियाई बाजारों में सोल और तोक्यो में गिरावट रही जबकि शंघाई और हांगकांग में तेजी रही। वॉल स्ट्रीट बुधवार को मिश्रित नोट पर समाप्त हुआ। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.02 प्रतिशत बढ़कर 88.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के अस्थायी आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को सकल घरेलू शेयर बाजार से 2,511.74 करोड़ रुपये निकाले।

बुधवार को सेंसेक्स 114.49 अंक या 0.16 प्रतिशत चढ़कर 73,852.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी शुरुआती दौर में 34.40 अंक यानी 0.15 प्रतिशत बढ़कर 22,402.40 अंक पर पहुंच गया।

भारत से दवा निर्यात 10त्न बढ़कर 27.9 अरब डॉलर, यूएस-यूके सहित अन्य देशों में मांग बढ़ने से मिली मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू दवा उद्योग का कारोबार 2030 तक बढ़कर 130 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। बाजार अवसरों के विस्तार और विदेश में बढ़ती मांग के दम पर यह लक्ष्य हासिल हो पाएगा। देश से दवाओं का निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 9.67 फीसदी बढ़कर 27.9 अरब डॉलर पहुंच गया। 2022-23 के दौरान यह आंकड़ा 25.4 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में भारत से 2.8 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया गया। यह मार्च, 2023 की तुलना में 12.73 फीसदी अधिक है। भारत औसतन हर महीने दो से तीन अरब डॉलर के औषधि उत्पादों का निर्यात करता है। एक उद्योग विशेषज्ञ ने कहा, अमेरिका जैसे देशों में बढ़ते अवसरों और मांग से निर्यात को मासिक आधार पर वृद्धि दर्ज करने में मदद मिल रही है। सरकार ने प्रमुख दवा सामग्री और जेनेरिक दवाओं के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए दो उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू की हैं। घरेलू दवा उद्योग का कारोबार 2030 तक बढ़कर 130 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। बाजार अवसरों के विस्तार और विदेश में बढ़ती मांग के दम पर यह लक्ष्य हासिल हो पाएगा। भारत ने 2023-24 के दौरान पांच देशों अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में सबसे ज्यादा दवाओं का निर्यात किया। इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 31 फीसदी से अधिक रही। कुल दवा निर्यात में ब्रिटेन और नीदरलैंड का करीब तीन फीसदी योगदान रहा। भारत को पिछले वित्त वर्ष के दौरान कई नए बाजारों में कदम रखने का अवसर मिला। इन बाजारों में मोंटेनेग्रो, दक्षिण सूडान, चाड, कोमोरोस, ब्रुनेई, लात्विया, आयरलैंड, स्वीडन, हैती और इथियोपिया शामिल हैं। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के मई, 2022 में लागू होने के बाद से भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच द्विपक्षीय कारोबार में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) परिषद के निदेशक अहमद अलजनेबी ने बुधवार को कहा, दोनों देशों के बीच 2030 तक गैर-तेल कारोबार 100 अरब डॉलर के लक्ष्य के पार पहुंचने की उम्मीद है। यूएई, भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य, तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और चौथा सबसे बड़ा निवेशक है।

भारत जैसे-जैसे विकसित होगा खाने-पीने से जुड़ी चीजों की महंगाई कम होती जाएगी : एमपीसी सदस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में घरेलू बजट में भोजन की हिस्सेदारी अधिक होने की बात पर जोर देते हुए गोयल ने कहा कि नीतियों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित होने की जरूरत है, क्योंकि स्थिर कृषि कीमतें मुद्रास्फीति से परे वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

भारत में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति की समस्या भविष्य में ''कम गंभीर'' होगी, क्योंकि विविध स्रोतों के साथ आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विशिष्ट खाद्य पदार्थों की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से निपटने में मदद कर सकती हैं। ये बातें भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने गुरुवार को कही। भारत में घरेलू बजट में भोजन की हिस्सेदारी अधिक होने की बात पर जोर देते हुए गोयल ने कहा कि नीतियों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित होने की जरूरत है, क्योंकि स्थिर कृषि कीमतें मुद्रास्फीति से परे वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। गोयल ने कहा, ''जैसे-जैसे भारत विकसित होगा, इस समस्या (खाद्य पदार्थों की उच्च कीमतों) की गंभीरता कई कारणों से कम होती जाएगी। विविध स्रोतों वाली आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विशिष्ट वस्तुओं के दाम बढ़ने पर उनसे निपटने में मदद करेंगी।'' गोयल ने कहा कि किसी ने भी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में टमाटर या प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी के बारे में नहीं सुना है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास स्वाभाविक रूप से विविध भौगोलिक क्षेत्र हैं, विभिन्न क्षेत्रों से बेहतर एकीकृत बाजार जलवायु परिवर्तन से प्रेरित खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी को कम करने में मदद कर सकते हैं।'' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें कम होना रहा। खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति मार्च में 8.52 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 8.66 प्रतिशत थी।

पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान पर अश्नीर ग्रोवर का तंज, बोले- चुनाव के समय अर्थहीन हो जाते हैं करदाता

नई दिल्ली, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया के जज रहे अश्नीर ग्रोवर ने कहा कि आपको पहले भारत में टैक्स की राजनीति को समझने की जरूरत है। 140 करोड़ भारतीयों में से आठ करोड़ ही इनकम टैक्स रिटर्न भरते हैं। वहीं, दो करोड़ भारतीय केवल टैक्स देते हैं।

भारत में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी माहौल गर्माया हुआ है। जहां कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा द्वारा अमेरिका के विरासत टैक्स पर दिए बयान पर विवाद थमा नहीं था। वहीं अब शार्क टैंक इंडिया के जज रहे अश्नीर ग्रोवर ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिसने आग में घी डालने जैसा काम किया है। दरअसल, ग्रोवर का कहना है कि राजनीतिक रैलियों में नेता टैक्स को लेकर कोई भी वादा करके बाद में बच निकल सकते हैं क्योंकि देश में चुनावों के मामले में करदाता अर्थहीन अल्पसंख्यक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आपको पहले भारत में टैक्स की राजनीति को समझने की जरूरत है। 140 करोड़ भारतीयों में से आठ करोड़ ही इनकम टैक्स रिटर्न भरते हैं। वहीं, दो करोड़ भारतीय केवल टैक्स देते हैं। मजेदार बात यह है कि इन दो करोड़ लोगों में से भी केवल 45 लाख लोग कुल आयकर का 80 फीसदी भरते हैं। कुल 97 करोड़ वोटर हैं। अगर हिसाब लगाएं तो मात्र 0.5 फीसदी मतदाता इनकम टैक्स का भुगतान करते हैं। अश्नीर ग्रोवर ने कहा, इसलिए ही आप किसी राजनीतिक रैली में टैक्स पर कुछ भी कहकर बच निकल सकते हैं। क्योंकि टैक्स देने वाले बिना अहमियत वाले अल्पसंख्यक हैं।

हालांकि, शार्क टैंक इंडिया के जज रहे अश्नीर ग्रोवर ने किसी राजनेता का नाम नहीं लिया है। लेकिन इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा द्वारा विरासत टैक्स पर की गई टिप्पणी के बीच उनका ऐसा बयान आना सियासी गलियारे में हलचल मचा सकता है।

दरअसल, सैम पित्रोदा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था, जिसमें वह अमेरिका के विरासत टैक्स का जिक्र कर रहे थे। उनका कहना था, अमेरिका में विरासत कर (टैक्स) लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 फीसदी अपने बच्चों को दे सकता है। 55 फीसदी सरकार द्वारा हड़प लिया जाता है। यह एक दिलचस्प नियम है। यह कहता है कि आपने अपनी पीढ़ी में संपत्ति बनाई और अब आप जा रहे हैं, आपको अपनी संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। हालांकि पूरी नहीं, आधी ही। ये जो निष्पक्ष कानून है मुझे अच्छा लगता है।

एलपीयू के छात्र को आईटी की दिग्गज कंपनी में 3 करोड़ रुपये का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी अपनी प्लेसमेंट उपलब्धियों के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है। यहां के कई छात्रों को 10 लाख और उससे अधिक का पैकेज मिलने वाला है।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी अपनी प्लेसमेंट उपलब्धियों के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है। इसके 2023 बैच ने अपने क्लास में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की, जिसमें कई छात्रों ने बेहतरीन वेतन पैकेज हासिल किए, विशेष रूप से 2018 क्लास के एलपीयू छात्र यासिर एम ने आईटी कंपनी में 3 करोड़ रुपये का पैकेज हासिल करके इतिहास रचा है। एक अन्य छात्र पवन कुंचला को भी आईटी कंपनी टीसी सेंट्रल से 1 करोड़ रुपये का पैकेज मिला है। इसके अलावा, 2022-2023 बैच के 1100 से अधिक छात्रों को 10 लाख और उससे अधिक का पैकेज मिला है। एलपीयू के छात्रों का शानदार प्रदर्शन यह दिखाता है कि उन्होंने अपनी मेहनत से सीमित सीमाओं को पार किया है। बीटेक कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग के छात्र यशस्वी यदुवंशी को हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट द्वारा 52.08 लाख रुपये के शानदार पैकेज के साथ चुना गया है। इसके अलावा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने 54.9 लाख रुपये की उच्चतम सीटीसी हासिल की। जबकि आर्किटेक्चर और एमबीए के छात्रों को क्रमशः 31.69 और 29.3 लाख रुपये तक का पैकेज मिला है। 2023-24 के इस बार के एलपीयू बैच ने प्लेसमेंट सीजन में जबरदस्त सफलता दर्ज की है, जिसमें टॉप 10त्न छात्रों को 12.3 लाख रुपये का शानदार औसत पैकेज मिला है। ये संख्या कई टॉप आईआईटी के औसत से अधिक है और इससे टैलेंट डेवलपमेंट में अग्रणी संस्थान के रूप में एलपीयू की प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। इस तरह एलपीयू का शैक्षणिक माहौल और छात्रों के विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता छात्र को जॉब प्राप्त करने में मदद करती है। 2023-24 के इस बार के एलपीयू बैच ने प्लेसमेंट सीजन में जबरदस्त सफलता दर्ज की है, जिसमें टॉप 10 प्रतिशत छात्रों को 12.3 लाख रुपये का शानदार औसत पैकेज मिला है। ये संख्या कई टॉप आईआईटी के औसत से अधिक है और इससे टैलेंट डेवलपमेंट में अग्रणी संस्थान के रूप में एलपीयू की प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। एलपीयू के चांसलर और संसद सदस्य (राज्यसभा) डॉ. अशोक मित्तल ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों पर हार्दिक बधाई दी है। वह अपने छात्रों के बीच इंटेलेक्चुअल और इंटरपर्सनल ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए एलपीयू की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देते हैं। डॉ. मित्तल छात्रों के सपनों को साकार करने में मदद करने में एलपीयू के करियर सर्विसेज डिवीजन और मेंटर्स द्वारा निभाई गई अपरिहार्य भूमिका को स्वीकार करते हैं, जिससे छात्रों को शानदार पैकेज प्राप्त करने में मदद मिलती है। एलपीयू की प्रो चांसलर श्रीमती रश्मि मित्तल ने कहा कि एलपीयू के इंजीनियरिंग प्रोग्राम ने विश्वभर में ख्याति हासिल की है। इसने टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट रैंकिंग 2023 में भारत में दूसरा स्थान और रियल इम्पैक्ट -2023 के साथ विश्व के विश्वविद्यालयों में तीसरा स्थान हासिल किया है। ये प्रतिष्ठित सम्मान इस बात की मिसाल है कि यूनिवर्सिटी छात्रों को वास्तविक दुनिया में सफलता के लिए आवश्यक कौशल और जरूरी ट्रेनिंग देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

भारत के साथ व्यापार वार्ता शुरू करे शहबाज सरकार, पड़ोसी देश के कारोबारियों ने की पीएम से अपील

करांची, एजेंसी। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची में सिंध सीएम आवास पर एक बैठक के दौरान वहां के व्यापारिक समुदाय से जुड़े लोगों ने पीएम शहबाज शरीफ को सलाह दी कि वे अर्थव्यवस्था का कायापलट करने के लिए राजनीतिक स्थिरता लाने पर ध्यान केंद्रित करें। कारोबारियों ने पीएम से कहा कि वे भारत के साथ कारोबार और वाणिज्य से जुड़ी बातचीत की पहल करें, इससे नकदी संकट से जूझ रहे देश को बहुत लाभ मिलेगा।

पाकिस्तान के कारोबारियों ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से एक मुलाकात के दौरान भारत के साथ कारोबारी बातचीत शुरू करने की अपील की है। एक मुलाकात के दौरान पड़ोसी देश के कारोबारियों ने पीएम से कहा कि वे भारत के साथ कारोबार और वाणिज्य से जुड़ी बातचीत की पहल करें, इससे नकदी संकट से जूझ रहे देश को बहुत लाभ मिलेगा।

पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची में सिंध सीएम आवास पर एक घंटे की एक बैठक के दौरान वहां के व्यापारिक समुदाय से जुड़े लोगों ने आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प की सराहना की, लेकिन उन्हें सलाह दी कि वे अर्थव्यवस्था का कायापलट करने के लिए राजनीतिक स्थिरता लाने पर ध्यान केंद्रित करें।

समाचार पत्र 'डॉन' की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने निर्यात के जरिए अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने के तरीके तलाशने के लिए व्यापारिक समुदाय के साथ बैठक की। हालांकि, उनके संकल्प को उद्योग जगत के लोगों की आशंकाओं का सामना करना पड़ा, जिन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खासकर उच्च ऊर्जा लागत और असंगत सरकारी नीतियों के साथ व्यापार करना ''लगभग असंभव'' है।

प्रधानमंत्री के संक्षिप्त भाषण के बाद सवाल-जवाब शुरू किए गए। इस दौरान व्यापार जगत के लोगों ने सरकार के हालिया कदमों की सराहना की, लेकिन और अधिक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने वांछित परिणाम हासिल करने के लिए आर्थिक नीतियों पर प्रस्ताव भी साझा किए।

पूंजी बाजार की दिग्गज कंपनी आरिफ हबीब समूह के प्रमुख आरिफ हबीब ने कहा, ''कार्यभार संभालने के बाद आपने कुछ समझौते किए हैं, जिनके अच्छे परिणाम आए हैं और आईएमएफ सौदे पर प्रगति उनमें से एक है।'' खबर में कहा गया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से भारत के साथ व्यापार वार्ता शुरू करने के लिए भी कहा।

उन्होंने कहा, ''मेरा सुझाव है कि आप कुछ और समझौते करें। उनमें से एक भारत के साथ व्यापार को लेकर है, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। दूसरा आपको अदियाला जेल में रह रहे (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ के नेता इमरान खान) के साथ भी (हाथ मिलाना) करना चाहिए। उस स्तर पर भी चीजों को ठीक करने का प्रयास करें और मुझे विश्वास है कि आप यह कर सकते हैं।'' भारत के पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा रद्द करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध टूट गए। भारत के फैसले पर पाकिस्तान की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया दी गई जिसने राजनयिक संबंधों को कम कर दिया और भारतीय दूत को निष्कासित कर दिया। पाकिस्तान ने भारत के साथ सीधे व्यापार संबंध भी खत्म कर दिए।

बेबी फूड में अधिक चीनी मिलाने की खबरों पर सरकार सख्त, नियामक देश भर में इकट्ठा कर रहा नेस्ले के सैंपल

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने गुरुवार को बताया है कि वह पूरे भारत से नेस्ले के बेबी फूड सेरेलैक के नमूने इकट्ठे कर रहा है। नियामक की ओर से यह कार्रवाई उत्पादों में अतिरिक्त चीनी मिलाने की खबरों के बाद की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जी कमला वर्धन राव ने एसोचैम के एक कार्यक्रम से इतर पीटीआई से कहा, इस प्रक्रिया को पूरा करने में 15 से 20 दिन का समय लगेगा। एफएसएसएआई स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है, जो खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए उत्तरदायी है।

इससे पहले, स्विस एनजीओ पब्लिक आई की ओर से प्रकाशित एक वैश्विक रिपोर्ट पर संज्ञान लेने के बाद उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने नेस्ले के शिशु खाद्य उत्पादों में कथित उच्च चीनी की मात्रा पर चिंता व्यक्त किया था। उसके बाद एफएसएसएआई की ओर से सैंपल इकट्ठा कर कंपनी की ओर से बच्चों के लिए बनाई जा रही खाद्य उत्पादों की जांच करने का कदम उठाया गया।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेस्ले यूरोप के बाजारों की तुलना में भारत, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों सहित कम विकसित दक्षिण एशियाई देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचती है। हालांकि, नेस्ले इंडिया की ओर से दावा किया गया कि उसने अनुपालन से कभी समझौता नहीं किया और उसने पिछले पांच वर्षों में भारत में शिशु खाद्य उत्पादों में चीनी की मात्रा में 30 प्रतिशत तक की कमी की है। दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया का चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 934 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में शुद्ध मुनाफा 737 करोड़ रुपये रहा था। समीक्षाधीन अवधि में परिचालन आय बढ़कर 5,267 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 4,830 करोड़ रुपये थी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान नहीं जाएगी भारतीय टीम? चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले फंसा पेच

नईदिल्ली, एजेंसी। चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में 2025 में होना है, लेकिन भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के लिए वहां जाएगी या नहीं इस पर कोई अधिकारिक रिपोर्ट नहीं आई है. इस बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टीम इंडिया वहां खेलने नहीं जाएगी. भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान खेलने नहीं जाती है तो क्या होगा. इस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बयान दिया है. एक सूत्र ने कहा, अगर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आधिकारिक तौर पर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी खेलने के लिए अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार करता है तो विकल्पों पर विचार करेगा. दरअसल, हाल में एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें ऐसा कहा गया था कि भारत अगले साल पड़ोसी देश में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगा. सूत्र ने बताया, पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी पहले ही कह चुके हैं कि पाकिस्तान भारत के साथ तटस्थ स्थान पर द्विपक्षीय सीरीज खेलने के लिए तैयार है, अगर भारत अगले साल पाकिस्तान में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए सहमत हो . इस सूत्र ने कहा, रोहित शर्मा के बयान और बीसीसीआई के सूत्र पर आधारित रिपोर्ट पर स्पष्ट विरोधाभास है. इससे साफ पता चलता है कि अगर बात क्रिकेट की हो तो खिलाड़ी इच्छुक हैं और उन्हें घरेलू मैदानों पर एक-दूसरे के साथ खेलने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन भारत का राजनीतिक नेतृत्व है, जो ऐसा नहीं करना चाहता है.

पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें फाइनल में, बोम्मदेवरा ने रिकॉर्ड में किया सुधार

शंघाई, एजेंसी। भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। महिला वर्ग में मौजूद विश्व चैंपियन भारत ने तुर्किये और एस्तोनिया को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने सत्र के शुरुआती तीरंदाजी विश्व कप के फाइनल में जगह बनाकर देश का पदक पक्का कर दिया। इसके साथ ही धीरज बोम्मदेवरा ने पुरुषों के रिकर्व क्वालिफिकेशन राउंड में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ तीसरा स्थान हासिल किया।

अनुभवी अभिषेक वर्मा, उभरते हुए तीरंदाज प्रथमेश भालचंद्र फुगे और मौजूदा अंडर-21 विश्व चैंपियन प्रियांश की चौथी वरीयता प्राप्त पुरुष टीम ने फिलीपींस और डेनमार्क को शिकस्त देने के बाद सेमीफाइनल में कोरिया की मजबूत चुनौती को खत्म की। भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। भारतीय पुरुष टीम ने करीबी मुकाबले में कोरिया को 235-233 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस मुकाबले के शुरुआती दो दौर के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थी, लेकिन भारत ने 59 के स्कोर के साथ कोरिया को पछाड़ा।

पंत को टी20 विश्व कप टीम में होना चाहिए: संजय मांजरेकर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि ऋषभ पंत वो काम कर सकते हैं जो ज्यादातर भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज नहीं कर सकते और इसलिए उन्हें टी20 विश्व कप टीम में होना चाहिए। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 44 रन की पारी खेलने के बाद पंत ने बुधवार रात गुजरात टाइटंस के खिलाफ 204.6 के स्ट्राइक रेट से आठ छक्के और पांच चौके लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनकी 43 गेंदों में 88 रन की पारी ने डीसी को गुजरात के खिलाफ 4 विकेट पर 224 रन तक पहुंचाया।

जब पंत ने अक्षर पटेल के साथ हाथ मिलाया तो डीसी 3 विकेट पर 44 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी और दोनों बल्लेबाजों ने 68 गेंदों में 113 रन जोड़े। संजय मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव पर कहा, ÷हम जिस कारण से इस पर बहस कर रहे हैं उसका एकमात्र कारण हमारे पास मौजूद विकल्प है। एक विकल्प के रूप

में संजू सैमसन और केएल राहुल हैं, दोनों बहुत ही रोमांचक हैं लेकिन बात ऋषभ पंत की है और यही कारण है कि मैं 15 में, प्लेइंग 11 में भी हर समय उनका समर्थन करूंगा, बड़े मंच पर आएं, सेमी- टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल, यह वह व्यक्ति है जो 60 गेंदों में शतक लगाएगा और मैच जीतेगा।

उन्होंने कहा, अब यह कुछ ऐसा नहीं है जिसे भारतीय टीम में बहुत से लोग करेंगे। हमने देखा है कि भारतीय टीम फाइनल राउंड में पहुंची और बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, ऋषभ पंत स्वभाव से एक अलग तरह के स्थान पर हैं जहां आप जानते हैं कि इस तरह का मंच, उन्हें और अधिक फलने-फूलने की अनुमति देता है। वह उस तरह की स्थिति में आराम करते हैं।

यह पंत का 2024 आईपीएल सीज़न का सर्वोच्च स्कोर था क्योंकि उन्होंने पहले ही नौ मैचों में 48.86 की औसत के साथ तीन अर्धशतक सहित 342 रन बनाए हैं। उनकी 88 रनों की तूफानी नाबाद पारी ने टी20 विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज के स्थान की लड़ाई में स्टार बल्लेबाज का पक्ष लिया है। भारत के एक अन्य पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने पंत के प्लेइंग इलेवन में शामिल होने को लेकर आश्वस्त थे और कहा, ÷वह मेरे प्लेइंग 11 में हैं। आज से पहले, मुझे लगता है कि हमने खेल से पहले भी यह बातचीत की थी और मैंने बिना किसी संदेह के कहा था कि ऋषभ पंत मेरी प्लेइंग 11 में आता है। दीप दासगुप्ता ने कहा,डेढ़ साल पहले जो कुछ हुआ उसके बाद आईपीएल शुरू होने से पहले एकमात्र संदेह उनकी फिटनेस का स्तर था। वह किस प्रकार की शारीरिक स्थिति में है और यदि वह फिट है जैसा कि वह है, तो वह फिट से भी बेहतर है। दरअसल, आप जानते हैं कि मैं उनसे क्या बातें कर रहा था. पिछले चार या पांच महीनों में उसका वजन छह किलो कम हो गया है और वह वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहा है। तो हाँ, आइए बात करते हैं ऋषभ पंत के बारे में। मेरा मतलब है कि वह अधिक फिट है, वह तेज है, वह बेहतर बल्लेबाजी कर रहा है। बिना किसी संदेह के, जहां तक मेरा सवाल है, मुझे लगता है कि यह कोई बहस ही नहीं है। 15, हाँ, वह वहाँ है। 1 मई को आईसीसी की सबमिशन की समय सीमा भाग लेने वाली टीमों को 25 मई तक अपने प्रारंभिक चयन में बदलाव करने की अनुमति देती है।

रसिख सलाम पर बीसीसीआई का एक्शन
आईपीएल की आचार संहिता का किया उल्लंघन

नईदिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज रसिख सलाम दार पर बुधवार 24 अप्रैल, बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के दौरान अत्यधिक जश्न मनाने के लिए जुर्माना लगाया गया है। डीसी ने आखिरी ओवर के रोमांचक मुकाबले में 4 रन से जीत दर्ज की और अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखा। डीसी ने पहले बैटिंग करते हुए 224 रन बनाए थे, इस स्कोर के सामने जीटी निर्धारित 20 ओवर में 220 ही रन बना सकती थी।

रसिख ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 का अपराध किया है। इसमें ऐसी भाषा, कार्यों या इशारों का उपयोग करना शामिल है जो अपमान करते हैं या जो किसी अन्य खिलाड़ी की आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़का सकते हैं।

आईपीएल की प्रेस रिलीज के अनुसार दार ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 का अपराध किया है। उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया है और मैच रेफरी की मंजूरी स्वीकार कर ली है। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है। रसिख सलाम ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार गेंदबाज की थी, 4 ओवर के कोटे में उन्होंने 44 रन खर्च कर साई सुदर्शन, शाहरुख खान और साई किशोर के रूप में तीन बड़ी विकेट चटकाई थी। बात

मुकाबले की करें तो, टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने कप्तान ऋषभ पंत की 88 रनों की नाबाद पारी के दम पर निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 224 रन बोर्ड पर लगाए। इस स्कोर का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम 20 ओवर में 220 के स्कोर तक ही पहुंचने में कामयाब रही। जीटी की ओर से साई सुदर्शन ने 65 तो डेविड मिलर ने 55 रनों की पारी जरूर खेली, मगर वह अपनी टीम को जीत की दहलीज पार नहीं करा पाए। दिल्ली के लिए रसिख दार सलाम ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए।

भारत की महिला फुटबॉल टीम की कोच बनने को तैयार चाओबा देवी

नई दिल्ली , एजेंसी। देवी पूर्वोत्तर की एकमात्र महिला कोच हैं जिनके पास एएफसी का 'ए' लाइसेंस कोचिंग प्रमाण पत्र है। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति इस सिफारिश को अगली बैठक में मंजूरी देगी। सिफारिश का मतलब लगभग नियुक्ति तय होना है। आईएम विजयन की अगुवाई वाली अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की तकनीकी समिति ने बुधवार को पूर्व खिलाड़ी लांगम चाओबा देवी के नाम की सिफारिश राष्ट्रीय महिला फुटबाल कोच पद के लिए की है जिससे वह इस पद की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं। देवी (51 वर्ष) ने 1999 एशियाई चैंपियनशिप में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। वह भारतीय टीम की सहायक कोच भी रह चुकी हैं। मणिपुर की इस खलाड़ी ने 1998 बैंकॉक एशियाई खेलों में भी देश का प्रतिनिधित्व किया था।

एआईएफएफ ने कहा, 'काफी सोच विचार के बाद समिति ने एल चाओबा देवी के नाम की सिफारिश भारतीय सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच पद के लिए की है।' देवी पूर्वोत्तर की एकमात्र महिला कोच हैं जिनके पास एएफसी का 'ए' लाइसेंस कोचिंग प्रमाण पत्र है। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति इस सिफारिश को अगली बैठक में मंजूरी देगी। सिफारिश का मतलब लगभग नियुक्ति तय होना है।

समिति ने प्रिया पीवी और रोनीबाला चानू के नाम की सिफारिश क्रमशः सहायक और गोलकीपिंग कोच के पद के लिए की है। समिति ने पुरुष अंडर-16 और अंडर-19 टीम के कोच की नियुक्ति पर भी चर्चा के बाद कुछ नामों की सिफारिश की।

गुकेश का स्वदेश लौटने पर हुआ भव्य स्वागत, एयरपोर्ट पर जुटे प्रशंसक

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का खिताब जीतकर गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश का स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत हुआ। गुकेश टोरंटो में हुए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। गुकेश गुरुवार देर रात चेन्नई पहुंचे जहां एयरपोर्ट पर भारी संख्या में मौजूद प्रशंसकों ने उनका स्वागत किया।

गुकेश की एक झलक पाने को बेताब दिखे फैंस

वेलामल विद्यालय जहां गुकेश पढ़ते हैं वहां के सैकड़ों छात्र एयरपोर्ट पर करीब एक घंटे तक उनका इंतजार करते रहे। इसके अलावा जैसे-जैसे गुकेश की फ्लाइट लैंड होने का समय नजदीक आता गया वैसे-वैसे एयरपोर्ट पर फैंस की भीड़ बढ़ती चली गई। यह युवा शतरंज खिलाड़ी करीब तीन बजे एयरपोर्ट से बाहर आया और उन्हें तुरंत

वहां मौजूद फैंस ने घेर लिया। फैंस ने गुकेश को माला पहनाई और पुलिस को उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए मेहनत करनी पड़ी। गुकेश की मां पदमा जो एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं वह भी परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गुकेश का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थीं। गुकेश ने भीड़ के बीच जैसे ही अपनी मां को देखा उनके चेहरे पर मुस्कान देखने मिली। इसके बाद गुकेश अपनी मां से गले मिले। गुकेश के पिता रजनीकांत जो पेशे से एएनटी सर्जन हैं, लेकिन उनका समर्थन करने के लिए उन्होंने अपने प्रैक्टिस छोड़ दी थी, वो गुकेश के साथ टोरंटो गए थे।

गुकेश ने एयरपोर्ट के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा, घर लौटकर काफी खुशी हो रही है, यह एक विशेष उपलब्धि है। मैं टूर्नामेंट की शुरुआत से ही अच्छी स्थिति में था। मुझे पूरा भरोसा था कि मैं यह टूर्नामेंट जीत लूंगा और भाग्य ने भी मेरा साथ दिया। यह देखना सुखद है कि लोग शतरंज को पसंद कर रहे हैं। मैं तमिलनाडु सरकार, अम्मा (मां), अप्पा (पिता), कोच, दोस्तों, परिवार, प्रायोजक और अपने स्कूल को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस टूर्नामेंट को जीतने में मेरी काफी मदद की।

गुकेश की जीत के बाद एआईसीएफ उठाएगा बड़ा कदम, चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए लगाएगा बोली

चेन्नई, एजेंसी। लिरेन और 17 वर्षीय गुकेश के बीच विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले के तारीख और आयोजन स्थल की घोषणा अब तक नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों खिलाड़ियों के बीच साल के अंत में यह यह चैंपियनशिप होगी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जीतने के बाद अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के सचिव देव पटेल ने गुरुवार को कहा कि भारत गुकेश और गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के बीच साल के अंत में होने वाले विश्व चैंपियनशिप के मेजबानी अधिकार हासिल करने के लिए बोली लगाएगा। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का खिताब जीतकर गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। लिरेन और 17 वर्षीय गुकेश के बीच विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले के तारीख और आयोजन स्थल की घोषणा अब तक नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों खिलाड़ियों के बीच साल के अंत में यह चैंपियनशिप होगी। अब एआईसीएफ के सबसे युवा सचिव देव पटेल ने इस बात की जानकारी दी है कि महासंघ इस चैंपियनशिप की बोली लगाने के इच्छुक है। देव ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, हम शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे से इस बारे में चर्चा करेंगे और हमारी कोशिश रहेगी कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ चैंपियनशिप का आयोजन भारत में ही हो। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य फिडे को विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी का प्रस्ताव देना ही नहीं, बल्कि देश में शतरंज को लोकप्रिय खेल बनाना है।

उसैन बोल्ट टी-20 वर्ल्ड कप के ब्रांड एम्बेसडर बने

कहा-अमेरिका में क्रिकेट का आना बड़ी बात, निश्चित रूप से वेस्टइंडीज को सपोर्ट करूंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ओलिंपिक लिजेंड उसैन बोल्ट को आगामी आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया है। टी-20 वर्ल्ड जो 1-29 जून 2024 तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। 11 बार के वर्ल्ड चैंपियन बोल्ट वेस्टइंडिज के जमैका से हैं। उन्होंने 2017 में लंदन वर्ल्ड चैम्पियनशिप के बाद संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने आखिरी टूर्नामेंट में सिल्वर मेडल जीता था। बोल्ट ने कहा, मैं आगामी टी-20 वर्ल्ड कप का ब्रांड एम्बेसडर बनकर रोमांचित हूं। इस खेल ने हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखा है, और मैं वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज मैचों में भाग लेने और वर्ल्ड लेवल पर क्रिकेट के डेवलेपमेंट में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। हालांकि मैं निश्चित रूप से वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा, लेकिन इस गेम को अमेरिका में लाना

क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा स्पोर्ट मार्केट है और टी-20 वर्ल्ड कप के लिए हम जो करेंगे, वह 2028 में ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका है।

बोल्ट के नाम 100 मीटर रेस में वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज

बोल्ट ने 100 मीटर रेस 9.58 सेकंड और 200 मीटर रेस 19.19 सेकंड में पूरी की थी। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड है। बोल्ट ने 3 ओलिंपिक में 8 गोल्ड जीते थे। इनमें से 2008 बीजिंग ओलिंपिक में 2, जबकि 2012 लंदन ओलिंपिक और 2016 रियो ओलिंपिक में 3-3 गोल्ड जीते थे।

क्रिकेट के कारण ही बोल्ट को एथलेटिक्स में करियर मिला

जमैका में जन्मे बोल्ट बोल्ट ने अपना बचपन भाई के साथ गली में क्रिकेट और फुटबॉल खेलकर बिताया। 12 साल की उम्र तक उन्होंने यह तो सोच लिया था कि खेल में ही करियर बनाना है, लेकिन किस खेल में बनाना है, यह तय नहीं कर पा रहे थे।

एक दिन बोल्ट के क्रिकेट कोच ने पिच पर उनके दौड़ने की स्पीड देखी और सलाह दी कि उन्हें स्प्रिंटिंग में कोशिश करनी चाहिए। बोल्ट ने अपने कोच की सलाह मानी और दौड़ की ट्रेनिंग लेने लगे। पहली बार लगभग पंद्रह साल की उम्र में कैरेबियन रीजनल प्रतियोगिता में जमैका के लिए खेलते हुए 2001 में, 400 मीटर और 200 मीटर दौड़ में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता। 2002 में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में एक गोल्ड के साथ तीन मेडल जीते।

एम्बेसडर के रूप में, बोल्ट इस इवेंट को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह सिंगर सीन पॉल और केस के साथ ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो के रिलीज में एक कैमियो के साथ होगी। आठ बार के ओलंपिक गोल्ड मेडल विनर वेस्टइंडीज में टी-20 वर्ल्ड कप मैचों में भी भाग लेंगे और अमेरिका के अंदर खेल को बढ़ावा देने वाले फैंस इवेंट्स का भी हिस्सा होंगे।टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच कनाडा और होम टीम अमेरिका के बीच खेला जाएगा। मुकाबला एक जून को डालास में ही होगा। वेस्टइंडीज अपना पहला मैच 2 जून को पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ गयाना में खेलेगा। टूर्नामेंट में 20 टीमों के बीच 29 दिन तक कुल 55 मैच खेले जाएंगे

महादेव सट्टेबाजी घोटाला

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया को महाराष्ट्र पुलिस ने किया तलब

बॉ लीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया को महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने करोड़ों रुपये के महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले की चल रही जांच में पूछताछ के लिए तलब किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि तमन्ना भाटिया ने कथित तौर पर महादेव के ग्रुप ऐप में से एक, फेयरप्ले ऐप पर आईपीएल देखने के लिए प्रचार किया था। एक्ट्रेस को अपना बयान दर्ज करने के लिए सोमवार, 29 अप्रैल को साइबर पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। कई अंतरराज्यीय और केंद्रीय एजेंसियां भी महादेव ऐप घोटाले की जांच कर रही हैं, जो अनुमानित 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बताया जा रहा है। 2021 में घोटाला सामने आने के बाद मनोरंजन जगत की कई हस्तियों, बिजनेसमैन और राजनीतिक संरक्षण वाले अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आई। इस मामले में पूरे भारत में छह दर्जन से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं और जैसे ही मनी-लॉन्ड्रिंग का पहलू सामने आया, प्रवर्तन निदेशालय भी जांच में कूद गया।

साफ सुथरे व्यक्ति नहीं थे अमरसिंह चमकीला: इम्तियाज

इम्तियाज अली इन दिनों अपनी फिल्म अमर सिंह चमकीला के कारण खासी सुर्खियाँ बटोर रहे हैं। दर्शकों को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'अमरसिंह चमकीला' काफी पसंद आ रही है। वे इसकी तारीफ कर रहे हैं और इसी बीच इम्तियाज ने इस फिल्म को बनाने के पीछे का कारण बताया है। इम्तियाज ने बताया कि वह दिवंगत गायक अमरसिंह चमकीला की गलतियों को हाइलाइट करते हुए लोगों को उनकी खूबियों के बारे में बताना चाहते थे। इम्तियाज अली ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं बायोपिक बनाऊंगा। हालांकि, चमकीला की कहानी में, ऐसी कई सारी चीजें थीं जिनके बारे में मुझे लगा कि मुझे लोगों को बताना चाहिए क्योंकि वे दर्शकों से छिपाई गई हैं। हालांकि, किसी के जीवन पर बायोपिक बनाते समय, आपके पास तथ्यों को बदलने की नहीं, बल्कि उनके सभी पहलुओं को दिखाने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। यदि आप उनकी गलतियों को नहीं दिखाएंगे तो फिर उनका महिमामंडन करने का क्या मतलब? मुझे वो वाली बायोपिक्स बिल्कुल पसंद नहीं आती हैं जिसमें सामने वाले व्यक्ति की सिर्फ अच्छी-अच्छी बातें बताई जाएं। इम्तियाज ने आगे कहा, मेरा मक्सद अमरसिंह चमकीला की साफ-सुथरी इमेज बनाना नहीं था क्योंकि वह साफ सुथरे व्यक्ति थे भी नहीं। लेकिन, मुझे उनकी कुछ खूबियों पर पूरा भरोसा था। आप उनका कोई भी वीडियो उठाकर देख लीजिए। वह एक स्टार के रूप में नहीं बल्कि जनता के सेवक के रूप में स्टेज पर आते थे। वह बेहद विनम्र व्यक्ति थे। उन्होंने कभी नखरे नहीं दिखाए। वह हमेशा हर बात के लिए सहमत हो जाते थे और इसी वजह से उन्होंने अपनी जान गंवा दी क्योंकि वह दर्शकों को ना नहीं कह सके।

कपिल शर्मा के शो में हुआ खुलासा

आखिर आमिर खान अवॉर्ड शो में क्यों नहीं जाते

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान कपिल शर्मा के कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आएंगे। शो के मेकर्स ने बुधवार को नया प्रोमो जारी किया, जिसमें एक्टर को शो के कलाकारों के साथ मस्ती करते हुए देखा जा सकता है। आमिर को पिछली बार लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आमिर ने कई किस्से भी सुनाए। यह पहली बार है जब आमिर इस शो में नजर आ रहे हैं। वह सीमित जगहों पर ही जाने के लिए जाने जाते हैं। एपिसोड के दौरान, आमिर ने यह खुलासा भी किया कि वह अवॉर्ड शो में क्यों नहीं जाते। उन्होंने कहा कि समय बहुत कीमती है और इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसके बाद उन्होंने पीके फिल्म के आइकोनिक रेडियो सीन के बारे में बात की, जहां वह रेलवे ट्रैक पर बिना कपड़ों के दौड़ते हैं। आमिर ने बताया कि वह शो में शॉर्ट्स पहनकर आना चाहते थे लेकिन उनकी टीम ने उन्हें जींस पहनने के लिए कहा। द ग्रेट इंडियन कपिल शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम है।

मैं एक थीम तक सीमित नहीं रहना चाहता: रणदीप

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने कहा है कि वह खुद को एक थीम तक सीमित नहीं रखना चाहते। वह अलग-अलग शैलियों में काम करना चाहते हैं। अभिनेता ने एक फिल्म निर्माता के रूप में अपने अगले प्रोजेक्ट एक्शन फिल्म का भी संकेत दिया। अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछे जाने पर रणदीप ने आईएएनएस से कहा, एक एक्टर के तौर पर, मैंने कई छलांग लगाई है, कई तरह के किरदार निभाए हैं। इसी तरह, एक फिल्म निर्माता के रूप में, मैं अलग-अलग शैलियों पर काम करूंगा। शायद अ

गली बार मैं एक एक्शन फिल्म बनाऊंगा। रणदीप ने 2001 में मॉनसून वेडिंग से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने कई शानदार फिल्में दी, जिनमें साहेब बीवी और गैंगस्टर, मर्डर 3, हाईवे और सरबजीत शामिल हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में एक्टर ने कहा, इंडस्ट्री कोई एक व्यक्ति या लोगों का समूह नहीं है। यह अलग-अलग द्वीप हैं जो अपना काम करने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे मैं एक हूं।

कई कहानियों को चुनौती देने वाली फिल्म के साथ... सात साल बाद बड़े पर्दे पर सफल वापसी के साथ, एक एक्टर और निर्देशक के रूप में मुझे दर्शकों से जो प्यार मिला है, उसने मेरा आत्मविश्वास बढ़ा दिया है। आखिरकार दर्शक ही हैं जो किसी के टैलेंट को बेहतर तरीके से आंकते हैं। अभिनेता ने आगे कहा, मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो इस बात का रोना रोते हैं कि मुझे क्या मिलना चाहिए था। इसके बजाय, मैं दर्शकों का प्यार जीतते रहने के लिए कड़ी मेहनत करने में विश्वास रखता हूं।

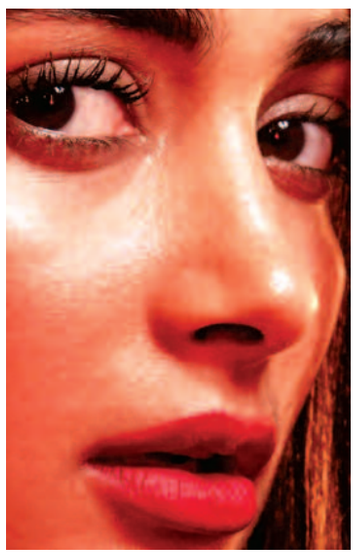

निर्देशक एटली की पड़ोसन बनी पूजा हेगड़े

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ब्लॉकबस्टर निर्देशक एटली की नई पड़ोसी बन गई हैं। एटली शाहरुख खान और नयनतारा स्टारर फिल्म जवान के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। पूजा हेगड़े जल्द ही शाहिद कपूर के साथ अपकमिंग फिल्म देवा में नजर आएंगी। एक्ट्रेस हाल ही में आलीशान घर में शिफ्ट हुईं। यह घर 4,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है और इसकी कीमत 45 करोड़ रुपये है। एक सूत्र ने खुलासा किया, पूजा हेगड़े अपने नए घर में शिफ्ट हो गई हैं। उनका नया घर निर्देशक एटली के घर के पास है, जहां वह अपने परिवार के साथ रहते हैं।

'रोती हूं, बुरा लगता है', जब कटरीना कैफ ने एक्स रणबीर कपूर के रिश्तों पर खुलकर की बात

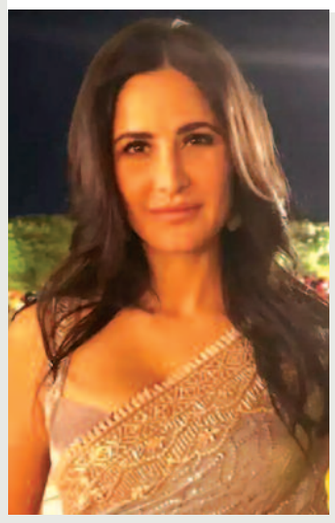

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। इन दिनों वह रामायण को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर अपनी फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब सुर्खियों में रहते हैं। आलिया से शादी से पहले रणबीर कई बॉलीवुड हसीनाओं को डेट कर चुके हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ का नाम कई बार सामने आया है। एक वक्त था जब रणबीर का नाम कैटरीना कैफ के साथ जुड़ता था साथ ही दोनों की शादी की खबरें भी आती रहती थी। इसके अलावा रणबीर और दीपिका पादुकोण का रिश्ता भी काफी सीरियस था। दीपिका-कैटरीना से ब्रेकअप के बाद रणबीर ने आलिया को डेट करना शुरू किया और फिर दोनों ने 2022 में शादी कर ली। वहीं एक इंटरव्यू में जब कटरीना कैफ से आलिया के साथ दोस्ती और दीपिका के साथ उनके उनके रिश्तो को लेकर सवाल किया गया था। जिस पर एक्ट्रेस ने खुलकर बात की थी।

दीपिका और रणबीर 2009 में अलग हो गए थे, जिसके बाद रणबीर ने कटरीना को डेट करना शुरू किया। 2009 से 2016 तक रणबीर-कटरीना ने एक-दूसरे को डेट किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रणबीर का परिवार कैटरीना को ज्यादा पसंद नहीं करता था, जिसके चलते दोनों अलग हो गए थे।

कटरीना कैफ से 2019 में एले इंडिया के साथ एक थ्रोबैक इंटरव्यू में पूछा गया था कि वह आलिया के साथ दोस्त कैसे बनीं, जो उस समय रणबीर को डेट कर रही थीं और दीपिका के साथ उनके रिश्ते कैसे हैं? इस पर एक्ट्रेस ने कहा था कि यह तो एहसास की बात होती है। यह सब मायने नहीं रखता है।

शैतानी रस्में में मेरा किरदार वंडर वुमन के साथ काली मां की उग्रता का मिश्रण :नकियाह हाजी

शैतानी रस्में में निक्की की भूमिका निभाने वाली नकियाह हाजी अपने नए किरदार माया के लिए नया लुक जारी करेंगी। इस लुक को एक्ट्रेस ने गैल गैडोट की वंडर वुमन के साथ काली मां की उग्रता का मिश्रण करार दिया। एक्ट्रेस ने कहा, शो में मेरे नए किरदार माया के लिए खास लुक है। उनका लुक मॉडर्न और ट्रेडिशनल का मिक्सअप है, जिसमें गैल गैडोट की वंडर वुमन के स्वभाव के साथ काली मां की उग्रता का संयोजन है। नकियाह ने कहा, यह ताकत, रोष और भावना से भरा हुआ है। इस ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरने में मुझे लगभग तीन घंटे लगे, जिसमें बॉडी पेंट लगाना और भारी सामान शामिल था। यह कोई आसान प्रक्रिया नहीं थी, लेकिन मेरे पास एक अद्भुत टीम थी, जिन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए बेहद प्रयास किए कि सब कुछ सही दिखे। नकियाह ने कहा-मैं उस दिन बीमार थी, लेकिन मुझे शूटिंग के दौरान चेहरे पर तेज गुस्सा दिखाना पड़ा। अभिनेता के रूप में, हम हमेशा नई चुनौतियों का सामना करते हैं और हर स्थिति में अपना बेस्ट देने का प्रयास करते हैं। यह मेरे लिए बेहतरीन एक्सपीरियंस रहा, क्योंकि इसने मुझे बीमार होने के बावजूद अपना बेस्ट परफॉर्म करने और अपनी कला के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। अपकमिंग एपिसोड की ओर इशारा करते हुए, नकियाह ने खुलासा किया कि उनके किरदार निक्की में एक बड़ा बदलाव आया है और वह एक नए रूप में नजर आएंगी।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, वह अब एक ऐसी भूमिका निभा रही है जहां वह अपने परिवार की रक्षा करने के लिए कुछ भी कर सकती है, ठीक उसी तरह जैसे एक शेरनी अपने शावक की रक्षा करती है। शैतानी रस्में स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

73 की उम्र में रजनीकांत का कमाल, बने एशिया के सबसे महंगे स्टार, कुली के लिए वसूले 280 करोड़!

रजनीकांत आज के दौर के सबसे महंगे स्टार बन गए हैं और ये कमाल उन्होंने 73 की उम्र में किया है। वे अपनी अगली फिल्म के लिए 280 करोड़ रुपए चार्ज कर रहे हैं और अगर उन्हें यह फीस आधिकारिक तौर पर मिल जाती है तो वे देश ही नहीं बल्कि एशिया के सबसे महंगे स्टार कहे जाएंगे। रजनीकांत सुप्रसिद्ध निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ एक फिल्म में काम कर रहे हैं, जिसके शीर्षक की घोषणा हाल ही में की गई है।

कनगराज की रजनीकांत अभिनीत फिल्म का शीर्षक कुली है। फिल्म निर्माता ने खुलासा किया कि थलाइवर 171 को आधिकारिक तौर पर कुली कहा जाएगा और उन्होंने एक एक्शन से भरपूर टीजर भी शेयर किया। प्रशंसक यह देखने के लिए एक्साइटेड हैं कि रजनीकांत और लोकेश ने उनके लिए क्या नया परोसा है जो अमिताभ बच्चन की 1983 में आई फिल्म कुली से

अलग होगा। फिल्म के लिए रजनीकांत की फीस का खुलासा हो गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के लिए रजनीकांत ने बेहद मोटी रकम चार्ज की है। प्राप्त समाचारों के अनुसार रजनीकांत ने फिल्म के लिए 260 करोड़ से 280 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। यदि ये दावे सच हैं, तो यह तमिल सुपरस्टार को एशिया में सबसे अधिक भुगतान पाने वाला अभिनेता बना देगा। हालांकि अभी तक इस बात को लेकर निर्माताओं या अभिनेता की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। रजनीकांत की कुली जल्द ही फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है और फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज करने जा रहे हैं।

फिल्म के संगीतकार के तौर पर अनिरुद्ध रविचंदर को चुना गया है। थलाइवर 171 में पृथ्वीराज सुकुमारन, रणवीर सिंह और पार्वती थिरुवोथु भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, वहीं विजय सेतुपति कथित तौर पर थलाइवर 171 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए निर्देशक लोकेश के साथ बातचीत कर रहे हैं। इसके अलावा, यह भी कहा जा रहा है कि शाहरुख खान इस फिल्म में एक कैमियो भूमिका निभा सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, रजनीकांत थलाइवर 170 पर भी काम कर रहे हैं, जिसका आधिकारिक नाम वेट्टैयान है। फिल्म का निर्देशन टी जे ग्नानवेल कर रहे हैं।

भारतीय मूल की इस बेटी का नेटफ्लिक्स में चलता है सिक्का

नेटफ्लिक्स के मुंबई दफ्तर में इन दिनों दिवाली सा माहौल है। पहले अभिनेता रवि किशन की वेब सीरीज 'मामला लीगल है' ने लोगों का दिल जीता। फिर, निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'चमकीला' हिट रही और अब आने वाली है, निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी'। 'हीरामंडी' का प्रीमियर बुधवार को मुंबई में होने वाला है। इसके लिए फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों को न्यौता जा चुका है और नेटफ्लिक्स की इस 'दिवाली' में खासतौर से शामिल होने पहुंची हैं नेटफ्लिक्स की मुख्य सामग्री अधिकारी यानी चीफ कंटेंट ऑफिसर बेला बजरिया। बीते आठ साल से बेला बजरिया नेटफ्लिक्स में हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी रहा है जब बेला बजरिया का जलवा रैंप पर भी खूब निखरा। साल 1970 में लंदन में जन्मी बेला बजरिया के माता-पिता भारतीय मूल के हैं और उनके बचपन का लंबा समय अपने दादा-दादी के साथ बीता। ऐसा इसलिए हुआ बताया जाता है क्योंकि उनके माता-पिता जब लंदन से कारोबार की तलाश में अमेरिका पहुंचे तो वह अपना वीजा खत्म होने के बाद भी वहां रुके रहे और गैरकानूनी अप्रवासी घोषित कर दिए गए।

- साभार एजेंसी